राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार 10 जुलाई 2025 वर्ष-8,अंक-141 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

बिहार में बंद के दौरान राहुल गांधी और तेजस्वी यादव भी सड़कों पर उतरे

मतदाता गहन पुनरीक्षण के खिलाफ दिखाई एकजुटता, केंद्र और चुनाव आयोग को घेरा

पटना।

केंद्रीय श्रमिक संगठनों ने बुधवार को देशव्यापी हड़ताल की घोषणा की है, वहीं, बिहार में इंडिया गठबंधन ने चक्का जाम किया। बिहार में विपक्षी दलों ने मिलकर मतदाता गहन पुनरीक्षण के खिलाफ बंद को सफल बनाने में एकजुटता दिखाई। बिहार बंद के दौरान राहुल गांधी, तेजस्वी यादव और दीपांकर भट्टाचार्य एक ट्रक पर सवार होकर बंद में शामिल हुए। इस दौरान राहुल गांधी, तेजस्वी यादव और दीपांकर भट्टाचार्य ने एक साथ विशेष गहन पुनरीक्षण का विरोध किया। बिहार बंद के दौरान तेजस्वी यादव ने कहा कि इलेक्शन कमीशन ने अपनी विश्वसनीयता खो दी है। गरीबों का पहले वोटर लिस्ट से नाम काटेंगे फिर राशन बंद कर देंगे। बिहार चुनाव से पहले लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पहली बार एक साथ सड़क पर उतरे। इस दौरान राहुल और तेजस्वी ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर जमकर बरसे। बता दें बिहार में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर चुनाव आयोग मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण अभियान चला रहा है, जिसका विपक्षी दल विरोध कर रहे हैं। इंडिया गठबंधन का आरोप है कि चुनाव आयोग जिन 11 दस्तावेजों की मांग कर रहा है, वे दस्तावेज राज्य के गरीब तबकों के पास नहीं हैं। इससे करोड़ों नाम मतदाता सूची से हट सकते हैं। बिहार बंद के दौरान पटना में लोगों को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि बिहार की जनता और युवाओं का स्वागत है। राहुल गांधी ने कहा कि महाराष्ट्र और हरियाणा में लोकसभा चुनाव के बाद विधानसभा चुनाव हुए। महाराष्ट्र चुनाव में इंडिया गठबंधन को बुरी तरह हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि मैंने ज्यादा कुछ नहीं कहा पर डेटा पर काम करना शुरू किया। वहां एक करोड़ नए वोटरों को शामिल किया गया था। लोकसभा चुनाव से 10 फीसदी ज्यादा वोटर विधानसभा चुनाव में नामित हुए, जहां वोटर बढ़े, सभी वोट बीजेपी को गए। वहां गरीबों के वोट काटे गए। जब हमने मतदान केंद्र के वीडियो और वोटर लिस्ट मांगी, तो आज तक हमें नहीं दी गई। वीडियोग्राफी का कानून बदल दिया गया पर आज तक हमें कोई वीडियो नहीं दिया गया। बिहार बंद के दौरान महागठबंधन नेता ट्रक के ऊपर से भाषण दे रहे हैं। तेजस्वी यादव ने कहा कि अब सुनारों में क्रांति नहीं होगी, नतीजे में क्रांति होगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि अब एनडीए की दादागिरी नहीं चलने दी जाएगी। राहुल गांधी पटना पहुंचकर सभी के साथ हैं, इसके लिए उनका धन्यवाद। वहीं दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा कि चुनाव आयोग का फरमान बेईमानी का फरमान है। मुकेश सहनी ने कहा कि निर्वाचन आयोग की मंशा पूरी नहीं होने देंगे, जिस वोटर से लोकसभा चुनाव हुआ वह अब गलत कैसे हो गया। सभी को एकजुट इस लड़ाई को लड़ना होगा। वहीं राहुल गांधी का काफिला शहीद स्मारक पहुंचा। आगे निर्वाचन आयोग की तरफ जाने की अनुमति नहीं दी गई। सड़क पर बैरिकेडिंग की गई। पुलिस कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ने से रोकती रही। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने बैरकेडिंग को तोड़ने का प्रयास किया। बिहार बंद के दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प भी हुई। बिहार बंद को लेकर जेडीयू के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने सोशल मीडिया पोस्ट शेयर कर राहुल गांधी और तेजस्वी यादव पर बड़ा हमला किया है। नीरज ने अपने पोस्ट में लिखा- क्या यही चक्का जाम है? राहुल गांधी जी, तेजस्वी यादव जी, ज़रा गौर से देखिएज बस का चक्का घूम रहा है या नहीं? आंदोलन के नाम पर भी फर्जीवाड़ा? जनता अब सब देख रही है- यह आंदोलन नहीं नौटंकी है। तेजस्वी यादव ने कहा कि राहुल गांधी जी और लेफ्ट ने भी बिहार बंद में सहयोग किया है. इलेक्शन कमीशन कंफ्यूज है कि क्या करना है, तभी बार-बार नोटिफिकेशन बदल रहा है. हमारे किसी सवाल का जवाब इलेक्शन कमीशन ने नहीं दिया. इसपर इनको मुंहतोड़ जवाब मिलेगा. बिहार में कानून नहीं बचा है.

राजस्थान के चुरू में आर्मी का फाइटर प्लेन क्रैश, दो शव बरामद

4 माह में तीसरा जगुआर जेट क्रैश

जयपुर।

राजस्थान के चुरू में बुधवार को एक फाइटर प्लेन क्रैश हुआ है। मलबे से दो शव भी बरामद किए हैं। यह वायुसेना का टू सीटर जगुआर लड़ाकू विमान था। लड़ाकू विमान ने सूरतगढ़ एयरबेस से उड़ान भरी थी और इसमें दो पायलट सवार थे।

चुरू के रतनगढ़ के पास ये हादसा हुआ है।

जानकारी अनुसार बुधवार दोपहर तेज आवाज के साथ लोगों ने विमान को जमीन पर बिखरे हुए देखा। कुछ ही पलों में खेतों में दूर तक विमान का मलबा बिखर गया, जिसमें आग लग चुकी थी। इतना ही नहीं ग्रामीणों ने दो लोगों के क्षत-विक्षत शव भी देखे। पुलिस और प्रशासन की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का काम शुरू किया। मलबे से दो शव बरामद किए गए हैं। पुलिस ने बताया कि 1.25 पर भनोदा गांव के खेतों में विमान गिरा। उन्होंने बताया कि घटनास्थल के पास मानव अंग बरामद किए हैं।

ग्रामीणों में दहशत, भारी संख्या में जुटी भीड़

ग्रामीणों के मुताबिक, उन्होंने तेज धमाके की आवाज के बाद धुएं का गुबार उठता देखा। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंच गई हैं। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। कई लोग घटनास्थल के पास जमा हो गए हैं।

4 माह में तीसरा जगुआर जेट क्रैश

वायुसेना बीते 4 महीने में तीन जगुआर फाइटर प्लैन खो चुकी है। 7 मार्च 2025 को हरियाणा के पंचकुला में वायुसेना का एक जगुआर ट्रेनिंग मिशन के दौरान क्रैश हुआ था। पायलट ने समय रहते बाहर निकल आया और हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। वहीं, 2 अप्रैल 2025 को जामनगर में रात के अभ्यास मिशन में उड़ान भरते समय जगुआर विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में एक पायलट की मौत हुई, जबकि दूसरा घायल हो गया।

जगुआर एक ब्रिटेन और फ्रांस की संयुक्त परियोजना से बना ग्राउंड अटैक और डीप स्ट्राइक लड़ाकू विमान है। भारत ने 1979 में वायुसेना में शामिल किया था। इस खासतौर पर दुश्मन के ठिकानों पर गहराई तक जाकर हमला करने के लिए तैयार किया गया था। यह विमान परमाणु हथियारों को भी ले जाने में सक्षम है। भारतीय वायुसेना ने जगुआर को 'शमशेर' नाम दिया है। यह विमान कई दशकों से भारत की हवाई शक्ति का अहम हिस्सा रहा है। करगिल युद्ध सहित कई अहम अभियानों में इसका उपयोग हुआ है। इस भारत में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने भी बनाया है।

ट्रेड यूनियनों के भारत बंद के दौरान हिंसा, आगजनी और सड़कों पर उपद्रव, ट्रेने रोकीं, हाईवे पर लगाया जाम

नई दिल्ली।

विभिन्न मांगों को लेकर ट्रेड यूनियनों ने आज भारत बंद का आव्हान किया है। करीब 25 करोड़ लोग आंदोलन का समर्थन कर रहे हैं। विरोध प्रदर्शन के बीच कई राज्यों से हिंसा, आगजनी और हाईवे तथा रेल ट्रेक जाम करने की खबरें आ रहीं हैं। वहीं बिहार में वोटर लिस्ट को लेकर प्रदर्शन हो रहा है जहां भारी संख्या में लोग रेलवे ट्रेक पर बैठ गए हैं। इस प्रदर्शन में शामिल होने के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी पटना पहुंच गए हैं। चार श्रम संहिताओं (लेबर कोड) समेत अपनी अन्य प्रमुख मांगों को लेकर श्रमिक संगठन देशव्यापी हड़ताल पर हैं। दावा किया जा रहा है कि इसमें करीब 25 करोड़ कर्मचारी शामिल होंगे, जिससे बैंक, डाक, बीमा, परिवहन, उद्योग, कोयला खनन से लेकर निर्माण जैसे प्रमुख क्षेत्रों में कामकाज प्रभावित हो सकता है। उधर, सरकार की तरफ से कहा गया है कि बातचीत के लिए हमारे दरवाजे हमेशा खुले हुए हैं। जिन मुद्दों व कानूनों को लेकर कर्मचारी संगठनों द्वारा विरोध किया जा रहा है, उन्हें राज्य सरकारों द्वारा पहले से लागू किया जा चुका है। 17 सूत्री मांगों को लेकर कर्मचारी यूनियनों ने हड़ताल का आह्वान किया है। ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस, एनएमडीसी लिमिटेड, खनिज और इस्पात कंपनियों के कर्मचारी यूनियनों, बैंक व बीमा कंपनियों से जुड़ी यूनियन, राज्य सरकारों के विभागों व सार्वजनिक उपक्रमों के कर्मचारी संगठन हड़ताल में शामिल हो रहे हैं। संयुक्त किसान मोर्चा और कृषि श्रमिक संगठनों ने भी हड़ताल का समर्थन दिया है।

कोलकाता में रेलवे ट्रैक जाम किया, आग भी लगा दी पुलिस की मौजूदगी को धता बताते हुए वामपंथी दलों के यूनियन के सदस्य जादवपुर रेलवे स्टेशन में घुस गए और रेलवे ट्रैक जाम कर दिया। उन्होंने केंद्र सरकार की कॉर्पोरेट समर्थक नीतियों के खिलाफ अपना विरोध जताया। ट्रेड यूनियनों ने आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार ऐसे सुधार लागू कर रही है जो श्रमिकों के अधिकारों को कमजोर करते हैं।

जस्टिस वर्मा का छिनेगा पद! सरकार ने दी महाभियोग प्रस्ताव को मंजूरी

पहले राज्यसभा में पेश करने या लोकसभा में पारित कराने पर मंथन जारी

नई दिल्ली।

घर में मिली नकदी मामले में जस्टिस यशवंत वर्मा की कुर्सी छीनने की प्रक्रिया आगे बढ़ सकती है। उनके खिलाफ सरकार महाभियोग प्रस्ताव को मंजूरी दे चुकी है और 21 जुलाई से शुरू होने वाले मॉनसून सत्र में इसे पेश किया जाएगा। फिलहाल सरकार इस बात को लेकर मंथन कर रही है कि इसे राज्यसभा में पहले पेश किया जाए या पहले लोकसभा से पारित कराया जाए। विपक्षी सांसद भी जस्टिस यशवंत वर्मा के महाभियोग प्रस्ताव पर समर्थन करने को तैयार हैं। बस कांग्रेस की मांग है कि जस्टिस शेखर यादव पर भी महाभियोग लाया जाए, जिन्होंने विश्व हिंदू परिषद के कार्यक्रम में सांप्रदायिकता फैलाने वाला बयान दिया था। बता दें महाभियोग प्रस्ताव पर लोकसभा के कम से कम 100 सांसदों के हस्ताक्षर होना जरुरी है। इसके अलावा राज्यसभा के 50 सांसदों का समर्थन हो। यह शर्त सदन में प्रस्ताव लाने के लिए है। इसके अलावा मंजूरी के लिए दो तिहाई बहुमत वाला नियम है। यदि दोनों सदनों से प्रस्ताव बहुमत के साथ पारित होता है तो फिर उसे राष्ट्रपति को भेजा जाता है और उनके हस्ताक्षर के बाद ही संबंधित जज को हटाया जा सकता है। हालांकि इस पूरी प्रक्रिया के बीच एक पेच यह भी है कि संसद में जब इस प्रस्ताव को लाया जाता है तो स्पीकर जांच के लिए एक कमेटी का गठन करते हैं। इस कमेटी में भारत के चीफ जस्टिस या फिर सुप्रीम कोर्ट के किसी अन्य जज, किसी हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस और एक विद्वान कानूनविद को शामिल किया जाता है। कमेटी की रिपोर्ट में यदि संबंधित जज के आचरण पर उठे सवालों को सही पाया जाता है तो फिर सदन में महाभियोग प्रस्ताव पर मतदान की प्रक्रिया कराई जाती है। प्रस्ताव पारित होने पर राष्ट्रपति को सिफारिश के लिए भेजा जाता है कि संबंधित जज को पद से हटा दिया जाए। बता दें यदि जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ प्रस्ताव पारित हुआ तो महाभियोग की कार्रवाई के तहत हटाए जाने वाले वह देश के पहले जस्टिस होंगे। पूर्व चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने इस प्रकरण में एक कमेटी गठित की थी, जिसने जस्टिस वर्मा की भूमिका गलत पाई थी। इसके अलावा 50 लोगों के बयान भी रिकॉर्ड किए गए हैं। इस पूरी रिपोर्ट को पूर्व चीफ जस्टिस ने पीएम और राष्ट्रपति को महाभियोग की सिफारिश के साथ भेजा था।

पीएम मोदी को नामीबिया का सर्वोच्च नागरिक सम्मान

अब तक का 27वां इंटरनेशनल अवॉर्ड

विंडहोक।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बुधवार को नामीबिया के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ऑर्डर ऑफ द मोस्ट एंशिएंट वेल्विट्चिया मिराबिलिस से सम्मानित किया गया। नामीबिया की राष्ट्रपति डॉ. नेटुम्बो नंदी-नदैतवाह ने उन्हें यह सम्मान दिया।

पीएम मोदी बुधवार सुबह एक दिन के दौरे पर नामीबिया में हैं। उनका नामीबिया दौरा 2 जुलाई से 10 जुलाई तक 5 देशों की यात्रा का हिस्सा है, जिसमें घाना, त्रिनिदाद एंड टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया शामिल हैं। पिछले 8 दिनों की विदेश यात्रा के दौरान नामीबिया, ब्राजील, त्रिनिदाद एंड टोबैगो और घाना ने पीएम मोदी को अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजा है। बतौर प्रधानमंत्री, मोदी का यह 27वां इंटरनेशनल अवॉर्ड है।

21 तोपों की सलामी

नामीबिया पहुंचने पर पीएम मोदी को 21 तोपों की सलामी दी गई। उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर मिला। विंडहोक के एयरपोर्ट पर लैंड होने के बाद मोदी का पारंपरिक नृत्य के साथ स्वागत किया गया। पीएम ने कलाकारों के साथ ढोल भी बजाया। प्रधानमंत्री मोदी 27 सालों बाद नामीबिया जाने वाले भारतीय प्रधानमंत्री है। पीएम मोदी से पहले 1998 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी नामीबिया गए थे। इससे पहले 1990 में उस वक्त पीएम रहे वीपी सिंह, पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी सहित कई हाई रैंक लीडर नामीबिया के स्वतंत्रता दिवस पर वहां गए थे।

सारंडा जंगल में आईडीडी विस्फोट से फिर एक हाथी का बच्चा घायल

बंगाल। पश्चिमी सिंहभूम जिले के सारंडा जंगल में आईईडी (आईईडी) विस्फोट की चपेट में आकर एक और हाथी का बच्चा घायल हो गया है। यह घटना तिरिल पोशी चेक डैम के पास हुई है। सारंडा वन प्रमंडल के डीएफओ अभिरूप सिन्हा ने हाथी के बच्चे के घायल होने की पुष्टि की है। हाल ही में एक और हाथी के बच्चे की बम विस्फोट में घायल होने के दस दिन बाद इलाज के दौरान मौत हो गई थी। माना जा रहा है कि हाथी का बच्चा नक्सलियों द्वारा बिछाए गए आईईडी विस्फोट की चपेट में आया है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। वन विभाग की टीम ने घायल हाथी के बच्चे को ट्रेस किया और पशु चिकित्सकों की टीम उसका प्राथमिक उपचार कर रही है। सारंडा में जंगली जानवरों का नक्सलियों द्वारा बिछाए गए आईईडी की चपेट में आना वन विभाग के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गया है। इन लैंड माइंस को हटाना जानवरों की सुरक्षा के लिए आवश्यक है। पुलिस नक्सलियों के खिलाफ अभियान चला रही है और सैकड़ों लैंड माइंस हटाई भी गई हैं, लेकिन अभी भी कई बाकी हैं।

सावन से पहले मैं हिंदू हूं पोस्टर कैंपेन ने पकड़ा जोर, कांवड़ रूट पर पहचान को लेकर हिंदू महासभा ने गरमाया माहौल

बरेली।

आगामी कांवड़ यात्रा से पहले उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों में धार्मिक पहचान को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। हिंदू महासभा ने बरेली में मैं हिंदू हूं नाम से पोस्टर अभियान शुरू किया, जिसके तहत कांवड़ रूट पर आने वाले ढाबों, होटलों, मिठाई की दुकानों और ठेलों पर भगवा झंडा, भगवान वराह का चित्र और पोस्टर लगाए जा रहे हैं।

इस संबंध में हिंदू महासभा के स्थानीय नेता यशवीर महाराज के हवाले से लोगों को बताया जा रहा है कि जहां भगवा झंडा और भगवान वराह का चित्र होगा, वहीं भोजन करें। इससे यह सुनिश्चित होगा कि वहां सनातन धर्म के लोग काम कर रहे हैं और कोई धर्म छिपाकर दुकान नहीं चला रहा। यह बयान मुजफ्फरनगर में हाल ही में सामने आए पहचान विवाद के बाद आया है, जिसमें कांवड़ यात्रा के दौरान कथित तौर पर कुछ दुकानों को लेकर भ्रम की स्थिति बनी थी।

वहीं दूसरी तरफ यूपी की योगी सरकार और पुलिस प्रशासन ने कांवड़ यात्रा के लिए सुरक्षा और सतर्कता के व्यापक इंतजाम किए हुए हैं। बावजूद इसके धर्म और जाति के नाम पर इस तरह के कार्य लोगों को भ्रम की स्थिति में डाल रहे हैं और अनेक क्षेत्रों में इसे लेकर माहौल भी गरमाने की बात निकलकर सामने आ रही है।

यहां बताते चलें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं, कि कांवड़ यात्रा में किसी भी तरह के उपद्रव को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वहीं स्थानीय प्रशासन ने ढाबों, रेस्टोरेंट, फल और मिठाई की दुकानों को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। बावजूद इसके कांवड़ यात्रा के दौरान पोस्टर वार तेज कर दिया गया है, जिससे लोग भ्रमित हो रहे हैं और डर व भय का वातावरण बनने की बात कह रहे हैं।

गुजरात में बड़ा हादसाः वडोदरा-आणंद को जोड़ने वाला पुल टूटा, चार वाहन नदी में गिरे, 4 की मौत

वडोदरा।

गुजरात में बुधवार सुबह करीब 8 बजे एक बड़ा हादसा हो गया, जब वडोदरा के पादरा और आणंद जिले को जोड़ने वाला 45 साल पुराना पादरा-गंभीरा पुल महिसागर (माही) नदी पर ढह गया।

हादसे के समय पुल पर से गुजर रहे दो ट्रक, एक बोलेरो और एक जीप नदी में गिर गए। अब तक चार लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि पांच लोग घायल हुए हैं। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

हादसे की खबर मिलते ही मुजपुर और आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंचे। स्थानीय प्रशासन, पुलिस बल और स्वास्थ्यकर्मी भी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य शुरू किया गया। मौके पर मौजूद गोताखोरों ने पांच लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला है। इस हादसे की वायरल हुई तस्वीरों और वीडियो फुटेज में एक टैंकर पुल की टूटी रेलिंग पर लटका हुआ नजर आया है। जानकारी अनुसार गंभीर पुल, जो मध्य गुजरात को सौराष्ट्र क्षेत्र से जोड़ता है, वडोदरा और आणंद के बीच यातायात का एक प्रमुख मार्ग था। पुल के जर्जर हालत को लेकर स्थानीय लोग लंबे समय से प्रशासन को चेता रहे थे। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि कई बार पुल की मरम्मत की मांग की गई, लेकिन प्रशासन ने इसे नजरअंदाज कर दिया, जिसके चलते यह हादसा हुआ।

पुल के टूटने के बाद नदी में गिरे वाहनों को बाहर निकालने का काम जारी है। प्रशासन ने एक तकनीकी जांच समिति गठित कर दी है। सड़क एवं भवन विभाग के सचिव पी.आर. पटेलिया ने मीडिया को बताया कि एक स्पैन डैमेज हुआ है, इसकी विस्तृत जांच के लिए एक्सपर्ट्स की टीम भेज दी गई है। रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

इस घटना ने गुजरात में पुलों की स्थिति पर सवाल खड़े कर दिए हैं और एक बार फिर बुनियादी ढांचे की निगरानी और मरम्मत व्यवस्था को लेकर प्रशासनिक लापरवाही उजागर हुई है। फिलहाल राहत कार्य जारी है और नदी में गिरे बाकी वाहनों और संभावित पीड़ितों की तलाश की जा रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुरु पूर्णिमा, गुरु पूजन और गुरु दक्षिणा का भारतीय संस्कृति में महत्व

लेखाराम बिश्नोई
लेखक विचारक

गुरु पूर्णिमा उत्सव पर विशेष

भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च है। वेद, उपनिषद, पुराण और अनेक धार्मिक ग्रंथों में गुरु को ईश्वर से भी ऊपर स्थान दिया गया है। गुरु न केवल ज्ञान का स्रोत होते हैं, बल्कि वे शिष्य के जीवन को सही दिशा प्रदान करते हैं। गुरु पूर्णिमा वह पावन पर्व है, जो गुरु के प्रति श्रद्धा, कृतज्ञता और सम्मान प्रकट करने के लिए मनाया जाता है। यह पर्व भारतीय संस्कृति की उस जड़ को दर्शाता है, जिसमें ज्ञान, विनम्रता और समर्पण का बीज बोया गया है।

गुरु पूर्णिमा आषाढ़ मास की पूर्णिमा को मनाई जाती है। यह पर्व महर्षि वेदव्यास की जयंती के रूप में भी मनाया जाता है, जिन्होंने महाभारत जैसे महाकाव्य की रचना की और चारों वेदों का संपादन किया। उन्हें 'आदिगुरु' की संज्ञा दी जाती है। इस दिन शिष्य अपने गुरु को स्मरण करते हैं, उनका आशीर्वाद लेते हैं और गुरु-दक्षिणा अर्पित करते हैं।

गुरु पूर्णिमा केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि यह आत्मिक उन्नति का अवसर है। यह दिन आत्मचिंतन, आभार और आत्मविकास का प्रतीक बन चुका है। भारतवर्ष की संस्कृति में यह पर्व विद्यार्थियों, साधकों, योगियों और समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

गुरु गुरु केवल वही नहीं होते जो विद्यालय या पाठशाला में पढ़ाते हैं। भारतीय दर्शन में गुरु के कई रूप माने गए हैं। जीवन के हर पड़ाव पर हमें कोई न कोई ऐसा व्यक्ति मिलता है, जो हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है, कठिनाइयों से लड़ना सिखाता है और हमारे अंतर्मन को जाग्रत करता है। जो हमें औपचारिक शिक्षा प्रदान करते हैं, जो आत्मज्ञान और मोक्ष की ओर ले जाते हैं, तत्व या कोई ऐसा व्यक्ति जो जीवन की सीख देता है। जो अपने विचारों से हमें प्रभावित करता है। अर्थात्, गुरु वह होता है जो 'अंधकार' से 'प्रकाश' की ओर ले जाए – 'गु' यानी अंधकार, 'रु' यानी प्रकाश। जो अज्ञान को दूर कर ज्ञान का प्रकाश फैलाए, वही सच्चा गुरु है।

गुरु दक्षिणा का और समर्पण

गुरु को दिया गया आदर केवल शब्दों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। भारतीय परंपरा में 'गुरु दक्षिणा' का विशेष महत्व है। गुरु दक्षिणा केवल भौतिक वस्तु देना नहीं, बल्कि यह शिष्य का पूर्ण समर्पण होता है।

1. तन का समर्पण-

तन का अर्थ है शारीरिक रूप से गुरु की सेवा में उपस्थित रहना। प्राचीन गुरुकुल व्यवस्था में शिष्य गुरु के आश्रम की देखभाल, शिक्षा पूर्ण होने पर गुरु के आदेश पर समाज की आवश्यकताओं और समाज कार्यों में जीवन लगा देना।

आज के संदर्भ में भी हम अपने गुरु, समाज जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में स्वच्छता, सहयोग, अनुशासन और दायित्वपूर्ण व्यवहार से।

2. मन का समर्पण-

गुरु की शिक्षाओं को आत्मसात करने के लिए मन की एकाग्रता आवश्यक है। यदि मन इधर-उधर भटकता रहे, तो शिक्षा का लाभ नहीं मिल सकता। मन का समर्पण गुरु की बातों को श्रद्धा से सुनने, समझने और अमल में लाने से होता है।

एकाग्र चित्त होकर अध्ययन करना, जीवन में गुरु के सिद्धांतों को अपनाना ही मन की सच्ची दक्षिणा है।

3. धन का समर्पण-

प्राचीन समय में जब शिष्य शिक्षा पूर्ण कर लेते थे, तो वे अपनी सामर्थ्यानुसार गुरु को दक्षिणा देते थे – यह दक्षिणा कोई कीमती वस्तु नहीं, बल्कि श्रद्धा का प्रतीक होती थी। उदाहरण स्वरूप, एकलव्य ने बिना कहे अपना अंगूठा गुरु-दक्षिणा में दे दिया था।

आज के युग में धन के रूप में हम संगठन को सहयोग कर सकते हैं, गुरु की सेवा या उनके कार्यों में सहयोग हैं।

4. समय का समर्पण-

समय सबसे मूल्यवान है। यदि हम अपने गुरु की शिक्षाओं को जीवन में उतारने के लिए समय नहीं देंगे, तो वह ज्ञान व्यर्थ जाएगा। अपने गुरु से मिलने, उन्हें सुनने, उनसे मार्गदर्शन लेने और उनके कार्यों में समय देना एक महत्वपूर्ण दक्षिणा है।

समय देना मतलब अपने जीवन के कुछ क्षण अपने गुरु के कार्यों, सिद्धांतों और शिक्षाओं को समझने, प्रचारित करने या उनके साथ जुड़ने में लगाना।

गुरु-शिष्य परंपरा का ऐतिहासिक महत्व-

भारत की गुरु-शिष्य परंपरा बहुत समृद्ध और प्राचीन है। भगवान राम ने गुरु वशिष्ठ से शिक्षा ली, भगवान कृष्ण ने संदीपनि ऋषि से ज्ञान प्राप्त किया। एकलव्य और द्रोणाचार्य, चाणक्य और चंद्रगुप्त, रामकृष्ण परमहंस और स्वामी विवेकानंद – ये कुछ प्रसिद्ध उदाहरण हैं जिन्होंने गुरु के महत्व को स्थापित किया।

गुरु न केवल शिक्षित करते हैं, बल्कि चरित्र निर्माण करते हैं। वे प्रेरणा का स्रोत हैं, जो शिष्य के अंदर छिपी प्रतिभा को पहचानते हैं और उसे दिशा देते हैं।

आधुनिक समय में गुरु पूर्णिमा का महत्व-

आज के आधुनिक युग में जहाँ तकनीक और सोशल मीडिया के कारण संबंधों में औपचारिकता बढ़ी है, वहाँ गुरु-शिष्य का यह रिश्ता और भी महत्वपूर्ण हो गया है। आज युवा दिशा हीनता, तनाव, भटकाव से जूझ रहे हैं, ऐसे में एक सच्चे गुरु का मार्गदर्शन उन्हें सही राह दिखा सकता है।

गुरु पूर्णिमा के दिन हम अपने सभी गुरुओं को स्मरण कर सकते हैं – स्कूल के शिक्षक, माता-पिता, आध्यात्मिक संत, समाज के प्रेरक व्यक्ति या कोई ऐसा मित्र जिसने कठिन समय में हमें रास्ता दिखाया हो।

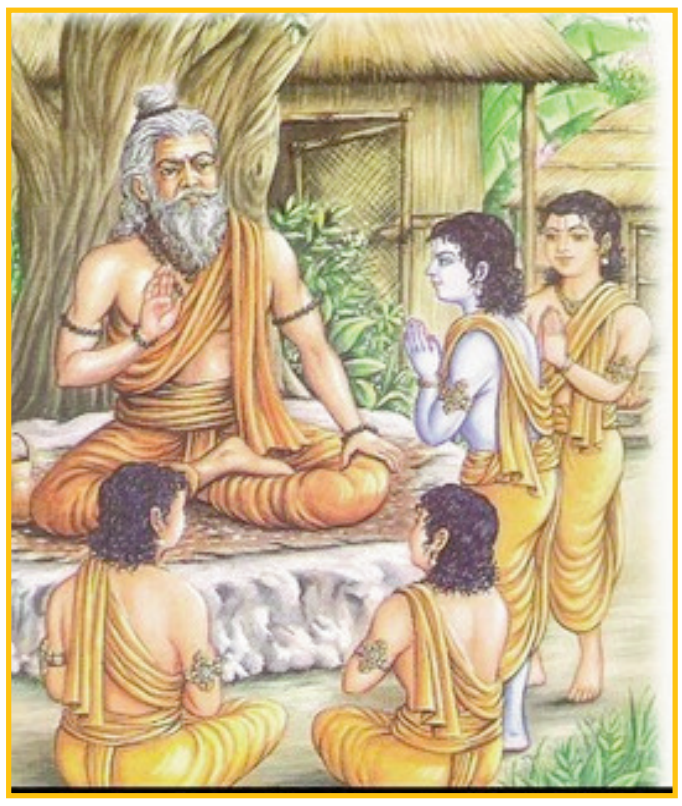

गुरु पूर्णिमा केवल एक पर्व नहीं, यह एक भाव है – गुरु के प्रति श्रद्धा, विश्वास और कृतज्ञता का। यह दिन हमें याद दिलाता है कि हम जहां भी हैं, जो भी हैं, उसमें हमारे गुरु का अमूल्य योगदान है। तन, मन, धन और समय की गुरु-दक्षिणा देकर हम उनके प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सकते हैं।

भारतीय संस्कृति में गुरु को 'साक्षात् परब्रह्म' माना गया है। ऐसे गुरु को समर्पित यह दिन हमें आत्मा के उत्थान की ओर ले जाता है। आइए, इस गुरु पूर्णिमा पर हम सभी अपने गुरुओं के चरणों में नतमस्तक होकर अपने जीवन को ज्ञान, अनुशासन और सेवा से समर्पित करें।

卐गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूं पाय,
बलिहारी गुरु आपने, गोविंद दियो बताए।卐

यह श्लोक स्पष्ट करता है कि गुरु वह प्रकाश है जो हमें ईश्वर तक पहुँचाता है। गुरु के बिना जीवन अधूरा है, और गुरु पूर्णिमा के दिन यह उत्सव उसी गुरु के प्रति अर्पित हमारी श्रद्धा और समर्पण का दिवस है।

लेखाराम बिश्नोई
लेखक व विचारक

संपादकीय

हिमालयी परिवेश की रक्षा

हाल के दिनों में हिमालयी राज्यों खासकर हिमाचल व उत्तराखंड में अतिवृष्टि और बादल फटने की घटनाओं में जिस तेजी से पुनरावृत्ति हुई है, उसे मौसम के चरम के रूप में देखे जाने की जरूरत है। हालांकि, तात्कालिक जरूरत आपदा प्रभावित जिलों में राहत, बचाव व पुनर्वास के प्रयासों में तेजी लाने की है, लेकिन सबसे बड़ी जरूरत मौसम के चरम के बीच अचानक आती बाढ़ और बार-बार बादल फटने के कारणों को भी समझने की है। हाल ही में, इन्हीं मुद्दों की तरफ हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने भी ध्यान खींचा है। निस्संदेह, इन कारणों की पड़ताल के लिए विषय विशेषज्ञों की सहायता लेना भी जरूरी है। पिछले दिनों हिमाचल में आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक में मुख्यमंत्री ने उन उपायों की सूची पर चर्चा की, जिन्हें तत्काल लागू करने की आवश्यकता है। इन उपायों में नदियों में अवैज्ञानिक तरीके से मलबा फेंकने की जांच, नियमित मौसम अपडेट देना और नदी-नालों से कम से कम सौ मीटर की दूरी पर घरों का निर्माण करना शामिल है। लेकिन इसके प्रभावी लक्ष्य तभी हासिल किए जा सकते हैं जब इस बाबत किसी ठोस योजना को अमलीजामा पहनाया जाए और साथ ही नीतियों के क्रियान्वयन की समय सीमा निश्चित की जाए। निश्चित रूप से मौजूदा संकट को देखते हुए युद्ध-स्तर पर काम करने की जरूरत है। वह समय चला गया जब सरसरे आदेश दिये जाते और सिफारिशें की जाती थीं। कानूनों और नियमों की अनदेखी के खिलाफ सभी एजेंसियों को तालमेल बैठाकर इस दिशा में अभियान चलाने की जरूरत है। वनों की अवैध कटाई, अनियोजित निर्माण और अवैज्ञानिक विकास प्रथाओं पर लगाम लगाना बेहद जरूरी है। इसके लिये सरकारी मशीनरी को मिशन मोड में काम करने की जरूरत होगी। जिसके लिये मजबूत राजनीतिक इच्छा शक्ति की जरूरत है। भले ही राज्य की सत्ता में दो दलों का वर्चस्व हो और उनकी विचारधाराओं में टकराव रहा हो, लेकिन इस मुद्दे पर एकजुट होकर संकट का मुकाबला करने की जरूरत है। निश्चय ही हाल के वर्षों में पहाड़ विरोधी विकास ने हिमालयी राज्यों की अस्मिता को आहत किया है। हिमालयी राज्यों में लोग पहाड़ों के मूल चरित्र में हस्तक्षेप करने वाले विकास की विसंगतियों की कीमत चुके रहे हैं। अब चाहे बड़े बांध हों या फोर लेन सड़के हों। निस्संदेह, विकास हर राज्य की प्राथमिकता है, लेकिन विकास योजनाओं को पहाड़ों की जरूरत के मुताबिक बनाया जाना चाहिए। इन राज्यों में स्थितियां विकट हैं और हालात और खराब होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। भूस्खलन की लगातार बढ़ती घटनाएं और दरकती सड़कें इसकी बानगी मात्र हैं। कुल मिलाकर पहाड़ों के अस्तित्व पर संकट बढ़ा है। निस्संदेह, मौजूदा रणनीति और नीतियां इस संकट से निबटने में सक्षम नहीं हैं। सत्ता में बैठे लोगों के लिये जरूरी है कि वे मौसम विशेषज्ञों, पर्यावरणविदों और क्षेत्र के अनुभवी लोगों से राय लें। साथ ही तकनीकी समाधानों को वरीयता दी जाए। इसमें दो राय नहीं कि मानव जनित समस्याओं के निदान के लिये मानवीय दृष्टि से संवेदनशील समाधान तलाशने की जरूरत है। निश्चित रूप से इसमें समुदाय के तौर पर एकजुटता के अलावा अन्य कोई विकल्प नहीं रह जाता। समय आ गया है कि हम एक बार फिर से पहाड़ों के अनुरूप जीवन शैली को अपनाएं। पहाड़ हमारी आवश्यकता तो पूरी कर सकते हैं, लेकिन वे इंसान की विलासिता का बोझ सहन करने को तैयार नहीं हैं। निश्चित ही आधुनिकता की आंधी में संयम का जीवन और आवश्यकताओं को सीमित करना कठिन कार्य है, लेकिन बचाव का संभवत- अंतिम उपाय यही है।

जीवन को सार्थक बनाते हैं गुरू

(लेखिका - डॉ. वंदना सेन)

गुरु बिन ज्ञान न उपजै गुरु बिन मिलै न मोक्ष, गुरु बिन लखै न सत्य को गुरु बिन मिटै न दोष। अर्थात गुरु के बिना ज्ञान नहीं आता और न ही मोक्ष मिल सकता है। गुरु के बिना सत्य की प्राप्ति नहीं होती और ना ही दोष मिट पाते हैं। यानी जीवन के प्रत्येक क्षेत्र को संवारने के लिए गुरू का होना बहुत ही आवश्यक है। भारतीय संस्कृति को धारण करने वाला व्यक्ति प्रेरणापुंज की तरह ही होता है। उनके प्रत्येक शब्द सकारात्मक दिशा का बोध कराने वाला होता है। हम प्राय- सुनते हैं कि हमारा देश विश्व गुरु रहा है, विश्व गुरु यानी सम्पूर्ण क्षेत्रों में विश्व का मार्ग दर्शन करने वाला, लेकिन क्या हमने सोचा है कि भारत का वह कौन सा गुण था, जिसके कारण विश्व के अंदर भारतीय प्रतिभा और क्षमता का बोलबाला था। इसका उत्तर आज भले ही कोई नहीं जानता हो, लेकिन यथार्थ यही है कि इसके पीछे मात्र भारतीय गुरुकुल ही थे। भारतीय संस्कृति में गुरुकुल शिक्षा प्रणाली एक ऐसी प्रणाली है, जिसमें बालक के सम्पूर्ण विकास की अवधारणा और संरचना होती है। उस समय के हिसाब से गुरुकुलों में विश्व की सबसे श्रेष्ठ शिक्षा दी जाती थी। छात्रों का समग्र विकास किया जाता था। चाहे वह ज्ञान, विज्ञान का क्षेत्र हो या शारीरिक शिक्षा की बात हो या फिर नैतिक और व्यावहारिक संस्कारों की ही बात हो। गुरुकुल की शिक्षा बहुमुखी प्रतिभा का विकास करती थी। आज देश में कई गुरुकुल चल रहे हैं, उसमें बहुत आश्चर्यजनक प्रतिभा संपन्न बालकों का निर्माण भी हो रहा है। पिछले समय गूगल बॉय के रुप में चर्चित होने वाला बालक इन्हीं गुरुकुलों की देन है। गुजरात के कर्णावती में हेमचंद्राचार्य गुरुकुल में ऐसे नन्हे प्रतिभाशाली छात्रों को देखकर विदेशी भी चकित हैं। हमारे देश को वास्तव में गुरुकुल आधारित शिक्षा पद्धति की आवश्यकता है, क्योंकि यही भारत की वास्तविक शिक्षा है और इसी से छात्रों का समग्र विकास हो सकता है।

गुरुकुल में जो अध्यापक होते थे, वह अपने आपको गुरु की भूमिका में लाने के लिए ज्ञान की साधना करते थे। एक ऐसा ज्ञान जो समाज को सार्थक दिशा का बोध करा सके। उस समय वर्तमान की तरह स्कूल नहीं होते थे। क्योंकि स्कूलों की प्रणाली विदेशी प्रणाली है। इससे गुरु और शिष्य के मध्य अपनत्व नहीं होता। गुरुकुल का अर्थ स्पष्ट है। वह गुरू का कुल यानी परिवार होता था। गुरु अपने शिष्य को अपने परिवार का सदस्य मानकर ही शिक्षा देता था। संस्कृत में गुरु शब्द का अर्थ ही अंधकार को समाप्त करने वाला होता है। आज के स्कूल एक प्रकार के व्यापार केन्द्र ही हैं। पैसे को आधार मानकर शिक्षा देने का चलन हो गया है। इससे गुरु और शिष्य के बीच गुरुकुल जैसे संबंध नहीं बनते, क्योंकि इन स्कूलों में नैतिक व्यवहार की सीख नहीं दी जाती। शिष्य को ज्ञान नहीं, केवल शब्द पढ़ाए जाते हैं। शिक्षा प्रणाली का किसी भी देश के निर्माण में बहुत बड़ा योगदान होता है। भारत को स्वतंत्रता मिलने के बाद जिस प्रकार की शिक्षा दी जानी चाहिए थी, उसका हमारे देश में नितांत अभाव महसूस किया जाता रहा है। शायद, स्वतंत्रता मिलने के बाद हमारे नीति निर्धारकों ने शिक्षा नीति बनाने के बारे में कम चिन्तन किया। इसी कारण आज की नई पीढ़ी को इतिहास की जानकारी देने से वंचित किया जा रहा है। यहां यह बताना आवश्यक है कि इतिहास कोई सौ या दो सौ सालों में नहीं बनते। जहां तक भारत के दो सौ सालों के इतिहास की बात है तो इस दौरान भारत परतंत्रता की जंजीरों में जकड़ा रहा था। इसलिए स्वाभाविक है कि उस कालखंड का इतिहास हमारा मूल इतिहास नहीं कहा जा सकता। अगर हमें भारत के इतिहास का अध्ययन करना है तो उस कालखंड में जाना होगा, जब भारत पर किसी विदेशी का शासन नहीं था। क्या आज यह इतिहास कोई जानता है, ... बिलकुल नहीं। उसको कोई बताता भी नहीं, क्योंकि उसको बताने से भारत का वही रूप सामने आएगा, जो विश्वगुरू भारत का था। हम जानते हैं कि विश्व के प्राय- सभी देशों में जो शिक्षा प्रदान की जाती है, वह उस देश के मूल भाव को संवर्धित करती हुई दिखाई देती है। इसके अलावा शिक्षा का मूल भी यही होना चाहिए कि उसमें उस देश का मूल संस्कार परिलक्षित हो। हमें पहले यह भी समझना होगा कि शिक्षा किसलिए जरूरी है? क्या केवल साक्षर होने या नौकरी के लिए पढ़ाई की जानी चाहिए अथवा इसके और भी गहरे मायने हैं? विद्यालय, महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय वह केंद्र होते हैं, जहां विद्यार्थी को वैचारिक स्तर पर गढ़ने का कार्य किया जाता है। विद्यार्थी को गढ़ने का कार्य केवल गुरू ही कर सकते हैं। भारत के मनीषियों ने गुरु के साथ विद्यार्थी के सानिध्य को समझा और गुरुकुल पद्धति पर बल दिया। पारिवारिक वातावरण से दूर रहने के कारण उसमें आत्मनिर्भरता विकसित होती थी तथा वह संसार की गतिविधियों से अधिक अच्छा ज्ञान प्राप्त करता था। उससे आत्मानुशासन की प्रवृत्ति का भी विकास होता था। महाभारत में गुरुकुल शिक्षा को गृह शिक्षा से अधिक प्रशंसनीय बताया गया है। प्राचीन भारत में शिक्षा पद्धति की सफलता का मुख्य आधार गुरुकुल ही थे जो किसी न किसी महान तपधारी ऋषि की तपोभूमि तथा विद्यार्जन के स्थल थे। गुरुकुल और समाज के मध्य पृथक्करण नहीं था। गुरु का कार्यक्षेत्र केवल गुरुकुल तक ही सीमित नहीं था अपितु उनके तेजोमय ज्ञान का प्रसार राष्ट्र के सभी क्षेत्रों में था। उनकी विद्वता और उत्तम चरित्र तथा व्यापक मानव सहानुभूति की भावना के कारण उनकी ख्याति दूर-दूर तक फैली होती थी। गुरु के आचार-विचार में भेद नहीं होता था। गुरुकुल में प्रवेश पाने वाले शिक्षार्थी के अन्तर्मन में झाँककर गुरु उसकी योग्यता, आवश्यकता एवं कठिनाइयों को भलीभांति समझते थे। गुरुकुल का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में उत्तम मानस का निर्माण करना था। वस्तुत- स्वयं गुरु ही विद्यार्थियों के आदर्श थे जिनसे प्रेरित होकर वे उनका अनुसरण करते थे और संयमी, गम्भीर तथा अनुशासन युक्त जीवन का निर्माण करते थे। प्राचीन काल में धौम्य, च्यवन ऋषि, द्रोणाचार्य, सांदीपनि, वशिष्ठ, विश्वामित्र, वाल्मीकि, गौतम, भारद्वाज आदि ऋषियों के आश्रम प्रसिद्ध रहे। बौद्धकाल में बुद्ध, महावीर और शंकराचार्य की परंपरा से जुड़े गुरुकुल जग प्रसिद्ध थे, जहाँ विश्वभर से मुमुक्षु ज्ञान प्राप्त करने आते थे और जहाँ गणित, ज्योतिष, खगोल, विज्ञान, भौतिक आदि सभी तरह की शिक्षा दी जाती थी। प्रत्येक गुरुकुल अपनी विशेषता के लिए प्रसिद्ध था। कोई धनुर्विद्या सिखाने में कुशल था तो कोई वैदिक ज्ञान देने में, कोई अस्त्र-शस्त्र सिखाने में तो कोई ज्योतिष और खगोल विज्ञान की शिक्षा देने में दक्ष था। भारतीय संस्कृति में कहा गया है सा विद्या या विमुक्तये' अर्थात् विद्या वही है जो हमें सब बंधनों से मुक्त कर दे। कहा जाता है कि जैसी शिक्षा दी जाएगी, देश का मानस उसी प्रकार का बनता जाएगा।

(चिंतन- मनन)

प्रार्थना की पुकार

यदि प्रार्थना सच्ची हो तो परमपिता परमेश्वर उस प्रार्थना को जरूर ही सुनते हैं। परमपिता परमेश्वर अत्यंत कृपालु और दयालु हैं, परंतु प्रार्थना के लिए भी हृदय का पवित्र और निर्मल होना अत्यंत आवश्यक है। मन का पवित्र होना, अहंकार और अभिमान से रहित होना नितांत आवश्यक है। ऐसे पवित्र-हृदय-अंत- करण से उत्पन्न हुए भाव ही प्रार्थना हैं। हृदय की पवित्रता का अर्थ है अपने आपको सांसारिक तुच्छ विषय-वासनाओं की आसक्तियों से मुक्त कर लेना। सब तरह की आसक्ति से रहित होना ही हृदय की पवित्रता है। किसी तपस्वी ने ठीक ही कहा है- सच्चे-वास्तविक जीवन को पाने की आकांक्षा उत्पन्न होना ही प्रार्थना है। हमारे भीतर हृदय में जिसकी खोज होगी, भीतर जिस चीज को पाने की प्यास होगी- तो, ही हम उस दिशा में जा सकेंगे। प्रार्थना होती है आत्म बोध से। आत्मबोध में ही परमार्थ की प्यास जगती है और तुच्छ स्वार्थी का परित्याग होता है।

प्रार्थना है- परिपूर्ण समर्पण, अपने अहंकार के बोझ को अपने सिर से उतार फेंकना और उसके पावन चरणों में अपना सिर झुका देना। जो प्रभु की कृपाएं और उनका अनुग्रह चाहता है उसे चाहिए कि वह किसी से भी किसी तरह का वैर-विरोध न करे। वह सत्य बोले, वह असत्य, छल-कपट, निंदा-चोरी आदि से हमेशा दूर रहे। अपनी इंद्रियों पर हमेशा संयम रखे, किसी भी प्रकार का लोलुप-लालची न हो। वह कभी अहंकार अभिमान न करे, शत्रु-द्वेष को छोडकर मन को शुद्ध पवित्र रखें। प्रार्थना की शक्ति बहुत ही अद्भूत है। वह भगवान को भक्त का उद्धार करने के लिए अवश्य ही बाध्य कर देती है, परंतु प्रार्थना सच्ची हो, हृदय से हो। भगवान ने प्रार्थना मीरा की सुनी, बुद्ध की सुनी, उन सबकी सुनी जिन्होंने परहित के लिए उन्हें याद किया।

वह हर मानव मन में चल रहे भाव-कुभाव को अच्छी तरह से जानते हैं। अत- उसके समक्ष जब भी जाएं, शुद्ध भाव रखें।

विचार मंथन

भारत में रायटर पर प्रतिबंध? सेंसरशिप को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा

(लेखक - सनत जैन)

भारत सरकार ने क्या अघोषित रूप से सेंसरशिप शुरू कर दी है। हाल ही में ट्विटर के नए अवतार एक्स द्वारा यह खुलासा किया है। एक्स को भारत सरकार द्वारा रायटर और रॉयटर्स वर्ल्ड जैसे अंतरराष्ट्रीय समाचार संगठनों के हैंडल सहित 2300 से अधिक अकाउंट्स को ब्लॉक करने का निर्देश दिया गया था। यह निर्देश आईटी अधिनियम की धारा 69 के तहत दिया गया था। जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था का हवाला देकर डिजिटल कंटेंट पर रोक लगाने का निर्देश था। एक्स ने रायटर्स पर रोक लगा दी थी। इस घटनाक्रम के बाद सरकार की इस रोक पर भारत, अंतरराष्ट्रीय मीडिया और मानवाधिकार संगठनों के बीच एक नई बहस छिड़ गई है। क्या भारत में प्रेस की स्वतंत्रता खतरे में है? क्या भारत में अघोषित रूप से सेंसरशिप लागू कर दी गई है।

एक्स ने भारत सरकार के आदेश को लेकर गहरी चिंता जताई है। उसने कहा है, अगर भारत सरकार के आदेशों का एक्स पालन नहीं करता, तो उसे भारत में आपराधिक मुकदमों का सामना करना पड़ सकता है। एक्स ने यह भी स्पष्ट किया है, वह सभी कानूनी विकल्पों पर गंभीरता के साथ विचार कर रहा है। एक्स ने स्पष्ट किया भारतीय कानूनों के अनुसार वह खुद भारत सरकार के इन आदेशों को अदालत में चुनौती नहीं दे सकता। भारत सरकार के नियमों एवं निर्देश के अनुसार रायटर्स को प्रतिबंधित किया गया है। इस विवाद पर भारत सरकार ने पल्ला झाड़ते हुए कहा, उसने ब्लॉक करने के लिए कोई नया आदेश नहीं दिया है। जैसे ही रायटरों के एकाउन्ट ब्लॉकिंग का मामला सामने आया। सरकार ने अनब्लॉक करने के निर्देश दे दिए हैं। सवाल उठता है, इतने बड़े वैश्विक मीडिया संस्थान के अकाउंट को बिना स्पष्ट कारण के कैसे और क्यों ब्लॉक किया गया? क्या तकनीकी खामी के आधार पर इसे रोक को नजरअंदाज किया जा सकता है। अगर यह तकनीकी कारण था, तो इसे सुधारने में 21 घंटे क्यों लगे?यह मामला केवल एक तकनीकी भूल नहीं है। यह मामला डिजिटल स्पेस में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सरकार के प्र ति अविश्वास का प्रतीक बन गया है। भारत, खुद को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र वाला देश कहता है। अब भारत सेंसरशिप के आरोपों से घिरता नजर आ रहा है। घटना ने अंतरराष्ट्रीय मीडिया में भारत की साख पर प्रश्नचिन्ह लगाने का काम किया है।

प्रेस की स्वतंत्रता लोकतंत्र की रीढ़ होती है। सरकारें आलोचनात्मक या असहज सवालों को दबाने के लिए सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्म्स को सेंसर करने का प्रयास करती हैं। ऐसे समाचार पत्र और एजेंसी जो दुनिया भर में अपने कामकाज और विश्वसनीयता के लिए जाने जाते हैं। उन्हें यदि सोशल मीडिया के प्लेटफार्म पर प्रतिबंधित किया जाता है। यह ना केवल लोकतंत्र को चोट पहुंचाएगा, बल्कि भारत की वैश्विक छवि को भी धूमिल करेगा। जरूरत है, सरकार पारदर्शिता और उत्तरदायित्व की नीति अपनाए। मीडिया स्वतंत्र रूप से बिना किसी डर और भय के अपनी भूमिका निभा सके। भारत सरकार द्वारा जिन साइट को ब्लॉक करने का आदेश दिया जाता है। उन्हें यह भी नहीं बताया जाता है कि कौन से कंटेंट के कारण उन्हें ब्लॉक किया जा रहा है। उन्हें कंटेंट हटाने के लिए भी नहीं कहा जाता है। सीधे सोशल मीडिया के प्लेटफार्म को निर्देश भेज दिए जाते हैं। अमुक साइट को ब्लॉक कर दें।

दुनिया के देशों में भारत पहला ऐसा देश है, जो सोशल मीडिया के प्लेटफार्म पर सबसे ज्यादा साइट ब्लॉक करने के आदेश देता है। यदि सोशल मीडिया के प्लेटफार्म उसे ब्लॉक नहीं करते हैं, सरकार ने सोशल मी डिया के लिए ऐसे कानून बना रखे हैं। सोशल मी डिया के डिजिटल प्लेटफार्म के ऊपर अपराधिक मुकदमा दर्ज किया जा सकता है।

एलन मस्क पहिले कह चुके हैं, भारत के न्यायालयों में अपरा धिक मुकदमों में जमानत और सुनवाई समय पर नहीं होती है। ऐसी स्थिति में भारत सरकार के जो भी आदेश हों उनका पालन करना कंपनी की बाध्यता है। जिसके कारण सारी दुनिया के देशों में भारत के अघोषित सेंसरशिप नियमों की चर्चा बड़ी आम हो गई है। सरकार को इस पर पुनर्विचार करने की जरूरत है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को रुपया एक पैसे की बढ़त के साथ ही 85.71 पर बंद हुआ। इससे पहले मंगलवार को भारतीय रुपया 24 पैसे की बढ़त के साथ बंद हुआ। वहीं गत दिवस सुबह वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और अमेरिकी डॉलर के कमजोर होने से रुपया शुरुआती कारोबार में 22 पैसे चढ़कर 85.72 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि विदेशी पूंजी के प्रवाह और सकारात्मक घरेलू शेयर बाजार से स्थानीय मुद्रा को और बल मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.75 पर खुला। फिर 85.72 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 22 पैसे की बढ़त दिखाता है। वहीं रुपया सोमवार को 54 पैसे की भारी गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.94 पर बंद हुआ। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.19 फीसदी की गिरावट के साथ 97.29 पर आ गया।

फोटो एडिटिंग का काम अब होगा बोलकर

नई दिल्ली।

फोटो एडिटिंग का काम अब बिना ऐप्स को बार-बार टच किए, सिर्फ बोलकर होगा। चाइनीज कंपनी रियलमी ने इस जरूरत को समझते हुए अपनी 15 सीरीज के साथ भारत का पहला वॉइस-बेस्ड फोटो एडिटिंग टूल एआई एडिट जेनी लॉन्च किया है। इसकी खास बात यह है कि यूजर को बस बोलना होता है और फोटो उसी हिसाब से एडिट हो जाता है। उदाहरण के तौर पर अगर आप कहें स्किन को स्मूद बनाओ या सिनेमैटिक फिल्टर लगाओ, तो यह कमांड तुरंत फॉलो की जाएगी और आपकी फोटो उसी अनुसार बदल जाएगी। यह एआई आधारित टूल खासतौर पर युवा यूजर्स और कंटेंट क्रिएटर्स के लिए मददगार है, जो फटाफट और प्रोफेशनल एडिटिंग चाहते हैं। इसके अलावा, इसमें एआई-पावर्ड ऑब्जेक्ट रिमूवल टूल भी है, जिससे आप फोटो में दिख रहे किसी अनचाहे व्यक्ति या चीज को सिर्फ बोलकर हटा सकते हैं। यूजर्स को यह एडिटिंग रियल-टाइम में दिखाई देती है और अगर किसी बदलाव से संतुष्ट नहीं हैं तो उसे हटाने का विकल्प भी आवाज से ही दिया गया है। कंपनी जल्द ही इस टूल में मल्टी-लैंग्वेज सपोर्ट भी जोड़ने की योजना बना रही है। यह फीचर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग (एनएलपी) तकनीक पर आधारित है, जो यूजर की आवाज पहचानकर उसमें बताए गए बदलाव समझता है और उन्हें तुरंत लागू कर देता है। जैसे ही आप कहें ब्राइटेन द बेकग्राउंड, फोटो का बैकग्राउंड तुरंत ब्राइट हो जाएगा।

अब ट्रंप ने दी फार्मास्युटिकल उत्पाद पर टैरिफ लगाने की धमकी

भारत पर पड़ेगा सबसे ज्यादा असर कई कंपनियां अमेरिका पर निर्भर

वाशिंगटन।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर वैश्विक व्यापार पर आक्रामक नजर आ रहे हैं। पहले उन्होंने कई देशों को निशाना बनाया और अब वे उत्पाद-विशेष पर भारी टैरिफ लगाने की धमकी दे रहे हैं। इस बार वह कॉपर और फार्मास्युटिकल उत्पाद पर टैरिफ लगाने की बता कह रहे हैं। ट्रंप ने इन पर क्रमश: 50 फीसदी और 200 फीसदी तक का टैरिफ लगाने की बात कही है, जिसका सीधा असर भारत जैसे देशों पड़ेगा। भारत के लिए यह चिंता की बात है क्योंकि देश का फार्मा उद्योग अमेरिका पर काफी हद तक निर्भर है और कॉपर उत्पादों का भी एक बड़ा हिस्सा अमेरिका को निर्यात किया जाता है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत ने करीब 17 हजार करोड़ रुपए के कॉपर और उससे जुड़े उत्पादों का निर्यात किया, जिनमें से करीब 17 फीसदी यानी 36 करोड़ डॉलर का निर्यात केवल अमेरिका को किया गया। फार्मा सेक्टर की बात करें तो भारत ने अमेरिका को करीब 9.8 अरब डॉलर यानी करीब 86 हजार करोड़ रुपए की दवाओं की आपूर्ति की।

एप्पल के नए सीओओ होंगे भारतीय मूल के सबीह खान, सीईओ ने की तारीफ

क्यूपर्टिनो।

आईफोन मेकर एप्पल ने ऐलान किया है कि कंपनी में 30 सालों से काम करने वाले भारतीय मूल के सबीह खान अब एप्पल के नए मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) होंगे। सबीह खान एप्पल में जेफ विलियम्स की जगह लेंगे। जेफ इस साल रिटायर हो रहे हैं। यह नेतृत्व परिवर्तन ऐसे समय में हो रहा है जब एप्पल को आईफोन की बिक्री में गिरावट और टैरिफ संबंधी समस्याओं जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। बता दें जेफ विलियम्स 27 सालों से एप्पल के साथ हैं। वे अब अपने रिटायरमेंट तक कंपनी की डिजाइन टीम और परियोजनाओं का नेतृत्व करते रहेंगे। इसके बाद, एप्पल की डिजाइन टीम सीधे सीईओ टिम कुक को रिपोर्ट करेगी। कुक ने विलियम्स के काम की प्रशंसा की और उन्हें एप्पल की सफलता में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति बताया। उन्होंने विलियम्स को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ सप्लाई चेन में से एक बनाने, एप्पल वॉच लॉन्च करने, कंपनी की रणनीति को आकार देने और जुनून और प्रतिबद्धता के साथ डिजाइन टीम का नेतृत्व करने का श्रेय दिया। बता दें सबीह खान 2019 में एप्पल में वरिष्ठ उपाध्यक्ष के रूप में शामिल हुए। उन्होंने कंपनी की ग्लोबल सप्लाई चेन के प्रबंधन और खरीद एवं विनिर्माण की देखरेख में अहम भूमिका निभाई है। नए सीओओ के रूप में खान एप्पलकेयर की देखरेख सहित और भी जिम्मेदारियां संभालने की उम्मीद है। कुक ने खान की तारीफ करते हुए कहा कि सबीह एक शानदार रणनीतिकार और एप्पल की सप्लाई चेन के प्रमुख हैं। उन्होंने एडवांस मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी को पेश करने, संयुक्त राज्य अमेरिका में एप्पल के उत्पादन का विस्तार करने और कंपनी को वैश्विक चुनौतियों से निपटने में मजबूत और फ्लेक्सिबल बनाने में मदद की है।

फ्रैंकलिन टेंपलटन ने लॉन्च किया नया मल्टी एसेट फंड -

जोखिम घटाकर रिटर्न बढ़ाने का लक्ष्य -

मुंबई/इंदौर।

फ्रैंकलिन टेंपलटन (इंडिया) ने आज फ्रैंकलिन इंडिया मल्टी एसेट एलोकेशन फंड (स्नृह्ल्स्र) लॉन्च किया। यह एक ओपन-एंडेड फंड है जो इक्विटी, डेट और कमोडिटीज में निवेश करेगा। फंड का मुख्य लक्ष्य जोखिम को कम करते हुए पूंजी बढ़ाना और निवेशकों को इक्विटी टैक्सेशन का लाभ देना है। इसे सक्रिय रूप से मैनेज किया जाएगा। न्यू फंड ऑफर (हृस्नह्र) 11 जुलाई 2025 से 25 जुलाई 2025 तक खुला रहेगा, जिसमें यूनिट्स ₹10 प्रति यूनिट पर उपलब्ध होंगी। लॉन्च के अवसर पर कंपनी के प्रेसिडेंट अविनाश सत्वालकर ने कहा कि इस फंड का लॉन्च हमारे ग्राहकों की जरूरतों को समझने और उन्हें लंबी अवधि के वित्तीय उद्देश्यों से जोड़ने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मौजूदा अस्थिर माहौल में, इक्विटी, फिक्स्ड इनकम और गोल्ड जैसी कमोडिटीज का सही संयोजन बेहतर जोखिम-समायोजित रिटर्न दे सकता है। कम्पनी के चीफ इन्वेस्टमेंट ऑफिसर (इमर्जिंग मार्केट्स इक्विटी - इंडिया) जानकीरमन आर. ने बताया कि इक्विटी में निवेश वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है, लेकिन इसमें अस्थिरता होती है।

सूचीबद्ध कंपनियों में प्रवर्तकों की हिस्सेदारी घटकर इस साल 37 फीसदी पर पहुंची

प्रवर्तकों ने ब्लॉक डील के जरिये शेयर बेचने की वजह से आई गिरावट

नई दिल्ली। भारत के शेयर बाजार में बदलाव आ रहा है और प्रवर्तक अप्रत्याशित तेजी से कंपनियों में अपनी हिस्सेदारी को कम कर रहे हैं। शीर्ष 200 निजी स्वामित्व वाली सूचीबद्ध कंपनियों में प्रवर्तकों की हिस्सेदारी करीब 600 अंक घटी है। इन कंपनियों में प्रवर्तकों की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2021 में 43 फीसदी थी जो 2025 में घटकर 37 फीसदी रह गई। प्रवर्तकों द्वारा ब्लॉक डील के जरिये शेयर बेचने की वजह से यह गिरावट आई है। इनमें से ज्यादातर शेयर घरेलू म्युचुअल फंडों ने खरीदे हैं। वित्त वर्ष 2021 और वित्त वर्ष 2025 के बीच बीएसई 200 कंपनियों में म्युचुअल फंडों की शेयरधारिता 360 आधार अंक बढ़कर 10.9 फीसदी हो गई जबकि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की हिस्सेदारी 420 आधार अंक घटकर 24.4 फीसदी रह गई। कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज के मुताबिक शेयरधारिता में बदलाव प्रवर्तकों द्वारा उच्च मूल्यांकन का लाभ उठाने और म्युचुअल फंडों द्वारा उतार-चढ़ाव से खरीदार बनने को दर्शाता है। कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने कहा है कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की बिकवाली के बावजूद घरेलू संस्थागत निवेशकों की ओर से प्रवाह बना हुआ है। 2025 की पहली छमाही के दौरान घरेलू संस्थागत निवेशकों ने सूचीबद्ध शेयरों में 3.5 लाख करोड़ रुपए का निवेश किया जो पिछले साल इसी अवधि में 2.4 लाख करोड़ था। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने इस दौरान 82,000 करोड़ से ज्यादा की शुद्ध बिकवाली की थी। घरेलू संस्थागत निवेश के निरंतर प्रवाह ने बाजार में बड़ी हिस्सेदारी बिक्री को अवशोषित करने की क्षमता को बढ़ाया है। इस साल की शुरुआत में ब्रिटिश अमेरिकन टोबैको ने आईटीसी में और सिंगटेल ने भारती एयरटेल में करीब 13,000-13,000 करोड़ रुपए के शेयर बेचे हैं। अल्फानीति फिनटेक के सह-संस्थापक यूआर भट्ट ने कहा कि कई प्रवर्तकों ने नई परियोजनाओं के लिए या कर्ज कम करने के लिए पूंजी जुटाई है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 176.43 , निफ्टी 46.40 अंक टूटा

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई का सेंसेक्स 176.43 अंक टूटकर 83,536.08 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 46.40 अंकों की गिरावट के साथ ही 25,476.10 अंकों पर बंद हुआ। बाजार में इस गिरावट का एक कारण अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का वह बयान है जिसमें उन्होंने कहा है कि एक अगस्त से टेरिफ लगाया जाएगा। इससे निवेशकों ने सतर्कता बरती जिससे घरेलू बाजार पर दबाव आया। आज सुबह भी बाजार की कमजोर शुरुआत हुई और ये सिलसिला दिन भर जारी रहा।

आज सेंसेक्स की 30 में से 13 कंपनियों के शेयर ही ऊपर आये जबकि शेष 17 कंपनियों के शेयर गिरावट पर बंद हुए। इसी प्रकार 50 शेयरो वाले एनएसई निफ्टी की 21 कंपनियों के शेयर ही बढ़त पर बंद हुए शेष 29 कंपनियों के शेयर नीचे आये। आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल बजाज फाइनेंस के शेयर सबसे ज्यादा 1.40 फीसदी उछले जबकि एचसीएल टेक के शेयर आज सबसे ज्यादा 2.03 फीसदी गिरे।

सेंसेक्स की बाकी कंपनियों में आज हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर 1.26 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 0.90 फीसदी, पावरग्रिड 0.62 फीसदी, एशियन पेंट्स 0.57 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.49 फीसदी, आईटीसी 0.48 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 0.45 फीसदी, बजाज फिनसर्व 0.36 फीसदीकी तेजी के साथ बंद हुए।

वहीं टाटा स्टील के शेयरों में 1.76 फीसदी, टेक महिंद्रा 1.39 फीसदी, रिलायंस इंडस्ट्रीज 1.28 फीसदी, बीईएल 1.01फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 0.77 फीसदी, एलएंडटी 0.66फीसदी, टीसीएस 0.65 फीसदी, ट्रेंट 0.61 फीसदी, भारती एयरटेल 0.51 फीसदी, सनफार्मा 0.50 फीसदी, नीचे आये।

आज बीएसई मिडकैप इंडेक्स स्थिर रहा, जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स 0.5 फीसदी बढ़ा। वहीं क्षेत्रीय स्तर पर, एफएमसीजी, ऑटो और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में 0.5 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जबकि मेटल और रियल्टी में एक-एक फीसदी से अधिक की गिरावट आई। जियो का

आईपीओ 2025 से आगे खिसकने से रिलायंस के शेयरों में 2 फीसदी की गिरावट आई। ट्रंप के भारत के लिए प्रमुख निर्यात श्रेणी, फार्मास्युटिकल्स के आयात पर भारी टैरिफ लगाने की धमकी के बाद निवेशकों की धारणा प्रभावित होने से भी बाजार नीचे आया है।

इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स आज सुबह 90 अंक के करीब नीचे आकर 83,625.89 अंक पर खुला। सुबह यह 114.39 अंक करीब 0.14 फीसदी की गिरावट के साथ 83,598.12 पर कारोबार कर रहा था। वहीं इसी तरह 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 भी हल्की गिरावट के साथ ही 25,514.60 अंक पर खुला। वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो जापान का निक्केई इंडेक्स 0.18 फीसदी ऊपर आया जबकि टोपिक्स इंडेक्स में 0.19 फीसदी की तेजी दर्ज की गयी।

सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली।

घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गयी है। आज सुबह वायदा कारोबार की शुरुआत कमजोर रही। घरेलू बाजार में आज सोना 96,200 रुपये जबकि चांदी 1,07,800 रुपये के करीब रहा है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी के वायदा भाव की शुरुआत बढ़त के साथ हुई हालांकि बाद में इसमें गिरावट आने लगी। इसके अलावा सोना भी गिरावट के साथ ही खुला।

सोने के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त अनुबंध आज 279 रुपये की गिरावट के साथ ही 96,193 रुपये पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 96,472 रुपये था। वहीं एक समय यह अनुबंध 294 रुपये की गिरावट के साथ ही 96,178 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। एक समय इसने 96,257 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 96,157 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। सोने के वायदा भाव इस साल 1,01078 रुपये के शीर्ष स्तर पर पहुंचे।

चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर अनुबंध 96 रुपये की गिरावट के साथ ही 1,07,889 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,07,985 रुपये था। एक समय

यह अनुबंध 165 रुपये की गिरावट के साथ ही 1,07,820 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। ये 1,07,938 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 1,07,800 रुपये के भाव पर दिन के निचला स्तर पर पहुंचा। वहीं चांदी के वायदा भाव ने इस साल 1,09,748 रुपये किलो के भाव पर सबसे उच्च स्तर पर पहुंचा।

दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने चांदी के वायदा भाव में गिरावट रही। कॉमेक्स पर सोना 3,310.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 3,316.90 डॉलर प्रति औंस था। सुबह यह 16.80 डॉलर की गिरावट के साथ ही 3,300.10 डॉलर प्रति औंस पर खुला। वहीं सोने के वायदा भाव इस साल 3,509.90 डॉलर के भाव के शीर्ष स्तर पर पहुंचे। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 36.93 डॉलर के भाव पर खुले।

वैगनआर ने सबसे ज्यादा बिकने वाली सीएनजी हैचबैक का खिताब जीता

नई दिल्ली।

वित्त वर्ष 2025 में मारुति सुजुकी की वैगनआर ने सबसे ज्यादा बिकने वाली सीएनजी हैचबैक का खिताब हासिल किया है। अप्रैल से जून 2025 की तिमाही में कंपनी ने वैगनआर सीएनजी की कुल 1,02,128 यूनिट्स की बिक्री की है। यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि ईंधन की बढ़ती कीमतों और बेहतर माइलेज की चाहत के चलते ग्राहक पारंपरिक पेट्रोल-डीजल के विकल्प के रूप में सीएनजी वाहनों को तेजी से अपना रहे हैं। मारुति की ही अर्टिगा सीएनजी इस दौरान सबसे ज्यादा बिकने वाली सीएनजी कार रही, लेकिन वैगनआर ने हैचबैक सेगमेंट में सबसे अधिक ग्राहक बटोरे। वैगनआर को इसकी किफायती कीमत, शानदार माइलेज और बेहतर फीचर्स के लिए जाना जाता है। इसमें 1.0 लीटर और 1.2 लीटर पेट्रोल इंजन विकल्प मिलते हैं, जिसमें सीएनजी वेरिएंट भी उपलब्ध है। कार का दावा है कि सीएनजी पर यह 34 किमी प्रति किलोग्राम तक का माइलेज दे सकती है। इसके अलावा वैगनआर में 7-इंच टचस्क्रीन, 4-स्पीकर म्यूजिक सिस्टम, स्टेयरिंग माउंटेड कंट्रोल और रियर पार्किंग सेंसर जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इसकी एक्स-शोरूम कीमत 5.79 लाख रुपये से शुरू होकर 7.62 लाख रुपये तक जाती है।

जियो ब्लैकरॉक म्युचुअल फंड बाजार में हलचल मचाने को तैयार

ज्वाइंट वेंचर बाजार में अलग प्रोडक्ट पेश करने की बना रही योजना

नई दिल्ली।

जियो ब्लैकरॉक म्युचुअल फंड बाजार में एंट्री के लिए तैयार है। भारत में इस साल के आखिर तक यह एमसी करीब एक दर्जन इक्विटी और डेट फंड लॉन्च करने की योजना बना रही है। यह फंड छोटे निवेशकों को ध्यान में रखते हुए तैयार किए जाएंगे और लागत कम रखने सीधे निवेशकों तक पहुंचने की स्ट्रेटजी अपनाई जाएगी। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि अरबपति मुकेश अंबानी की जियो फाइनेंशियल सर्विसेज और ब्लैकरॉक के इस ज्वाइंट वेंचर की भारत के 72.2 लाख करोड़ रुपए के फंड बाजार में एंट्री एक ऐसे बिजनेस मॉडल के साथ हो रही है जो इस सेक्टर में हलचल पैदा कर सकता है। यह ज्वाइंट वेंचर अपने व्यापक डिजिटल नेटवर्क का इस्तेमाल करके उन पारंपरिक डिस्ट्रीब्यूटर्स को दरकिनार करने की तैयारी में है जिन पर अभी तक बाकी इंडस्ट्री निर्भर रही है। जियो ब्लैकरॉक, भारत की सबसे बड़ी टेलीकॉम नेटवर्क कंपनी जियो और ब्लैकरॉक के इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट प्लेटफॉर्म 'अलादीन' का इस्तेमाल करके एक भीड़भाड़ वाले बाजार में अलग तरह के प्रोडक्ट पेश करने की योजना बना रहा है।

सूत्रों के मुताबिक एसेट मैनेजर ने बाजार नियामक के पास आठ नए फंड लॉन्च करने के लिए आवेदन किया है। ये फंड पिछले महीने लॉन्च किए गए तीन फंडों के अतिरिक्त होंगे। सूत्रों ने बताया कि इन फंडों में न्यूनतम 500 रुपए से निवेश कर सकते हैं। जियो ब्लैकरॉक ने सोमवार को कहा था कि उसने तीन नई डेट म्युचुअल फंड योजनाओं ओवरनाइट, लिक्विड और मनी मार्केट के जरिए 17,800 करोड़ जुटाए हैं। इन फंडों में अब तक 90 संस्थागत निवेशक और 67,000 रिटेल निवेशक पैसा लगा चुके हैं।

जून 2025 में वाहनों की त्योहार और शादियों ने बढ़ाई मांग

नई दिल्ली।

देश में सभी सेगमेंट की ऑटोमोबाइल खुदरा बिक्री जून 2025 में सालाना आधार पर 4.84 प्रतिशत बढ़कर 20.03 लाख यूनिट से ज्यादा हो गई। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोटिव डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के अनुसार के दोपहिया वाहनों की बिक्री 4.73प्रतिशत, तिपहिया वाहनों की 6.68प्रतिशत, पैसेंजर व्हीकल की 2.45प्रतिशत, कमर्शियल व्हीकल की 6.6प्रतिशत, ट्रैक्टरों की 8.68प्रतिशत और कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट्स की बिक्री 54.95प्रतिशत बढ़ी। फाडा के अध्यक्ष सी.एस. विग्नेश्वर ने बताया कि त्योहार और शादी के सीजन ने बिक्री को प्रोत्साहन दिया, लेकिन वित्तीय चुनौतियां, कुछ मॉडलों की सीमित उपलब्धता, शुरुआती मानसूनी बारिश और इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती लोकप्रियता ने खरीद के पैटर्न को प्रभावित किया। विग्नेश्वर ने बताया कि जून में दोपहिया वाहनों की मांग अच्छी रही, जबकि पैसेंजर व्हीकल सेगमेंट में बिक्री में सालाना 2.45प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई, हालांकि मासिक आधार पर इसमें 1.49प्रतिशत की गिरावट रही।

क्रिजैक आईपीओ ने निवेशकों को किया खुश, पहले दिन 14 से 15 फीसदी का फायदा

नई दिल्ली।

क्रिजैक आईपीओ के शेयरों की दलाल स्ट्रीट पर धमाकेदार एंट्री हुई है। कंपनी के शेयर बुधवार को सूचीबद्ध हुए। नैशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर क्रिजैक आईपीओ के शेयर 281 रुपए प्रति शेयर के भाव पर लिस्ट हुए। यह इसके इश्यू प्राइस के अपर एंड 245 रुपए की तुलना में 36 रुपए या 15 फीसदी ज्यादा है। बीएसई (बीएसई) पर कंपनी का शेयर 280 रुपए प्रति शेयर के भाव पर लिस्ट हुए। यह पब्लिक इश्यू के प्राइस बैंड के मुकाबले 35 रुपए या 14 फीसदी ज्यादा है। इस तरह निवेशकों को लिस्टिंग के पहले दिन ही करीब 14 से 15 फीसदी का फायदा मिला। बता दें क्रिजैक आईपीओ के लिए बिडिंग शुक्रवार यानी 4 जुलाई को खत्म हुई थी। पब्लिक इश्यू को आवेदन करने के तीसरे और अंतिम दिन सभी कैटेगरी में निवेशकों का जबरदस्त रिस्पांस मिला। एनएसई के आंकड़ों के मुताबिक निवेशकों ने 1,54,53,03,240 शेयरों के लिए आवेदन किया। जबकि पेशकश किए गए शेयरों की संख्या केवल 2,45,71,427 थी। इस तरह क्रिजैक आईपीओ को कुल 59.82 गुना सब्सक्राइब किया गया। क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए रिजर्व हिस्सा 134.35 गुना सब्सक्राइब हुआ। जबकि नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स का हिस्सा 76.15 गुना भरा गया। वहीं, रिटेल निवेशकों के लिए तय कोटा 10.24 गुना सब्सक्राइब हुआ। क्रिजैक आईपीओ का प्राइस बैंड 233 से 245 रुपए प्रति शेयर तय किया था। एक लॉट में 61 शेयर थे यानी रिटेल इनवेस्टर्स को कम से कम एक लॉट यानी 61 शेयर के लिए बोली लगानी होती। अपर प्राइस 245 रुपए के हिसाब से एक लॉट के लिए 14,945 का खर्च आएगा। रिटेल इनवेस्टर एक साथ अधिकतम 13 लॉट यानी 793 शेयरों के लिए आवेदन कर सकते हैं, जिसका कुल भुगतान 1,94,285 बनता है।

टाटा संस की टाटा केपिटल में हिस्सेदारी 93 फीसदी, वैल्यू 98,178 करोड़ हुई

नई दिल्ली।

टाटा ग्रुप की टाटा संस के पास अपनी फाइनेंशियल सर्विस कंपनी टाटा केपिटल में 93 फीसदी हिस्सेदारी है। इस हिस्सेदारी की वैल्यू करीब 98,178 करोड़ रुपए यानी करीब 11.4 अरब डॉलर है। टाटा केपिटल की यह वैल्यू मार्च में हुए राइट्स इश्यू के आधार पर निकाली गई है, जिसमें प्रति शेयर की कीमत 281 रुपए रखी गई थी। टाटा केपिटल के 2025 की सालाना रिपोर्ट में इसकी कुल इक्विटी वैल्यू 1.05 लाख करोड़ रुपए बताई गई है, जिसके आधार पर यह भारत की टॉप 10 गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों में आठवें स्थान पर है। टाटा संस अब टाटा केपिटल में अपनी 18 फीसदी तक हिस्सेदारी को आईपीओ के जरिए बेचने की तैयारी में कर रहा है। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि इस आईपीओ से टाटा संस को 17,672 करोड़ रुपए हासिल हो सकते हैं। कंपनी ने इसके लिए सेबी के पास गोपनीय तरीके से आईपीओ का आवेदन दिया था, जिसे मंजूरी कर लिया गया है। टाटा केपिटल को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने 'अपर लेयर' के रूप में वर्गीकृत किया है, जिसके नियमों के तहत सितंबर तक इसे पब्लिक लिस्टिंग करानी होगी। टाटा संस के अलावा टाटा केपिटल के शेयरधारकों में इसके कर्मचारी और इंटरनेशनल फाइनेंस कॉरपोरेशन शामिल हैं। टाटा संस को इस समय नकदी की कमी का सामना करना पड़ रहा है। 2025 में इसकी डिविडेंड आय और शेयर बायबैक से होने वाली कमाई 3.5 फीसदी घटकर 36,514 करोड़ रुपए रहने का अनुमान है, जो पिछले साल 37,832 करोड़ रुपए थी। यह करीब एक दशक में पहली बार ऐसी कमी देखी गई है। साल 2024 में टाटा संस की स्टैंडअलोन ऑपरेटिंग आय 25 फीसदी बढ़कर 43,767 करोड़ हो गई थी, जिसमें 95 फीसदी हिस्सा टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के डिविडेंड और बायबैक से आया था, लेकिन 2025 में टीसीएस से डिविडेंड आय 34,053 करोड़ से घटकर 32,722 करोड़ रहने की उम्मीद है। इस बीच, टाटा संस जो अब कर्ज मुक्त है और अपर लेयर के रूप में वर्गीकृत है उसने आरबीआई से इस वर्गीकरण से बाहर निकलने के लिए आवेदन किया है, जो अभी लंबित है। बता दें जून में टाटा केपिटल ने 1,752 करोड़ का दूसरा राइट्स इश्यू मंजूर किया, जिसमें टाटा संस 1,630 करोड़ का अतिरिक्त निवेश कर सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत-इंग्लैंड तीसरा टेस्ट आज से: लॉर्ड्स की चुनौतीपूर्ण पिच पर होगी बल्लेबाजों की कड़ी परीक्षा

लंदन (एजेंसी)। शानदार फॉर्म में चल रहे भारतीय बल्लेबाजों को इंग्लैंड के खिलाफ गुरुवार से शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट क्रिकेट मैच में लॉर्ड्स की चुनौती पूर्ण पिच पर सफलता हासिल करने के लिए खुद को अच्छी तरह से तैयार करना होगा जबकि जसप्रीत बुमराह की वापसी से मेजबान टीम के बल्लेबाजों की भी कड़ी परीक्षा होगी।

इंग्लैंड ने लीड्स में पहला टेस्ट जबकि भारत ने बर्मिंघम में दूसरा टेस्ट मैच जीता था और इस तरह से पांच मैच की श्रृंखला अभी बराबरी पर है। भारत की दूसरे मैच में 336 रन से जीत के बाद हालांकि समीकरण काफी बदल गए हैं। भारत ने अभी तक दोनों मैच में अधिकतर समय अपना दबदबा बनाए रखा है और अगर उसने पहले टेस्ट मैच में कुछ कैच नहीं छोड़े होते और निचले क्रम के बल्लेबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया होता तो वह श्रृंखला में 2-0 से आगे होता।

नए कप्तान शुभमन गिल के नेतृत्व में भारतीय टीम की अनुभवहीनता को देखते हुए लग रहा था कि इंग्लैंड की टीम उस पर हावी रहेगी लेकिन अभी तक जिस तरह से भारत ने प्रदर्शन किया है उसे देखते हुए उसे रोहित शर्मा और विराट कोहली की कमी नहीं खली जिन्होंने इस श्रृंखला से पहले टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। इससे भारत की मजबूत बेंच स्ट्रेंथ का भी पता चलता है।

गिल एंड कंपनी द्वारा बनाए गए रनों के पहाड़ ने बेन स्टोक्स की सपाट पिच तैयार करके विपक्षी टीम को मुकाबले से बाहर करने की रणनीति पर फिर से विचार करने के लिए मजबूर कर दिया।

सपाट पिचों पर भारतीय बल्लेबाजों की जबरदस्त सफलता मेजबान टीम के लिए नुकसानदेह साबित हुई है। अब उन्हें ऐसे विकेट पर खेलना पड़ सकता है जिस पर अच्छी सीम मूवमेंट की उम्मीद की जा रही है। इसके अलावा, प्रतिष्ठित लॉर्ड्स में ऊपर-नीचे जाने वाली ढलान की अनोखी चुनौती भी है। बुमराह और जोफ्रा आर्चर की वापसी से बल्लेबाजों का काम और कठिन हो जाएगा। आर्चर चार साल में इंग्लैंड के लिए अपना पहला टेस्ट खेलने के लिए तैयार हैं।

बल्लेबाजी विभाग में भारतीय टीम के लिए ज़्यादा चिंता की कोई बात नहीं है, सिवाय करुण नायर के फॉर्म के, जो लेंथ से उछलती गेंदों के सामने थोड़े असहज दिखे हैं। इंग्लैंड यशस्वी जायसवाल की शॉर्ट पिच गेंदों से परीक्षा लेने की कोशिश करेगा लेकिन पूरी संभावना है कि भारतीय सलामी बल्लेबाज रन बनाने का कोई न कोई तरीका निकाल ही लेगा। भारत की अंतिम एकादश में एकमात्र अपेक्षित बदलाव प्रसिद्ध कृष्णा की जगह बुमराह का आना होगा।

लीड्स के बाद भारतीय तेज गेंदबाजों

की प्रभावशीलता पर गंभीर सवालिया निशान उठे थे, लेकिन आकाशदीप, मोहम्मद सिराज और बुमराह की तिकड़ी आक्रमण को एक शक्तिशाली रूप देती है। दूसरे टेस्ट में 10 विकेट लेकर आकाश दीप ने इंग्लैंड में स्विंग शुरुआत की और हर समय विकेट को निशाना बनाने की उनकी आदत को देखते हुए घरेलू टीम के बल्लेबाजों को इस चतुर गेंदबाज के खिलाफ अतिरिक्त सावधानी बरतने की आवश्यकता होगी।

सिराज को 2021 में लॉर्ड्स में अपने मैच जीतने वाले प्रयास से आत्मविश्वास मिलेगा, जबकि बुमराह सबसे सपाट पिचों पर भी खतरनाक साबित होते हैं और यहां तो परिस्थितियां उनके अनुकूल हो सकती हैं। एजबेस्टन में भारत ने तीन ऑलराउंडर खिलाए, जिनमें रविंद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर के रूप में दो स्पिनर शामिल थे। यह जोड़ी आगे भी बने रहने की संभावना है। भारतीय टीम में नितीश रेड्डी एकमात्र तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर होंगे जिनका मुख्य कौशल बल्लेबाजी है।

जोफ्रा आर्चर की वापसी से इंग्लैंड का गेंदबाजी आक्रमण और मजबूत होगा। पूरी तरह से फिट होने के बाद, दाएं हाथ के तेज गेंदबाज गस एटकिंसन भी टीम में वापस आ गए हैं। इंग्लैंड ने आर्चर को टीम में शामिल करके अपने गेंदबाजी आक्रमण को मजबूत करने की कोशिश की है। वह टीम में जोश टंग की जगह लेंगे। इंग्लैंड ने तीसरे टेस्ट के लिए अपनी एकादश में एकमात्र यही बदलाव किया है।

इंग्लैंड के बल्लेबाजों में रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे सलामी बल्लेबाज जैक क्रॉली पर दबाव होगा जबकि कप्तान बेन स्टोक्स से भी अधिक रन की उम्मीद है, जिन्होंने गेंदबाजी में लय हासिल करने में ज्यादा समय नहीं लगाया लेकिन उनकी बल्लेबाजी के बारे में ऐसा नहीं कहा जा सकता। अब तक श्रृंखला में दर्शकों की संख्या असाधारण रही है और लॉर्ड्स में भी स्टेडियम खचाखच भरे रहने की संभावना है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान और विकेटकीपर), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नितीश रेड्डी, रविंद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव।

इंग्लैंड की अंतिम 11 : जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रुक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ (विकेट कीपर), क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोफ्रा आर्चर, शोएब बशीर।

जसप्रीत बुमराह वापसी को तैयार, लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट से पहले अभ्यास सत्र में जमकर पसीना बहाया

लंदन (एजेंसी)। लंदन = जसप्रीत बुमराह वापसी के लिए पूरी तरह तैयार दिख रहे हैं क्योंकि भारत के इस स्टार तेज गेंदबाज ने लॉर्ड्स टेस्ट से पहले नेट सत्र के दौरान जमकर पसीना बहाया। उन्होंने लगभग 45 मिनट तक गेंदबाजी करने के बाद बाएं हाथ की स्पिन और थ्रोडाउन के खिलाफ बल्लेबाजी का भी अभ्यास किया। कप्तान शुभमन गिल ने एजबेस्टन में यह स्पष्ट कर दिया था कि गेंदबाजी के बोझ के कारण दूसरे टेस्ट से बाहर रहने वाले बुमराह फिर से मैदान पर उतरेंगे।

तीसरे टेस्ट से पहले टीम के पहले सत्र में बुमराह काफी जोश में नजर आए। उन्होंने लगातार अपने साथी खिलाड़ियों और कई बार भारतीय मीडिया से भी बातचीत की। पूरी संभावना है कि एकादश में प्रसिद्ध कृष्णा की जगह बुमराह को मौका दिया जाएगा। बुमराह ने सत्र में धीरे-धीरे पूरी ताकत से गेंदबाजी की लेकिन बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने और भी कड़ी मेहनत की और करीब एक घंटे तक गेंदबाजी की। पिच से बल्लेबाजों को कड़ी चुनौती मिलने की उम्मीद है। ऐसे में यह देखना होगा कि भारत एजबेस्टन की तरह दो स्पिनर और तीन तेज गेंदबाजों के साथ उतरता है या नहीं। नितीश रेड्डी चौथे तेज गेंदबाज के विकल्प थे। गिल, लोकेश राहुल, यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत, आकाशदीप और मोहम्मद सिराज ने अभ्यास सत्र में हिस्सा नहीं लिया। पहले दो टेस्ट मैच खेलने वाले सिराज ने भारतीय तेज गेंदबाजों में सबसे अधिक ओवर फेंके हैं। सिराज हमेशा मैदान पर अपना शत प्रतिशत देते हैं लेकिन भारत के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने कहा कि उनके काम के बोझ का प्रबंधन किया जाएगा।

कोटक ने कहा, 'काम के बोझ का प्रबंधन केवल बुमराह के लिए नहीं है। हर गेंदबाज की फिटनेस, हर गेंदबाज की समस्या अलग होती है। लेकिन मुझे लगता है कि बीच में पर्याप्त आराम मिलता है। इस मैच के बाद लंबा ब्रेक है। लेकिन सिराज ऐसे खिलाड़ी हैं जो बहुत गेंदबाजी करते हैं।% बल्लेबाजों में करुण नायर और साई सुदर्शन ने लंबे समय तक बल्लेबाजी की। नायर ने अब तक श्रृंखला में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है।

सीरीज को लेकर अभी कुछ नहीं कह सकते : गांगुली

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि अभी से ये नहीं कहा जा सकता है कि एंडरसन-तेंदुलकर सीरीज कौन सी टीम जीतेगी। अभी दोनो ही टीमें 1-1 से बराबरी पर हैं। वहीं 3 मैच होने हैं जिससे सीरीज के परिणाम तय होंगे। दूसरे टेस्ट में भारतीय टीम की जीत के बाद गांगुली स्वदेश लौट आए थे। उन्होंने भारतीय टीम के प्रदर्शन की भी प्रशंसा की है। साथ ही कहा कि आगे के मैचों में भी टीम अच्छा प्रदर्शन करेगी पर कहा कि सीरीज में अभी तीन मैच शेष हैं, इसलिए परिणाम के बारे में अभी कुछ भी नहीं कहा जा सकता है। गांगुली ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि भारतीय टीम पहले दो मैचों की तरह ही तीसरे मैच में भी अच्छी बल्लेबाजी करेगी। साथ ही, उम्मीद करता हूं कि टीम 20 विकेट लेने में भी सफल रहेगी, जिससे जीत मिलने की संभावना बढ़ जाये। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि अगले टेस्ट में जसप्रीत बुमराह भी टीम में आ जाएंगे। इससे हमारी गेंदबाजी और भी बेहतर हो जाएगी और हम इंग्लैंड के 20 विकेट आसानी से ले सकेंगे।

शुभमन गिल ने लगाई 15 स्थान की लम्बी छलांग, टेस्ट में सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग पर पहुंचे

दुबई (एजेंसी)। भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल इंग्लैंड के खिलाफ बर्मिंघम में दूसरे टेस्ट में अपने जबरदस्त प्रदर्शन की बदौलत 15 पायदान ऊपर चढ़कर टेस्ट रैंकिंग में छठे स्थान पर पहुंच गए है। वहीं इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रूक हमवतन जो रूट को पछाड़ कर शीर्ष पर पहुंच गए हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की ओर से जारी ताजा टेस्ट रैंकिंग के अनुसार एजबस्टन में पहली पारी में 158 रन बनाने वाले इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने अपने साथी जो रूट को पछाड़ कर जगह शीर्ष स्थान हासिल किया है और अब रूट से 18 अंक आगे हो गए हैं। जो रूट अब दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं। दूसरे टेस्ट में 269 और 161 रनों की ऐतिहासिक पारियां खेलने वाले भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल 15 स्थान ऊपर चढ़कर छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। यह उनके करियर के सर्वश्रेष्ठ 807 रेटिंग अंक हैं। इसके अलावा केन विलियमसन (तीसरे), यशस्वी जायसवाल (चौथे) और स्टीवन स्मिथ (पांचवें) हैं। अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ नाबाद 184 रनों की पारी खेलने वाले इंग्लैंड के विकेटकीपर-बल्लेबाज जेमी स्मिथ को भी फायदा हुआ है, वह 16 पायदान ऊपर चढ़कर 10वें नंबर पर पहुंच गए। जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टेस्ट में नाबाद 367 रन की विशाल पारी खेलने वाले दक्षिण अफ्रीका ऑलराउंडर वियान मुल्डर को बल्लेबाजों और ऑलराउंडरों, दोनों की रैंकिंग में फायदा हुआ है।

श्रीलंका के शीर्ष स्पिनर हसरंगा बंगलादेश के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर

कैंडी । श्रीलंका के शीर्ष स्पिनर वानिंदु हसरंगा चोट के कारण बंगलादेश के खिलाफ शुक्रवार से शुरु होने वाली टी-20 सीरीज से बाहर हो गए है। बंगलादेश के खिलाफ पहले एकदिवसीय मैच में श्रीलंका को मैच में वापसी दिलाने हसरंगा आखिरी एकदिवसीय मैच के दौरान चोटिल हो गए थे। मेजबान टीम श्रीलंका ने यह एकदिवसीय सीरीज 2-1 से जीती ली थी। हसरंगा के स्थान पर अभी तक किसी अन्य खिलाड़ी का चयन नहीं किया गया है। वह कोलंबो लौटकर हाई परफॉर्मेंस सेंटर में अपनी रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया शुरू करेंगे। चरित असालंका श्रीलंकाई टीम की कप्तानी करेंगे।

श्रीलंका टीम : चरित असालंका (कप्तान), पथुम निसंका, कुसल मेंडिस, दिनेश चांडीमल, कुसल परेरा, कामिंडु मेंडिस, अविष्का फर्नांडो, दासुन शनाका, डुनिथ वेलालेज, महीश थीक्षाना, जेफरी वांडरसे, चमिका करुणारत्ने, मथीशा पथिराना, नुवान तुषारा, बिनुरा फर्नांडो और ईशान मलिंगा।

पंड्या इस कारण नहीं खेलते टेस्ट क्रिकेट

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने लंबे समय से टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला है और वह केवल सीमित ओवरों (एकदिवसीय ओर टी20) प्रारुप के लिए भी उपलब्ध होते है। पंड्या ने अंतिम बार साल 2018 में टेस्ट क्रिकेट खेला था। वहीं साल 2021 में पंड्या ने टेस्ट टीम में वापसी की थी पर इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में उन्हें मौका नहीं मिला था। इसके बाद 2021 टी20 विश्व कप के बाद, पंड्या ने खेल से ब्रेक लिया और आईपीएल 2022 में वापसी की। पंड्या ने करियर में भारत के लिए 11 मैचों की 18 पारियों में कुल 532 रन बनाए हैं। इसके अलावा 19 पारियों में गेंदबाज करते हुए उन्होंने 17 विकेट लिए हैं। उनके टेस्ट मैच न खेलने का मुख्य कारण फिटनेस है। वह अपने करियर में चोटों से काफी परेशान रहे हैं। उन्हें कई बार चोट का सामना करना पड़ता है। इसी कारण वह अपने करियर को लंबा बनाये रखने टेस्ट से दूरी बनाये हुए हैं। उनके पीठ का दर्द उनके टेस्ट क्रिकेट न खेलने के पीछे के कारणों में से एक है। पंड्या ने भी एक बार कहा था कि वह टेस्ट क्रिकेट खेलकर अपनी पीठ को जोखिम में डाल सकते हैं। उन्होंने कहा था कि मैं खुद को एक बैक-अप सीमर मानता हूं। पीठ की सर्जरी के बाद मेरे लिए टेस्ट क्रिकेट खेलना परेशानी खड़ी कर सकता है हालांकि अगर वह केवल टेस्ट ही खेलते और सीमित ओवरों के लिए उन्हें अवसर नहीं मिलता तो वे टेस्ट खेल सकते थे।

दक्षिण अफ्रीका की जिम्बाब्वे पर 20 साल में सबसे बड़ी जीत, श्रृंखला में 2-0 से सूपड़ा साफ किया

बुलावायो (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका ने दो मैचों की श्रृंखला के दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन मंगलवार को यहां जिम्बाब्वे की दूसरी पारी को 220 रन पर समेट कर उसे पिछले 20 साल में पारी से सबसे बड़ी शिकस्त दी। दक्षिण अफ्रीका ने महज तीन दिन के अंदर पारी और 236 रन की शानदार जीत दर्ज की। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब जीतने वाली दक्षिण अफ्रीका की टीम ने इसके साथ ही श्रृंखला में 2-0 से सूपड़ा साफ किया।

दक्षिण अफ्रीका ने कार्यवाहक कप्तान वियान मुल्डर के नाबाद 367 रन के दम पर पांच विकेट पर 626 रन बनाकर पारी घोषित की थी। जिम्बाब्वे की टीम सोमवार को अपनी पहली पारी में 43 ओवर में 170 रन पर आउट हो गई थी जिसके बाद उसे फॉलोऑन दिया गया। टीम मंगलवार को अपनी दूसरी पारी में 220 रन पर आउट हो गई। जिम्बाब्वे की टीम ने इस मैच में कुल 390 रन बनाए जो मुल्डर के स्कोर से सिर्फ 23 रन अधिक था।

मुल्डर का चोटिल टेम्बा बावुमा और केशव महाराज की अनुपस्थिति में कप्तान के तौर पर यह पहला टेस्ट मैच था। उन्होंने बल्ले से योगदान देने के साथ तीन विकेट भी चटकाए और तीन कैच लपके। वह मैच और श्रृंखला के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गये। जिम्बाब्वे ने दिन की शुरुआत दूसरी पारी में एक विकेट पर 51 रन से की थी और सुबह के सत्र में टीम ने दो विकेट गंवाए, जिसमें अनुभवी सीन विलियम्स भी शामिल थे।

विलियम्स ने मुल्डर की गेंद को रोकने की कोशिश की और 11 रन पर अपना ऑफ स्टंप गंवा बैठे। लंच से पहले निक वेल्च (55) ने अपने पांचवें टेस्ट में अपना तीसरा अर्धशतक पूरा किया, लेकिन इसके तुरंत बाद सेनुराम मुथुसामी की गेंद पर मुल्डर के हाथों कैच आउट हो गये। वेल्च का विकेट गिरने के बाद टीम ने 28 ओवरों में 67 रन पर बाकी के सात विकेट गंवा दिये। कप्तान क्रेग एर्विन ने एक छोर से संभल कर खेलते हुए 95 गेंदों में 49 रन की जुझारू पारी खेली।

दक्षिण अफ्रीका के लिए कॉर्बिन बॉश ने चार जबकि मुथुसामी ने तीन और कोडी यूसुफ दो विकेट लिए। जिम्बाब्वे ने बुलावायो में अपना पिछला मैच 2001 में जीता था। उसने इस दौरान 22 टेस्ट खेले और इनमें से 17 में हार का सामना करना पड़ा।

एशियाई चैंपियनशिप पर रहेंगी मनु की नजरें

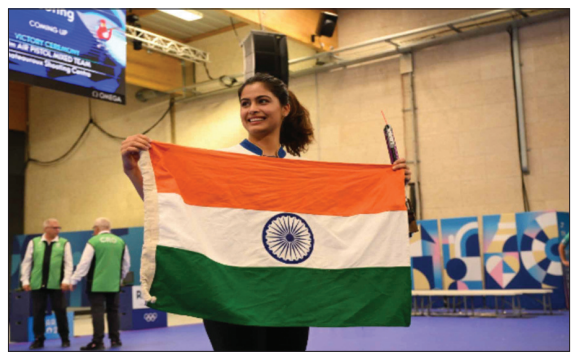

पेरिस । ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर का लक्ष्य अब कजाकिस्तान में होने वाली 16वीं एशियाई चैंपियनशिप में जीत दर्ज करना रहेगा। 16 से 30 अगस्त तक होने वाले इस टूर्नामेंट में केवल मनु ही दो व्यक्तिगत स्पर्धा में भाग लेंगी। वहीं निशाने बाजी महासंघ ने सात से 15 सितंबर तक चीन के निंगबो में होने वाले आईएसएसएफ विश्व कप के लिए सीनियर टीम की घोषणा भी कर दी है। इस प्रमुख एशियाई प्रतियोगिता के लिए सीनियर टीम में 35 निशानेबाज हैं जो तीन मिश्रित टीम सहित 15 स्पर्धाओं में भाग लेंगे। मनु इसमें महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल और महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धाओं में प्रतिस्पर्धा करेंगी। ओलंपिक पदक विजेता स्वप्निल कुसाले और एशियाई खेलों के पूर्व चैंपियन और ओलंपियन राही सरनोबत भी इस टीम में शामिल हैं। वहीं सीनियर टीम में वापसी करने वाले प्रमुख खिलाड़ियों में पुरुष एयर राइफल के पूर्व विश्व चैंपियन रुद्राक्ष पाटिल और ओलंपियन अंजुम मौदगिल, ऐश्वर्या प्रताप सिंह तोमर, सौरभ चौधरी और केनान चेनाई भी शामिल हैं। ईशा सिंह, मेहुली घोष और किरण अंकुश जाधव दोनों सीनियर टीम में हैं। वहीं भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ द्वारा घोषित अन्य टीमें सितंबर-अक्टूबर में होने वाले आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप और जूनियर एशियाई चैंपियनशिप के लिए हैं। जो सीनियर प्रतियोगिता के साथ ही होगी!

आर्चर बन सकते हैं शुभमन के लिए चुनौती : ब्रॉड

लॉर्ड्स (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर स्टुअर्ट ब्रॉड ने कहा है कि यहां होने वाले तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल के लिए मुसीबत बन सकते हैं। इसका कारण है कि आर्चर के खिलाफ टेस्ट में शुभमन सफल नहीं रहे है। शुभमन ने इस सीरीज के पहले दोनो ही मैचों में शतक लगाये हैं। इससे ये सीरीज 1-1 से बराबरी पर है। शुमभन अब तक वह सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। हालांकि ब्रॉड और जोस बटलर का मानना है कि जोफ्रा के खिलाफ उनके लिए रन बनाना आसान नहीं रहेगा।

भारतीय कप्तान ने एजबेस्टन टेस्ट में दोहरा शतक भी लगाया थाहै। इंग्लैंड के गेंदबाज उन्हें बड़ी मुश्किल से आउट कर पाये हैं। उन्होंने सीरीज के शुरुआती दो मैचों की चार पारियों में 146.25 के औसत से 585 रन बनाए हैं। ब्रॉड और बटलर ने तीसरे मैच में आर्चर के संभावित प्रभाव पर बात करते हुए कहा कहा, वह बस शानदार फॉर्म में थे। ऐसा नहीं लग रहा था कि उन्हें कुछ दिक्कत हो सकती है। उनसे कुछ गलत नहीं किया। विराट कोहली के संन्यास लेने के बाद से, वह नंबर चार पर आ गए हैं और शतक, एक बड़ा दोहरा शतक, एक बड़ा 150 रन बना चुके हैं बस कमाल है। ऐसा लगता है कि उनकी कोई कमजोरी नहीं है।

वहीं जोस बटलर ने कहा, मुझे लगता है कि जो गेंद पिच होने के बाद अंदर आती है और उसमें वह बोल्ड होते हैं। जोफ्रा आर्चर लॉर्ड्स में टीम में वापसी करेंगे वह ऐसी ही गेंदें करते है। उन्होंने आईपीएल में शुभमन को बोल्ड किया था लेकिन इसके अलावा, वह एक बहुत ही बेहतरीन खिलाड़ी हैं। भारत तकनीकी रूप से कई बेहतरीन खिलाड़ी तैयार करता है।

आर्चर को बर्मिंघम में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच से पहले स्क्वॉड में शामिल किया गया था पर उन्हें अंतिम ग्यारह में जगह नहीं

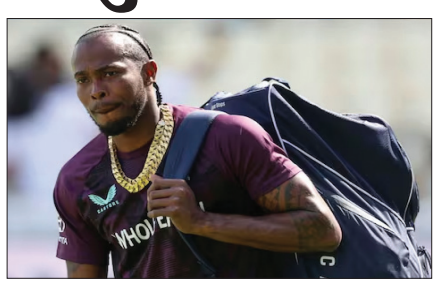

मिली थी। आर्चर चार साल बाद टेस्ट प्रारूप में खेलने के लिए उतरेंगे। उन्होंने ससेक्स के लिए एक मैच खेला है। शुभमन ने तीन पारियों में आर्चर का सामना किया है। जिसमें उन्होंने 18 रन बनाए हैं और दो बार आउट हुए हैं। आर्चर की तेजी भी भारतीय बल्लेबाजों के लिए परेशानी बन सकती है।

साल्ट का बल्ला जांच में सही पाया गया : ईसीबी

लंदन । आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) टीम में शामिल रहे फिल सॉल्ट पर इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट में बल्ले के गेज को लेकर धोखाधड़ी के आरोप लगे थे पर बाद में वह इस मामले में बरी हो गये हैं। साल्ट को वाइटैलिटी ब्लास्ट में नॉर्थैम्पटनशायर स्टीलबैक्स के खिलाफ लंकाशायर लाइटनिंग के मैच में लक्ष्य का पीछा करते समय पहले ओवर में ही सवाल उठे थे। तब अंपायर ने सॉल्ट के

बल्ले का आकार मापने के लिए बैट-गेज की जांच की थी। यह एक नियमित प्रक्रिया है, जिससे यह तय किया जाता है कि बल्ला निर्धारित मापदंडों के अंदर बना है या नहीं पर उस समय उनका बल्ला बल्ला-गेज से नहीं गुजर पाया और उसे टेस्ट में असफल घोषित कर दिया गया। पहली बार में टेस्ट में फेल होने के बाद सॉल्ट के बल्ले का गेज मैच के बाद भी देखा गया। इस दौरान उनका बल्ला जांच में पास हो गया। इसके बाद भी अंपायर्स ने बल्ले को आगे की जांच के लिए भेज दिया। लंकाशायर काउंटी क्रिकेट क्लब ने कहा है कि बल्ला उसमें भी सही पाया गया है। ऐस में इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के एंटी-करप्शन कोड के किसी भी उल्लंघन से भी इस क्रिकेटर को दोषमुक्त कर दिया गया। सॉल्ट का कहना था कि वह पिछले दो साल से यही बल्ला इंग्लैंड, लंकाशायर और आईपीएल में इस्तेमाल करते रहे है और इस पर किसी ने भी कभी कोई आपत्ति नहीं उठाई गई थी।

पहलवान सुशील कुमार ने रेलवे में अपनी ड्यूटी फिर से शुरू की, 2021 से हत्या के आरोप में जेल में थे

कोलकाता (एजेंसी)। नई दिल्ली = दो बार के ओलंपिक पदक विजेता पहलवान सुशील कुमार ने एक हाई-प्रोफाइल हत्या मामले में जमानत मिलने के बाद आधिकारिक तौर पर उत्तर रेलवे में अपनी ड्यूटी फिर से शुरू कर दी है। कभी भारतीय कुश्ती का चेहरा माने जाने वाले इस प्रतिष्ठित एथलीट ने इस हफ्ते की शुरुआत में रेलवे कार्यालय में रिपोर्ट की जो अदालतों से प्रशासनिक कार्यों की ओर एक उल्लेखनीय बदलाव का संकेत है।

सुशील साथी पहलवान सागर धनखड़ की हत्या के सिलसिले में 2021 से न्यायिक हिरासत में थे। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मार्च की शुरूआत में मुकदमे की प्रक्रिया में लंबी देरी का हवाला देते हुए उन्हें जमानत दी थी। हालांकि जाच अभी भी जारी है और उनकी कानूनी लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है, लेकिन जमानत ने उन्हें सार्वजनिक क्षेत्र में अपनी स्थिति फिर से हासिल करने का मौका दिया है।

रेलवे सूत्रों ने के मुताबिक वर्तमान में उत्तर रेलवे में वरिष्ठ वाणिज्यिक प्रबंधक के पद पर नियुक्त कुमार औपचारिक पोशाक में ड्यूटी पर आए और मीडिया की बढ़ती दिलचस्पी के बीच कम प्रोफाइल बनाए रखी। अधिकारियों ने उनकी बहाली की पुष्टि करते हुए कहा कि यह प्रक्रिया सेवा नियमों के अनुसार की गई। उनकी वापसी पर जनता की प्रतिक्रिया मिली-जुली रही है। जहां कुछ लोगों ने हत्या के एक मामले में आरोपी व्यक्ति की बहाली की आलोचना की है, वहीं कुछ का तर्क है कि दोषी साबित होने तक सुशील निर्दोष हैं और अपनी पेशेवर जिम्मेदारियां फिर से शुरू करने के हकदार हैं।

कभी राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने वाले कुमार का ओलंपिक पोडियम (बीजिंग 2008 में कांस्य और लंदन 2012 में रजत) से लेकर हत्या के आरोपी बनने तक का सफर पूरे देश को स्तब्ध कर गया है। फिलहाल यह कुश्ती स्टार चुपचाप अपनी सामान्य जिंदगी में लौटने पर ध्यान केंद्रित करता दिख रहा है। हालांकि अदालती कार्यवाही अभी भी जारी है और इस मामले का साया उनकी वापसी की कोशिशों पर मंडरा रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अंधकार से प्रकाश का पर्व

गुरू पूर्णिमा

आषाढ़ मास की पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा कहते हैं। हिंदू धर्म में इस पूर्णिमा का विशेष महत्व है। धर्म ग्रंथों के अनुसार इस दिन भगवान विष्णु के अवतार वेद व्यासजी का जन्म हुआ था। इन्होंने महाभारत आदि कई महान ग्रंथों की रचना की। कौरव, पाण्डव आदि सभी इन्हें गुरु मानते थे इसलिए आषाढ़ मास की पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा व व्यास पूर्णिमा कहा जाता है। इस दिन गुरु की पूजा कर सम्मान करने की परंपरा प्रचलित है। हिंदू धर्म में गुरु को भगवान से भी श्रेष्ठ माना गया है क्योंकि गुरु ही अपने शिष्यों को सद्मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है तथा जीवन की कठिनाइयों का सामना करने के लिए तैयार करता है। गुरु पूर्णिमा अर्थात सद्गुरु के पूजन का पर्व। गुरु की पूजा, गुरु का आदर किसी व्यक्ति की पूजा नहीं है अपितु गुरु के देह के अंदर जो विदेही आत्मा है, परब्रह्म परमात्मा है उसका आदर है, ज्ञान का आदर है, ज्ञान का पूजन है, ब्रह्मज्ञान का पूजन है।

अगर हम प्राचीन ग्रंथो और शास्त्रों का अध्ययन करें तो, आज भी हमें गुरु महिमा का मार्मिक वर्णन मिलता है। मुलतः गुरु शब्द दो अक्षरों का मिलाकर बनाया गया है गु और रु। गु का अर्थ अंधकार और रु का अर्थ अंधकार का हटाने वाला बताया गया है। गुरु को गुरु इसलिए कहा जाता है कि वह अज्ञान तिमिर का ज्ञानांजन-शलाका से निवारण कर देता है, अर्थात अंधकार को हटाकर प्रकाश की ओर ले जाने वाले को गुरु कहा जाता है। गुरु वह है जो अज्ञान का निराकरण कर, धर्म का मार्ग दिखाता है। गुरु तथा देवता में समानता के लिए एक श्लोक में कहा गया है कि जैसी भक्ति की आवश्यकता देवता के लिए है वैसी ही गुरु के लिए भी। बल्कि सद्गुरु की कृपा से ईश्वर का साक्षात्कार भी संभव है। गुरु की कृपा के अभाव में कुछ भी संभव नहीं है।

भारत भर में गुरू पूर्णिमा का पर्व बड़ी श्रद्धा व धूमधाम से मनाया जाता है। प्राचीन काल में जब विद्यार्थी गुरु के आश्रम में निःशुल्क शिक्षा ग्रहण करता था तो इसी दिन श्रद्धा भाव से प्रेरित होकर अपने गुरु का पूजन करके उन्हें अपनी शक्ति सामर्थ्यानुसार दक्षिणा देकर कृतकृत्य होता था। आज भी इसका महत्व कम नहीं हुआ है। पारंपरिक रूप से शिक्षा देने वाले विद्यालयों में, संगीत और कला के विद्यार्थियों में आज भी यह दिन गुरू को सम्मानित करने का होता है। मंदिरों में पूजा होती है, पवित्र नदियों में स्नान होते हैं, जगह जगह भंडारे होते हैं और मेले लगते हैं।

गुरू पूर्णिमा की महिमा आषाढ़ मास की पूर्णिमा से जुडी हैं। शास्त्रों में गुरु पूजा का विधान आषाढ़ मास की पूर्णिमा को ही है। गुरू पूर्णिमा वर्षा ऋतु के आरंभ में आती है। इस दिन से चार महीने तक परिव्राजक साधु-संत एक ही स्थान पर रहकर चारो तरफ ज्ञान की गंगा बहाते हैं। ये चार महीने मौसम की दृष्टि से सर्वोत्तम सर्वश्रेष्ठ होते हैं। न ज्यादा गर्मी और न ज्यादा सर्दी, चारो तरफ हरियाली और वर्षा की छोटी छोटी बुंदों का चारो तरफ आनंद ही आनंद रहता है। इसलिए ये महिने अध्ययन के लिए सर्वोत्तम माने गए हैं। जैसे सूर्य के ताप से तप्त भूमि को वर्षा से शीतलता एवं फसल पैदा करने की शक्ति मिलती है, ऐसे ही गुरुचरण में उपस्थित साधकों को ज्ञान, शांति, भक्ति और योग शक्ति प्राप्त करने की शक्ति मिलती है। इस दिन केवल गुरु की ही नहीं अपितु कुटुम्ब में अपने से जो बड़ा है अर्थात माता-पिता, भाई-बहन आदि को भी गुरुतुल्य समझना चाहिए। संसार की संपूर्ण विद्याएं गुरु की कृपा से ही प्राप्त होती हैं और गुरु के आशीर्वाद से ही दी हुई विद्या सिद्ध और सफल होती है। इस पर्व को श्रद्धापूर्वक मनाना चाहिए, अंधविश्वासों के आधार पर नहीं। गुरु पूजन का मन्त्र है -

गुरु ब्रह्मा गुरुर्विष्णु- गुरुदेव महेश्वर। गुरु साक्षात्परब्रह्म तस्मैश्री गुरुवे नम।।

अर्थात- गुरु ही ब्रह्मा है, गुरु ही विष्णु है और गुरु ही भगवान शंकर है। गुरु ही साक्षात परब्रह्म है। ऐसे गुरु को मैं प्रणाम करता हूं।

अपनी महत्ता के कारण गुरु को ईश्वर से भी ऊँचा पद दिया गया है। शास्त्र वाक्य में ही गुरु को ही ईश्वर के विभिन्न रूपों ब्रह्मा, विष्णु एवं महेश्वर के रूप में स्वीकार किया गया है। गुरु को ब्रह्मा कहा गया क्योंकि वह शिष्य को बनाता है नव जन्म देता है। गुरु, विष्णु भी है क्योंकि वह शिष्य की रक्षा करता है गुरु, साक्षात महेश्वर भी है क्योंकि वह शिष्य के सभी दोषों का संहार भी करता है। वैसे तो गुरु तत्व की प्रशंसा सभी शास्त्रों में की गई है। ऐसा माना जाता है कि, ईश्वर के अस्तित्व में मतभेद हो सकता है, किन्तु गुरु के लिए कोई भी प्रकार का मतभेद आज तक उत्पन्न नहीं हो सका है। सभी धर्मों में गुरु को सर्वश्रेष्ठ माना गया है। आदर सम्मान के दृष्टीकोण से हर गुरु ने दूसरे गुरुओं को आदर सम्मान एवं पूजा सहित सम्पुर्ण मान दिया है। भारत के बहुसम्प्रदाय धर्म तो केवल गुरुवाणी के आधार पर ही कायम हैं। गुरु ने जो नियम बताए हैं उन नियमों का श्रद्धा से पालन करना और उन्ही नियमों पर चलना संप्रदाय के शिष्य का परम कर्तव्य और धर्म है। गुरु का कार्य सिर्फ उनके शिष्यों को उचित शिक्षा प्रदान करवाना ही नही बल्कि नैतिक, आध्यात्मिक, सामाजिक एवं राजनीतिक समस्याओं को हल करना भी है।

गुरु की भूमिका भारत में केवल सिर्फ आध्यात्म या धार्मिकता तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि देश पर राजनीतिक विपदा आने पर गुरु ने देश को समय पर उचित सलाह देकर, इस देश को विपदा से उबारा भी है। अर्थात अनादिकाल से ही गुरु का शिष्य का हर क्षेत्र में मार्गदर्शित योगदान रहा है। अतः सद्गुरु की इसी महिमा के कारण उनका व्यक्तित्व हमेशा माता-पिता से ऊपर रहा है। गुरु तथा देवता में समानता के लिए एक श्लोक के अनुसार यस्य देवे परा भक्तिर्यथा देवे तथा गुरु अर्थात जैसी भक्ति की आवश्यकता देवता के लिए है वैसी ही गुरु के लिए भी होनी चाहिए। बल्कि सद्गुरु की कृपा से ईश्वर का साक्षात्कार भी संभव है। गुरु की कृपा के अभाव में कुछ भी संभव नहीं है।

संत कबीर ने यहाँ तक कहा है कि, भगवान के रूठने पर गुरू की शरण हमारी रक्षा कर सकती है किंतु गुरू के रूठने पर कहीं भी शरण मिलना असम्भव है। जिसे ब्राह्मणों ने आचार्य, बौद्धों ने कल्याणमित्र, जैनों ने तीर्थंकर और मुनि, नाथों तथा वैष्णव संतों और बौद्ध सिद्धों ने उपास्य सद्गुरु कहा है। उस श्री गुरू से उपनिषद् की तीनों अग्नियाँ भी थर-थर काँपती हैं। त्रोलोक्यपति भी गुरू का गुणनान करते है। ऐसे गुरू के रूठने पर कहीं भी ठौर ठीकान नहीं मिल सकता है। सद्गुरु की महिमा बहुत अपरंपार है। उन्होंने शिष्य पर अनंत उपकार किए है। उसने विषय वासनाओं से बंद शिष्य की बंद आँखों को ज्ञानचक्षु द्वारा खोलकर उसे शांत ही नहीं बल्कि अनंत तत्व ब्रह्म का दर्शन भी कराया है। अतः सद्गुरु की महिमा तो ब्रह्मा, विष्णु और महेश भी गाते है, इनके सामने हम जैसे मनुष्य की बिसात क्या। इसी के साथ दुनिया के समस्त गुरुओं को मेरा नमन।

गुरु पूर्णिमा का महत्व

गुरु पूर्णिमा / व्यास पूर्णिमा / मुड़िया पूनों आषाढ़ मास की पूर्णिमा को कहा जाता है। इस दिन गोवर्धन पर्वत की लाखों श्रद्धालु परिक्रमा देते हैं। बंगाली साधु सिर मुंडाकर परिक्रमा करते हैं क्योंकि आज के दिन सनातन गोस्वामी का तिरोभाव हुआ था। ब्रज में इसे मुड़िया पूनों कहा जाता है। आज का दिन गुरुङ्गपूजा का दिन होता है। इस दिन गुरु की पूजा की जाती है। पूरे भारत में यह पर्व बड़ी श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। वैसे तो व्यास नाम के कई विद्वान हुए हैं परंतु व्यास ऋषि जो चारों वेदों के प्रथम व्याख्याता थे, आज के दिन उनकी पूजा की जाती है। हमें वेदों का ज्ञान देने वाले व्यास जी ही थे। अतः वे हमारे आदिगुरु हुए। उनकी स्मृति को बनाए रखने के लिए हमें अपने-अपने गुरुओं को व्यास जी का अंश मानकर उनकी पूजा करनी चाहिए। प्राचीन काल में जब विद्यार्थी गुरु के आश्रम में निःशुल्क शिक्षा ग्रहण करते थे तो इसी दिन श्रद्धा भाव से प्रेरित होकर अपने गुरु की पूजा किया करते थे और उन्हें यथाशक्ति दक्षिणा अर्पण किया करते थे। इस दिन केवल गुरु की ही नहीं अपितु कुटुम्ब में अपने से जो बड़ा है अर्थात माता-पिता, भाई-बहन आदि को भी गुरुतुल्य समझना चाहिए।

वेद व्यास जयंती

गुरु पूर्णिमा जगत गुरु माने जाने वाले वेद व्यास को समर्पित है। माना जाता है कि वेदव्यास का जन्म आषाढ़ मास की पूर्णिमा को हुआ था। वेदों के सार ब्रह्मसूत्र की रचना भी वेदव्यास ने आज ही के दिन की थी। वेद व्यास ने ही वेद ऋचाओं का संकलन कर वेदों को चार भागों में बांटा था। उन्होंने ही महाभारत, 18 पुराणों व 18 उप पुराणों की रचना की थी जिनमें भागवत पुराण जैसा अतुलनीय ग्रंथ भी शामिल है। ऐसे जगत गुरु के जन्म दिवस पर गुरु पूर्णिमा मनाने की परंपरा है।

गुरुपूर्णिमा का महत्व

गुरु के प्रति नतमस्तक होकर कृतज्ञता व्यक्त करने का दिन है गुरुपूर्णिमा। गुरु के लिए पूर्णिमा से बढ़कर और कोई तिथि नहीं हो सकती। जो स्वयं में पूर्ण है, वही तो पूर्णत्व की प्राप्ति दूसरों को करा सकता है। पूर्णिमा के चंद्रमा की भांति जिसके जीवन में केवल प्रकाश है, वही तो अपने शिष्यों के अंतःकरण में ज्ञान रूपी चंद्र की किरणें बिखेर सकता है। इस दिन हमें अपने गुरुजनों के चरणों में अपनी समस्त श्रद्धा अर्पित कर अपनी कृतज्ञता ज्ञापित करनी चाहिए। गुरु कृपा असंभव को संभव बनाती है। गुरु कृपा शिष्य के हृदय में अगाध ज्ञान का संचार करती है।

गुरु की महिमा

गुरु को गोविंद से भी ऊंचा कहा गया है। शास्त्रों में गु का अर्थ बताया गया है- अंधकार या मूल अज्ञान और रु का का अर्थ किया गया है- उसका निरोधक। गुरु को गुरु इसलिए कहा जाता है कि वह अज्ञान तिमिर का ज्ञानांजन-शलाका से निवारण कर देता है। अर्थात अंधकार को हटाकर प्रकाश की ओर ले जाने वाले को 'गुरु' कहा जाता है। गुरु तथा देवता में समानता के लिए एक श्लोक में कहा गया है कि जैसी भक्ति की आवश्यकता देवता के लिए है वैसी ही गुरु के लिए भी। सद्गुरु की कृपा से ईश्वर का साक्षात्कार भी संभव है। गुरु की कृपा के अभाव में कुछ भी संभव नहीं है। 'व्यास' का शाब्दिक संपादक, वेदों का व्यास यानी विभाजन भी संपादन की श्रेणी में आता है। कथावाचक शब्द भी व्यास का पर्याय है। कथावाचन भी देश-काल-परिस्थिति के अनुरूप पौराणिक कथाओं का विश्लेषण भी संपादन है। भगवान वेदव्यास ने वेदों का संकलन किया, 18 पुराणों और उपपुराणों की रचना की। ऋषियों के बिखरे अनुभवों को समाजभोग्य बना कर व्यवस्थित किया। पंचम वेद 'महाभारत' की रचना इसी पूर्णिमा के दिन पूर्ण की और विश्व के सुप्रसिद्ध आर्ष ग्रंथ ब्रह्मसूत्र का लेखन इसी दिन आरंभ किया। तब देवताओं ने वेदव्यासजी का पूजन किया। तभी से व्यासपूर्णिमा मनायी जा रही है। ''तमसो मा ज्योतिगर्मय'' अंधकार की बजाय प्रकाश की ओर ले जाना ही गुरुत्व है। आगम-निगम-पुराण का निरंतर संपादन ही व्यास रूपी सद्गुरु शिष्य को परमपिता परमात्मा से साक्षात्कार का माध्यम है। जिससे मिलती है सारूप्य मुक्ति। तभी कहा गया- ''सा विद्या या विमुक्तये।'' आज विश्वस्तर पर जितनी भी समस्याएं दिखाई दे रही हैं, उनका मूल कारण है गुरु-शिष्य परंपरा का टूटना। श्रद्धावाल्लभते ज्ञानम। आज गुरु-शिष्य में भक्ति का अभाव गुरु का धर्म ''शिष्य को लूटना, येन केन प्रकारेण धनार्जन है'' क्योंकि धर्मभीरुता का लाभ उठाते हुए धनतृष्णा कालनेमि गुरुओं को गुरुता से पतित करता है। यही कारण है कि विद्या का लक्ष्य 'मोक्ष' न होकर धनार्जन है। ऐसे में श्रद्धा का अभाव स्वाभाविक है। अन्ततः अनाचार, अत्याचार, व्यभिचार, भ्रष्टाचारादि कदाचार बढ़ा। व्यासत्व यानी गुरुत्व अर्थात् संपादकत्व का उत्थान परमावश्यक है।

व्रत और विधान

इस दिन (गुरु पूजा के दिन) प्रातःकाल स्नान पूजा आदि नित्य कर्मों से निवृत्त होकर उत्तम और शुद्ध वस्त्र धारण कर गुरु के पास जाना चाहिए। गुरु को ऊंचे सुसज्जित आसन पर बैठाकर पुष्पमाला पहनानी चाहिए। इसके बाद वस्त्र, फल, फूल व माला अर्पण कर तथा धन भेंट करना चाहिए। इस प्रकार श्रद्धापूर्वक पूजन करने से गुरु का आशीर्वाद प्राप्त होता है। गुरु के आशीर्वाद से ही विद्यार्थी को विद्या आती है। उसके हृदय का अज्ञानता का अन्धकार दूर होता है। गुरु का आशीर्वाद ही प्राणी मात्र के लिए कल्याणकारी, ज्ञानवर्धक और मंगल करने वाला होता है। संसार की संपूर्ण विद्याएं गुरु की कृपा से ही प्राप्त होती हैं और गुरु के आशीर्वाद से ही दी हुई विद्या सिद्ध और सफल होती है। गुरु पूर्णिमा पर व्यासजी द्वारा रचे हुए ग्रंथों का अध्ययन-मनन करके उनके उपदेशों पर आचरण करना चाहिए। इस दिन केवल गुरु (शिक्षक) ही नहीं, अपितु माता-पिता, बड़े भाई-बहन आदि की भी पूजा का विधान है। इस पर्व को श्रद्धापूर्वक मनाना चाहिए, अंधविश्वासों के आधार पर नहीं।

क्या करें गुरु पूर्णिमा के दिन

प्रातः घर की सफाई, स्नानादि नित्य कर्म से निवृत्त होकर साफ-सुथरे वस्त्र धारण करके तैयार हो जाएं। घर के किसी पवित्र स्थान पर पटिए पर सफेद वस्त्र बिछाकर उस पर 12-12 रेखाएं बनाकर व्यास-पीठ बनाना चाहिए। फिर हमें गुरुपरंपरासिद्धयर्थं व्यासपूजां करिष्ये मंत्र से पूजा का संकल्प लेना चाहिए। तत्पश्चात दसों दिशाओं में अक्षत छोड़ना चाहिए। फिर व्यासजी, ब्रह्माजी, शुकदेवजी, गोविंद स्वामीजी और शंकराचार्यजी के नाम, मंत्र से पूजा का आवाहन करना चाहिए। अब अपने गुरु अथवा उनके चित्र की पूजा करके उन्हें यथा योग्य दक्षिणा देना चाहिए।

आषाढ़ की पूर्णिमा को ही क्यों

आषाढ़ पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा के रूप में मानने का क्या राज़ है? धर्म जीवन को देखने का काव्यात्मक ढंग है। सारा धर्म एक महाकाव्य है। अगर यह तुम्हें खयाल में आए, तो आषाढ़ की पूर्णिमा बड़ी अर्थपूर्ण हो जाएगी। अन्यथा आषाढ़ में पूर्णिमा दिखाई भी न पड़ेगी। बादल घिरे होंगे, आकाश खुला न होगा। और भी प्यारी पूर्णिमाएं हैं, शरद पूर्णिमा है, उसको क्यों नहीं चुन लिया? लेकिन चुनने वालों का कोई खयाल है, कोई इशारा है। वह यह है कि गुरु तो है पूर्णिमा जैसा, और शिष्य है आषाढ़ जैसा। शरद पूर्णिमा का चांद तो सुंदर होता है, क्योंकि आकाश खाली है। वहां शिष्य है ही नहीं, गुरु अकेला है। आषाढ़ में सुंदर हो, तभी कुछ बात है, जहां गुरु बादलों जैसा घिरा हो शिष्यों से। शिष्य सब तरह के हैं, जन्मों-जन्मों के अंधेरे को लेकर आ छाए हैं। वे अंधेरे बादल हैं, आषाढ़ का मौसम हैं। उसमें भी गुरु चांद की तरह चमक सके, उस अंधेरे से घिरे वातावरण में भी रोशनी पैदा कर सके, तो ही गुरु है। इसलिए आषाढ़ की पूर्णिमा! वह गुरु की तरफ भी इशारा है और उसमें शिष्य की तरफ भी इशारा है। और स्वभावतः दोनों का मिलन जहां हो, वहीं कोई सार्थकता है।

गुरुदेव हमारे कर्मों के दाता

चारों वेदों के व्याख्याता गुरु व्यास थे. हमें वेदों का दान देने वाले व्यास जी ही हैं. इसलिए वो हमारे आदि गुरु हुए. गुरु पूर्णिमा के दिन ही ऋषि व्यास का भी जन्मदिन मनाया जाता है. उन की स्मृति को ताजा रखने के लिए हमें अपने गुरु को व्यास जी का ही अंश मान कर सम्मानपूर्वक उन की पूजा करनी चाहिए. गुरु की कृपा से ही विद्या की प्राप्ति होती है.

गुरु के महत्व को हमारे सभी संतो, ऋषियों एवं महान विभूतियों ने उध स्थान दिया है. संस्कृत में गु का अर्थ होता है अंधकार (अज्ञान)एवं रु का अर्थ होता है प्रकाश (ज्ञान)। गुरु हमें अज्ञान रूपी अंधकार से ज्ञान रूपी प्रकाश की ओर ले जाते हैं.

हमारे जीवन के प्रथम गुरु हमारे माता-पिता होते हैं. जो हमारा पालन-पोषण करते हैं, सांसारिक दुनिया में हमें प्रथम बार बोलना, चलना तथा शुरुआती आवश्यकताओं को सिखाते हैं. अतः माता-पिता का स्थान सर्वोपरि है. जीवन का विकास सुचारू रूप से चलता रहे, उसके लिए हमें गुरु की आवश्यकता होती है. भावी जीवन का निर्माण गुरू द्वारा ही होता है.

मानव मन में व्याप्त बुराई रूपी विष को दूर करने में गुरु का विशेष योगदान है. महर्षि वाल्मीकि जिनका पूर्व नाम रत्नाकर था. वे अपने परिवार कापालन पोषण करने हेतु दस्युकर्म करते थे. महर्षि वाल्मीकि जी ने रामायण जैसे महाकाव्य की रचना की, ये तभी संभव हो सका, जब गुरू रूपी नारद जी ने उनका हृदय परिवर्तित किया. मित्रों, पंचतंत्र की कथाएं हम सब ने सुनी है. नीति कुशल गुरू विष्णु शर्मा ने किस तरह राजा अमरशक्ति के तीनों अज्ञानी पुत्रों को कहानियों एवं अन्य माध्यमों से उन्हें ज्ञानी बना दिया.

गुरु शिष्य का संबंध सेतु के समान होता है. गुरू की कृपा से शिष्य के लक्ष्य का मार्ग आसान होता है.

स्वामी विवेकानंद जी को बचपन से परमात्मा को पाने की चाह थी. उनकी ये इच्छा तभी पूरी हो सकी, जब उनको गुरु परमहंस का आशीर्वाद मिला. गुरु की कृपा से ही आत्म साक्षात्कार हो सका. छत्रपति शिवाजी पर अपने गुरु समर्थ गुरु रामदास का प्रभाव हमेशा रहा.

गुरु द्वारा कहा एक शब्द या उनकी छवि मानव की कायापलट सकती है. कबीर दास जी का अपने गुरु के प्रति जो समर्पण था, उसको स्पष्ट करना आवश्यक है क्योंकि गुरु के महत्व को सबसे ज्यादा कबीर दास जी के दोहों में देखा जा सकता है. एक बार रामानंद जी गंगा स्नान को जा रहे थे, सीढी उतरते समय उनका पैर कबीर दास जी के शरीर पर पड गया. रामानंद जी के मुख से राम-राम शब्द निकल पडा. उसी शब्द को कबीर दास जी ने दीक्षा मंत्र मान लिया और रामानंद जी को अपने गुरु के रूप में स्वीकार कर लिया. ये कहना अतिश्योक्ति न होगा कि जीवन में गुरु के महत्व का वर्णन कबीर दास जी ने अपने दोहों में पूरी आत्मियता से किया है.

गुरू गोविंद दोऊ खडे काके लागू पांव
बलिहारी गुरु आपने गोविन्द दियो बताय.

गुरू का स्थान ईश्वर से भी श्रेष्ठ है. हमारे सभ्य सामाजिक जीवन का आधार स्तभ गुरू हैं। कई ऐसे गुरू हुए हैं, जिन्होने अपने शिष्य को इस तरह शिक्षित किया कि उनके शिष्यों ने राष्ट्र की धारा को ही बदल दिया। आचार्य चाणक्य ऐसी महान विभूती थे, जिन्होंने अपनी विद्वत्ता और क्षमताओं के बल पर भारतीय इतिहास की धारा को बदल दिया। गुरू चाणक्य कुशल राजनितिज्ञ एवं प्रकांड अर्थशास्त्री के रूप में विश्व विख्यात हैं। उन्होने अपने वीर शिष्य चन्द्रगुप्त मौर्य को शासक पद पर सिहांसनारूढ करके अपनी जिस विलक्षण प्रतिभा का परिचय दिया उससे समस्त विश्व परिचित है। गुरु हमारे अंतर मन को आहत किये बिना हमें सभ्य जीवन जीने योग्य बनाते हैं। दुनिया को देखने का नजरिया गुरू की कृपा से मिलता है। पुरातन काल से चली आ रही गुरु महिमा को शब्दों में लिखा ही नही जा सकता। संत कबीर भी कहते हैं कि

सब धरती कागज करू, लेखनी सब वनराज।
सात समुंद्र की मसि करु, गुरु गुंण लिखा न जाए॥

गुरु पूर्णिमा के पर्व पर अपने गुरु को सिर्फ याद करने का प्रयास है। गुरू की महिमा बताना तो सूरज को दीपक दिखाने के समान है। गुरु की कृपा हम सब को प्राप्त हो। अंत में कबीर दास जी के निम्न दोहे से अपनी कलम को विराम देते हैं।

यह तन विष की बेलरी, गुरु अमृत की खान।
शीश दियो जो गुरु मिले, तो भी सस्ता जान॥

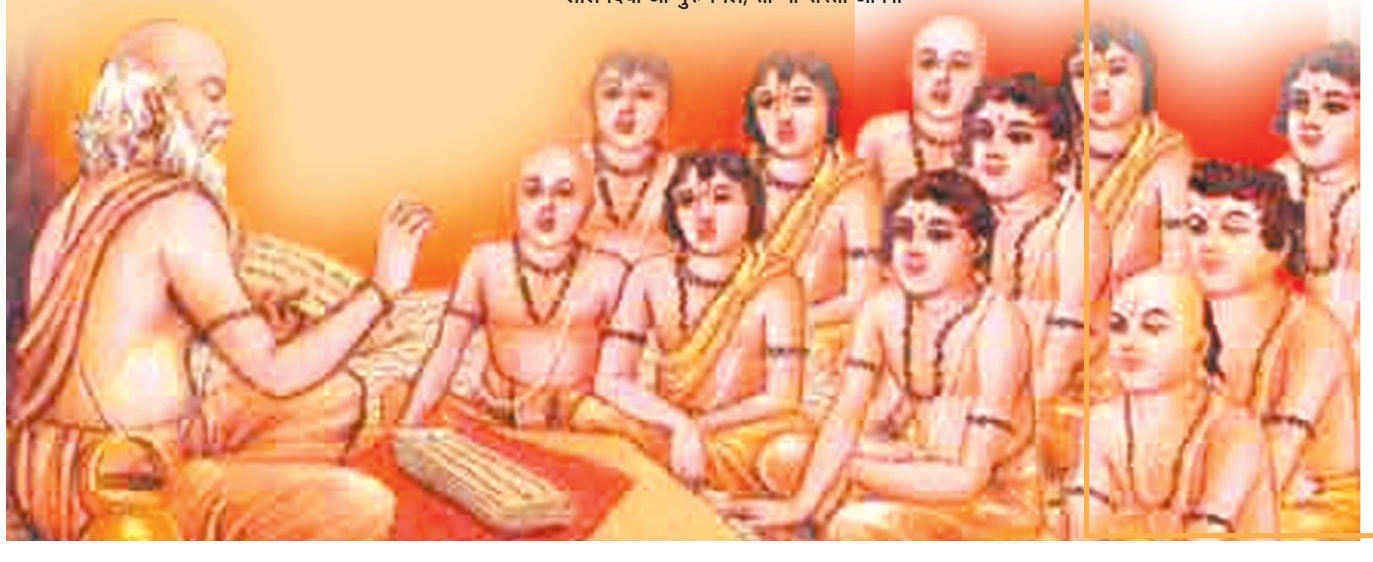

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमेरिका एफ-47 और एसयू-57 फाइटर जेट में बेहतर कौन....जाने रिपोर्ट में

नई दिल्ली।

रूस और अमेरिका फिर उन्नत फाइटर जेट्स के द्वारा हवाई प्रभुत्व में अपना-अपना दबदबा कायम रखना चाहते हैं। जहां रूस अपने एसयू-57 फाइटर जेट को अपग्रेड कर रहा है, वहीं अमेरिका एफ-47 नाम के अगली पीढ़ी के जेट को तैयार कर रहा है। दोनों विमान 2030 तक पूरी तरह ऑपरेशन हो सकते हैं।

दोनों जेट्स में एआई आधारित फ्लाइट असिस्टेंस शामिल है।

एसयू-57 में एआई खतरे की पहचान, रणनीति और रीयल-टाइम सुझाव देता है। एफ-47 एआई के ज़रिए स्वायत्त निर्णय, डेटा फ्यूजन, और मानवरहित ड्रोन्स के साथ सामूहिक मिशन भी संभव बनाएगा।

स्टील्थ और स्पीड- क्या है अंतर

एसयू-57- रडार से बचने की क्षमता को अपग्रेड किया जा रहा है, लेकिन इसकी डिज़ाइन अभी भी पारंपरिक फ्रेम के करीब है।

एफ-47- पूरी तरह से स्टील्थ को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है, जिससे यह गहरे दुश्मन क्षेत्र में भी सुरक्षित ऑपरेट कर सकता है।

हथियार क्षमता- हाइपरसोनिक बनाम मल्टी-रोल

एसयू-57 में 5+ मैक स्पीड वाली हाइपरसोनिक मिसाइलें प्रमुख हथियार होंगी।

एफ-47 भी हाई-स्पीड और सटीकता वाली मिसाइलों से लैस होगा, पर इसके साथ इलेक्ट्रॉनिक और साइबर युद्ध क्षमता भी अधिक होगी।

तकनीकी दृष्टि से- एफ-47 अधिक एडवांस्ड प्रतीत होता है, विशेषकर नेटवर्केड वॉरफेयर और वैश्विक इंटीग्रेशन में अमेरिका की लॉजिस्टिक क्षमता, नाटो सहयोग और फंडिंग इस बढ़त देते हैं। वहीं एसयू-57 को रूस की आर्थिक और अंतरराष्ट्रीय स्थितियों से जूझना पड़ सकता है।

2030 तक की तस्वीर स्पष्ट नहीं है, लेकिन एक बात तय है कि एफ-47 और एसयू-57 की यह टक्कर भविष्य की हवाई लड़ाइयों की दिशा तय करेगी। यदि रूस तकनीकी सुधारों को समय पर पूरा करता है और उत्पादन बढ़ाता है, तब एसयू-57 मुकाबले में बना

रहेगा। लेकिन अमेरिका की वैश्विक पकड़ और तकनीकी बढ़त के चलते एफ-47 को फिलहाल आगे माना जा सकता है।

दिल्ली जा रहे इंडिगो के विमान से पक्षी टकराया.....आसमान में अटकी 175 यात्रियों की सांसें

पटना।

पटना से 175 यात्रियों को लेकर दिल्ली जा रहे इंडिगो के विमान से पक्षी टकरा गया है। इस घटना के बाद विमान के इंजन में तकनीकी खराबी आई। बुधवार को जब ये हादसा हुआ तब विमान में कुल 175 यात्री सवार थे। इसके बाद घटना की गंभीरता को देखकर विमान को वापस लौटाकर पटना ले जाया गया है। इस कारण देश में एक और विमान हादसा टल गया। रिपोर्ट के मुताबिक, पटना से दिल्ली जा रहे इंडिगो के विमान में बुधवार को सुबह उड़ान भरने के तुरंत बाद ही तकनीकी खराबी की समस्या सामने आई। इसके बाद विमान को फौरान वापस पटना के जयप्रकाश नारायण अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा गया। एयरपोर्ट के अधिकारियों ने बताया कि पक्षी टकराने के कारण विमान के एक इंजन में तकनीकी खराबी आ गई थी। पटना हवाई अड्डे की ओर से घटना को लेकर बयान में कहा गया है कि पटना से दिल्ली जाने वाले विमान के टेकऑफ करने के तुरंत बाद सुबह 8 बजकर 42 मिनट पर विमान के पक्षी टकराने की सूचना सामने आई। जांच के दौरान रनवे पर टुकड़ों में एक मृत पक्षी मिला। एप्रोच कंट्रोल यूनिट के माध्यम से विमान को भी इसकी सूचना दी गई। एप्रोच कंट्रोल यूनिट से संदेश मिला कि एक इंजन में कंपन के कारण विमान को पटना वापस आने का अनुरोध किया गया था। स्थानीय स्टैंड-बाय घोषित किया गया और विमान भारतीय समयानुसार सुबह 9-03 बजे रनवे 7 पर सुरक्षित रूप से उतर गया।

मुख्य न्यायाधीश को 6 महीने तक सरकारी बंगले में रहने की अनुमति

नई दिल्ली।

अपने रिटायरमेंट के बाद भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने अब तक सरकारी आवास खाली नहीं किया था, लेकिन अब बताया जा रहा है कि उन्होंने यह आवास छोड़ना शुरू कर दिया है। इस मुद्दे ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या देश के सबसे ऊंचे न्यायिक पद पर रहने वाले व्यक्ति को रिटायरमेंट के बाद कोई स्थायी आवास या विशेष सुविधा मिलती है, जैसी कि पूर्व राष्ट्रपति को दी जाती है। इस सवाल का सीधा जवाब है - नहीं। भारत के मुख्य न्यायाधीश को सेवा समाप्ति के बाद स्थायी सरकारी आवास की सुविधा नहीं मिलती। नियमों के अनुसार, रिटायरमेंट के बाद किसी भी मुख्य न्यायाधीश को अधिकतम छह महीने तक सरकारी बंगले में रहने की अनुमति होती है। आमतौर पर यह टाइप- वीआईआई श्रेणी का आवास होता है। कुछ विशेष परिस्थितियों में यदि वर्तमान मुख्य न्यायाधीश या सुप्रीम कोर्ट प्रशासन की अनुमति हो तो यह अवधि थोड़े समय के लिए बढ़ाई जा सकती है।

चंद्रचूड़ को पारिवारिक कारणों से कुछ अतिरिक्त समय दिया गया था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट प्रशासन ने अब स्पष्ट कर दिया है कि अब और विस्तार नहीं दिया जा सकता, और उन्हें तुरंत आवास खाली करना होगा। रिटायरमेंट के बाद पूर्व मुख्य न्यायाधीश को अपने निजी घर में ही रहना होता है। यदि उनके पास कोई निजी घर उपलब्ध नहीं है, जैसा कि चंद्रचूड़ के मामले में बताया गया, तो उन्हें वैकल्पिक व्यवस्था करनी पड़ती है। उनके अनुसार, उनके परिवार की विशेष परिस्थितियों और बेटियों की देखभाल की जरूरत के कारण उन्हें आवास की व्यवस्था में समय लग रहा था। नियमों के मुताबिक, छह महीने तक पूर्व मुख्य न्यायाधीश सरकारी बंगले में बिना किराया दिए रह सकते हैं, केवल मामूली लाइसेंस फीस देनी होती है।

भारत बंद का सबसे ज्यादा असर पश्चिम बंगाल में दिखाई दिया, वामपंथी दलों ने संभाला मोर्चा

कोलकाता।

देशभर में 9 जुलाई को अलग-अलग सरकारी क्षेत्रों के 25 करोड़ से अधिक कर्मचारी राष्ट्रव्यापी हड़ताल कर रहे। हड़ताल कर रहे कर्मचारियों ने भारत बंद का आह्वान किया है। भारत बंद से देश में सार्वजनिक सेवाओं में बड़ी दिक्कतें आई है। इस कारण कामकाज सहित लोगों के आवागमन और बैंकिंग कार्यों पर बड़ा असर दिखा है। इस बीच देशभर में भारत बंद का असर भी दिखने लगा है। इसका असर सबसे ज्यादा पश्चिम बंगाल में दिखाई दे रहा है। यहां सिलीगुड़ी में सरकारी बसों का परिचालन प्रभावित हुआ है। इसके अलावा वामपंथी दलों के संगठनों ने कोलकाता के जाधवपुर में पैदल मार्च निकालकर भारत बंद में हिस्सा लिया। जाधवपुर में एक बस ड्राइवर ने कहा, ये लोग सही बात कह रहे हैं (भारत बंद का जिक्र करते हुए), लेकिन हमें अपना काम करना है। हम मजदूर हैं, इसलिए हम बंद का समर्थन करते हैं। हम लोगों ने हेलमेट इसलिए पहना है ताकि कुछ होने पर हम सुरक्षित रहें। बता दें कि जाधवपुर में बस स्टैंड के पास भारी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया है। साथ ही बस चालकों ने सुरक्षा के लिहाज से हेलमेट पहन रखा है। बता दें कि भारत बंद के बावजूद जाधवपुर में निजी और सरकारी बसें चलाई जा रही हैं।

जाधवपुर में पुलिस की तैनाती को बढ़ा दिया गया है। बावजूद इसके वामपंथी दलों के यूनियन के सदस्य जाधवपुर रेलवे स्टेशन में घुस गए और केंद्र सरकार की कॉर्पोरेट समर्थक नीतियों के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराने के लिए रेलवे ट्रैक जाम कर दिया। कुछ जगहों में छोटी-मोटी आगजनी भी हुई है। हालांकि हालात अभी काबू में हैं।

मतदाता सूची विवाद के चलते बिहार जैसा मॉडल पूरे देश में लागू करेगा आयोग

नई दिल्ली।

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची की जांच पड़ताल चल रही है है। इसको लेकर कुछ सवाल भी खड़े हुए हैं और विपक्ष का आरोप है कि इसमें लाखों मतदाता अपने मताधिकार से वंचित हो जाएंगे।

ये विवाद खत्म होता इससे पहले सूत्रों के हवाले से खबरें आ रहीं है कि विशेष गहन पुनरीक्षण (सर) प्रक्रिया यानी बिहार वाला मॉडल पूरे देश में लागू होगा।

चुनाव आयोग के सूत्रों के अनुसार सर को पूरे देश में चरणबद्ध तरीके से लागू करने की योजना है। इसके ऑर्डर के पैरा 10 के तहत यह प्रक्रिया शुरू की गई है, जिसमें बिहार के बाद अन्य राज्यों में इसे लागू करने का निर्णय आयोग उचित समय पर लेगा।बिहार में इसकी शुरुआत इसलिए हुई क्योंकि यहां चुनाव पहले हुए थे, लेकिन अब आयोग का ध्यान देश के अन्य राज्यों पर है। इसमें पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी जैसे आगामी चुनावी राज्य भी शामिल हैं। चुनाव आयोग के सूत्रों के अनुसार अभी यह तय नहीं है कि सर को पूरे देश में एक साथ लागू किया जाए या चुनावों के करीब आने के साथ-साथ चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाए। इस पर आगामी समय में फैसला लिया जाएगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने हाल ही में कहा था कि 'शुद्ध मतदाता सूची' लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिए अनिवार्य हैं।

उनका यह बयान सर प्रक्रिया के पीछे की मंशा को दर्शाता है, जिसका उद्देश्य मतदाता सूची से नकली और दोहराए गए नामों को हटाकर चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी बनाना है।

हालांकि, यह फैसला विपक्षी दलों के लिए नई चुनौती बन सकता है। बिहार में स्ट्रक्लागू होने के बाद आरजेडी और अन्य विपक्षी दलों ने इसे मतदाताओं के नाम काटने की साजिश करार दिया है। इसको लेकर बुधवार को बिहार बंद का आह्वान किया गया है। आरजेडी सांसद मनोज झा ने हाल ही में चुनाव आयोग पर राजनीतिक दबाव में काम करने का आरोप लगाया था, जिसके जवाब में आयोग ने उनके दावों को भ्रामक बताया।

विपक्ष का तर्क है कि सर

पीएम मोदी ने विदेशी नेताओं को राम मंदिर की प्रतिकृति, मधुबनी पेंटिंग की गिफ्ट

नई दिल्ली।

पीएम मोदी ने त्रिनिदाद और टोबैगो के पीएम को भारत की आध्यात्मिक विरासत और सांस्कृतिक प्रतीकों के अनमोल उपहार प्रदान किए। पीएम ने त्रिनिदाद एंड टोबैगो की पीएम कमला प्रसाद बिसेसर को अयोध्या में निर्माणाधीन श्रीराम मंदिर की चांदी से बनी भव्य प्रतिकृति और सरयू नदी के पवित्र जल से भरा कलश भेंट किया। ये दोनों उपहार भारतीय संस्कृति, धर्म और आध्यात्मिक मूल्यों का प्रतिनिधित्व करती हैं।

अयोध्या के श्रीराम मंदिर की चांदी की यह भव्य प्रतिकृति उत्तर प्रदेश के निपुण कारीगरों द्वारा तैयार की गई है, जो मंदिर की शानदार वास्तुकला और जटिल नक्काशी को खूबसूरती से प्रस्तुत करती है। यह प्रतिकृति धर्म, आस्था और दिव्य शक्ति का प्रतीक है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री मोदी ने सरयू नदी के पावन जल से भरा एक कलश भी भेंट स्वरूप दिया, जो हिंदू परंपरा में पवित्रता, कल्याण और मुक्ति का प्रतीक माना जाता है। अयोध्या से बहती सरयू नदी भगवान श्रीराम की जन्मभूमि से जुड़ी हुई है।

पीएम मोदी ने अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली को एक विशिष्ट और प्रतीकात्मक उपहार स्वरूप 'चांदी का शेर' भेंट किया। यह शेर केवल एक कलाकृति नहीं, बल्कि भारत की शौर्य, नेतृत्व और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत प्रतीक है। शुद्ध चांदी से निर्मित यह शेर राजस्थान की पारंपरिक धातु-कला और रत्न शिल्प का उत्कृष्ट उदाहरण है। इसके साथ ही, पीएम मोदी ने अर्जेंटीना की उपराष्ट्रपति विक्टोरिया विलारुएल को भारत की प्राचीन लोक कला मधुबनी पेंटिंग की एक सुंदर कृति उपहार में दी। बिहार के मिथिला क्षेत्र की यह परंपरा प्राकृतिक रंगों, मोटी रेखाओं और ज्यामितीय पैटर्न के जरिए अपनी विशिष्ट पहचान रखती है।

बारिश ने देश के कई हिस्सों में मचाई तबाही, यूपी में चार बच्चों की मौत

उत्तराखंड में फटे बादल, मध्यप्रदेश में कई बांधों के गेट खुले, नर्मदा उफान पर

नई दिल्ली।

यूपी में बुधवार को भारी बारिश का दौर जारी है। बारिश का पानी अयोध्या में घरों में भर गया। प्रयागराज में बारिश के पानी में डूबने से 4 बच्चों की मौत हो गई। वाराणसी में अस्सी घाट पानी में डूब गए। इसके चलते गंगा आरती का स्थान बदला गया है।

वहीं मध्य प्रदेश में नर्मदा उफान पर है। मंडला, डिंडौरी, श्योपुर, शहडोल, उमरिया जिले बाढ़ की चपेट में हैं। छतरपुर के बान सुजारा डैम के 12 गेट खोले दिए गए। दमोह में सतधरू-साजली बांध के 3-3 गेट खोले गए। वहीं जबलपुर में बरगी डैम के 17 गेट खोले गए हैं।

महाराष्ट्र के नागपुर में लगातार तेज बारिश से न्यू नरसाला इलाके में घर और गाड़ियां पानी में डूब गईं। नागपुर नगर निगम ने नाव की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया है।

उत्तराखंड में भी हालात खराब है मानसून जमकर बरस रहा है। मंगलवार को चमोली जिले के नंदप्रयाग घाट के पास मुख गांव में बादल फटने से तबाही मच गई। एसडीआरएफ ने बताया कि जनहानि की सूचना नहीं है। सर्च ऑपरेशन जारी है। अगले चार दिन राज्य के पांच जिलों में भारी बारिश हो सकती है।

वहीं मध्यप्रदेशा के नरसिंहपुर में तीन बच्चों नदी में डूब गए है। इनमें से एक का शव मिला है, दो की तलाश जारी है। तीनों मंगलवार शाम सींगरी नदी के पास डैम देखने गए थे। थाना प्रभारी ने बताया कि तीनों बच्चे शाम को घर से निकले थे। रात 9 बजे तक घर नहीं लौटे तो परिजन ने पुलिस को सूचना दी। 25 पुलिसकर्मियों ने रात से ही सर्च ऑपरेशन चलाया। देर रात 11 साल के अक्षत मेहरा का शव सींगरी नदी के निचले हिस्से में मिला। 12 साल का वासु अग्रवाल और 11 साल का कृष्णा प्रजापति अभी लापता हैं। बुधवार को रेस्क्यू ऑपरेशन जारी रहा।

मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले के बड़ामलहरा थाना क्षेत्र के बराज गांव में मंगलवार को 5 किसान और एक महिला कटान नदी और श्यामरी नदी के बीच बने टापू पर फंस गए। सूचना मिलने पर पुलिस और एनडीआरएफ टीम ने सभी को सुरक्षित निकाला।

मुंबई हमले के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा की ज्यूडिशियल कस्टडी 13 अगस्त तक बढ़ी

नई दिल्ली।

दिल्ली की एनआईए कोर्ट ने 26/11 मुंबई हमले के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा की ज्यूडिशियल कस्टडी 13 अगस्त तक बढ़ाई है।

वहीं, राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने राणा के खिलाफ सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की है। एनआईए कोर्ट 13 अगस्त को चार्जशीट पर सुनवाई करेगा।

ये जांच एजेंसी की आंतकी राणा के खिलाफ दूसरी चार्जशीट है। इसके पहले 2011 में पहली चार्जशीट दायर की गई थी। इसमें एनआईए ने राणा को डेविड हेडली और अन्य आतंकवादियों के साथ 26/11 हमले का साजिशकर्ता बताया था।

एनआईए की पूछताछ में राणा ने मुंबई हमले के समय मुंबई में होने और पाकिस्तान का एजेंट होने की बात कबूल ली है। राणा ने माना था कि हमला करने में भी मदद की थी।

तहव्वुर को अमेरिका के शिकागो में अक्टूबर 2009 में अमेरिकी एजेंसी एफबीआई ने गिरफ्तार किया था। राणा को 10 अप्रैल 2025 को स्पेशल विमान से अमेरिका से भारत लाया गया था।

इसके पहले सोमवार को सामने आया था कि 26/11 आतंकी हमले के वक्त आतंकी राणा मुंबई में था। यह बात आंतकी ने एजेंसी की पूछताछ में कबूल की। एनआईए सूत्रों के मुताबिक, राणा ने माना है कि वह पाकिस्तानी सेना का एजेंट है।

उसने बताया कि उसने हेडली के साथ पाकिस्तान में लश्कर-ए-तैयबा के कई ट्रेनिंग सेशन किए थे। राणा ने यह भी कहा कि लश्कर असल में एक जासूसी नेटवर्क की तरह काम करता है। पूछताछ में शामिल मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच अब राणा को गिरफ्तार करके रिमांड पर लेने की तैयारी में है। अभी राणा एनआईए की न्यायिक हिरासत में है, इस दिल्ली की अदालत ने 9 जुलाई तक बढ़ा दिया है।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में पुराने वाहनों पर फ्यूल प्रतिबंध 1 नवंबर तक स्थगित, मंत्री सिरसा ने दी जानकारी

नई दिल्ली।

दिल्ली में एंड-ऑफ-लाइफ (ईओएल) या ओवरएज वाहनों पर फ्यूल प्रतिबंध 1 नवंबर तक स्थगित किया गया है। वायु गुणवत्ता आयोग की बैठक में यह फैसला लिया गया। जो डीजल गाड़ियां 10 साल से पुरानी और पेट्रोल गाड़ियां 15 साल से पुरानी होती हैं उन्हें ईओएल वाहन कहा जाता है। पहले जारी किए गए निर्देशों के अनुसार, इसतरह के वाहनों को 1 जुलाई से दिल्ली में ईंधन नहीं दिया जाना था। अब इन्हें 31 अक्टूबर तक राहत दी गई है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने 3 जुलाई को वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग से इसतरह के वाहनों के खिलाफ कार्रवाई रोकने का अनुरोध किया था। दरअसल, वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने अप्रैल में आदेश दिया था कि 1 जुलाई से पुराने वाहनों में ईंधन नहीं डाला जाएगा, ताकि प्रदूषण को कम किया जा सके। ये नियम दिल्ली के अलावा गुरुग्राम, फरीदाबाद, नोएडा, गाजियाबाद और सोनीपत में भी लागू होगा। दिल्ली सरकार ने वायु गुणवत्ता आयोग को पत्र लिखकर पुराने वाहनों पर ईंधन भरवाने की रोक को फिलहाल रोकने की अपील की है। ये जानकारी गुरुवार को पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने दी।

द वेलवेट सनडाउन म्यूजिक बैंड....आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का नया उदाहरण

नई दिल्ली।

आजकल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) केवल तकनीक का हिस्सा नहीं रह गया है, बल्कि यह अब कला और संगीत जैसे रचनात्मक क्षेत्रों में भी क्रांति ला रहा है। इसका बेहतरीन उदाहरण है — द वेलवेट सनडाउन नामक एक म्यूजिक बैंड, जिसे एक शख्स ने एआई की मदद से घर बैठे खड़ा किया और कुछ ही हफ्तों में लाखों फॉलोअर्स जुटा लिए। एआई-वॉयस क्लोनिंग और सिंगिंग मॉडल का इस्तेमाल- बैंड के क्रिएटर ने एआई सिंगिंग टूल्स का उपयोग किया, जैसे- सुनो एआई, या ओपन एआई के जैकबाक्स जैसे मॉडल इनसे उन्होंने अपनी पसंद की आवाज़ (कभी खुद की, कभी किसी वर्चुअल आर्टिस्ट की) को क्लोन किया और उसमें गाने कंपोज किए। गानों के बोल भी एआई ने तैयार किए, जिससे भाषा और शैली में विविधता आई। इंस्टाग्राम और स्पॉटिफाई पर बैंड की पहचान बनाने के लिए मिडजर्नी या डेला ई जैसे टूल्स से बैंड मेंबर्स के फोटोज और एल्बम आर्ट तैयार की गई। हर बैंड मेंबर का एक फिक्शनल नाम और कैरेक्टर प्रोफाइल भी तैयार किया गया। सोशल मीडिया पर कैप्शन और पोस्ट भी एआई से तैयार हुए, जिससे लगातार कंटेंट बना और इंटरैक्शन बढ़ा।

लारेंस गैंग के गुर्गे की गिरफ्तारी के बाद चर्चा में क्यों हैं जूता कारोबारी प्रिंकल

लुधियाना।

लुधियाना के जूता कारोबारी गुरविंदर सिंह प्रिंकल फिर चर्चा में हैं। नवंबर 2024 में प्रिंकल पर गैंगस्टर रिषभ बेनिपाल उर्फ नानू और उसके साथियों ने गोलियां चलाई थीं। प्रिंकल को 5-6 गोलियां लगी थीं, लेकिन भगवान का शुक्र हैं कि वे बाल-बाल बच गए थे। अब एक नया विवाद फिर सामने आया है। सोशल मीडिया पर प्रिंकल और दुबई में रहने वाले नमित शर्मा के बीच अक्सर किसी न किसी बात को लेकर विवाद होता रहता है। हाल ही में नमित ने एक वीडियो वायरल किया, जिसमें उसने प्रिंकल को जान से मारने की धमकी दी थी। इधर, फगवाड़ा में काउंटर इंटेलिजेंस द्वारा हाल ही में पकड़े लारेंस गैंग के गुर्गे हिमांशु सूद से कड़ी पूछताछ की। सूत्रों के मुताबिक, हिमांशु ने खुलासा किया कि उसने जूता कारोबारी प्रिंकल को निशाना बनाना था। हालांकि गैंगस्टर अपने मंसूबों में कामयाब नहीं हो सका। बता दें कि पुलिस को जब इनपुट मिली, तब उन्होंने पहले ही प्रिंकल को अलर्ट किया था। पुलिस ने तभी से हमलावरों को लोकेट करना शुरू कर दिया था। हिमांशु से पुलिस को दो पिस्टल बरामद हुए थे। बदमाश दोनों पिस्टल यूपी से लाया था। यहां बता दें कि फगवाड़ा में हिमांशु के कुछ दुश्मन है। उसने नमित से कहा था कि पहले वह उन्हें मारेगा फिर प्रिंकल के बारे आगे सोचेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका ने एचटीएस से हटाया विदेशी आतंकवादी संगठन का दर्जा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने सीरिया के हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) से विदेशी आतंकवादी संगठन का दर्जा हटा लिया है। अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि सीरिया पर प्रतिबंधों को हटाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। 23 जून को जारी इस ज्ञापन पर अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने हस्ताक्षर किए है। इसे मंगलवार को आधिकारिक तौर पर फेडरल रजिस्टर में प्रकाशित किया जाएगा ।पिछले साल दिसंबर में एचटीएस ने अन्य इस्लामी विद्रोहियों के साथ मिलकर सीरिया के तत्कालीन राष्ट्रपति बशर अल-असद को सत्ता से हटा दिया था। एचटीएस के तत्कालीन नेता अहमद अल-शरा अब सीरिया के राष्ट्रपति हैं। उन्होंने सीरिया को एक समावेशी व लोकतांत्रिक देश बनाने की इच्छा जताई है। यह कदम ट्रंप की ओर से पिछले सप्ताह सीरिया पर अमेरिकी प्रतिबंधों को समाप्त करने वाले कार्यकारी आदेश के बाद आया है। इसका उद्देश्य देश को अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली से अलगाव खत्म करना और विनाशकारी गृहयुद्ध के बाद पुनर्निर्माण में मदद करना है।

काहिरा में टेलिकॉम कंपनी की बिल्डिंग में भीषण आग, 14 लोग घायल

काहिरा, एजेंसी। मिस्र की राजधानी काहिरा के बीचोंबीच स्थित प्रमुख टेलिकॉम कंपनी टेलिकॉम इजिप्ट की 10 मंजिला इमारत में सोमवार को भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आकर कम से कम 14 लोग घायल हो गए, जिन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हेल्थ मिनिस्ट्री के अनुसार, घायलों में दो आपातकालीन कर्मी भी शामिल हैं जिन्हें हाथों में जलने के कारण इलाज की जरूरत पड़ी। आग सातवीं मंजिल पर स्थित एक उपकरण कक्ष से शुरू हुई और देखते ही देखते फैल गई। घटना काहिरा के रामसेस इलाके में हुई। घटना के बाद पूरे इलाके में धुएं का गुबार छा गया। मौके पर कई एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड की गाड़ियां पहुंचीं। दमकलकर्मी सीढ़ियों के सहारे ऊपरी मंजिलों तक पहुंचे और पानी की तेज बौछार से आग पर काबू पाया। इस आग से इंटरनेट, मोबाइल फोन और ऑनलाइन पेमेंट सेवाओं में कुछ समय के लिए रुकावट आई। टेलिकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ने कहा है कि सेवाएं कुछ घंटों में पूरी तरह बहाल कर दी जाएंगी।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में तीन ऑयल टैंकरों को अगवा किया, सात क्रू मेंबरों का अपहरण

क्वेटा, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सोमवार को अज्ञात बंदूकधारियों ने तीन तेल टैंकरों को अगवा कर लिया और सात क्रू मेंबरों का अपहरण कर लिया। यह घटना बन्नू जिले के टुच्ची ब्रिज इलाके में मरवत नहर के पास हुई, जो उत्तरी वजीरिस्तान की सीमा से सटा हुआ है। जिला पुलिस अधिकारी (डीपीओ) सलीम खान कुलाची ने बताया कि ये काफिला उत्तरी वजीरिस्तान से आ रहा था, तभी अज्ञात हमलावरों ने रास्ता रोककर तीनों ऑयल टैंकरों को कब्जे में ले लिया और सात कर्मचारियों को उठा ले गए। पुलिस ने बक्का खेल थाने में एफआईआर दर्ज कर ली है और इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है। अब तक किसी भी संगठन ने इस घटना की जिम्मेदारी नहीं ली है और न ही किसी फिरौती की मांग सामने आई है। बन्नू जिले में हाल के दिनों में हिंसा बढ़ी है। पिछले हफ्ते एक जिरगा (पारंपरिक पंचायत) पर गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और तीन लोग घायल हुए थे। वहीं इस महीने की शुरुआत में ग़ोरीवाला कस्बे में एक पुलिसकर्मी की अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी।

अमेरिका में रह रहे 80,000 होंडुरास और निकारागुआ नागरिकों की टीपीएस सुरक्षा खत्म

वाशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप प्रशासन ने अमेरिका में रह रहे करीब 80,000 होंडुरास और निकारागुआ नागरिकों की अस्थायी संरक्षित स्थिति (टीएसपी) सुरक्षा खत्म करने का फैसला किया है। यह लोग 1998 में आए विनाशकारी तूफान मिच के बाद से अमेरिका में रह रहे थे और 25 वर्षों से उन्हें काम करने और देश में रहने की अनुमति मिली हुई थी। मामले में अब ट्रंप प्रशासन का कहना है कि इन देशों की स्थिति पहले से बेहतर हो गई है, इसलिए इन्हें अब अपने देश लौट जाना चाहिए। यह फैसला अमेरिका की आव्रजन सख्ती नीति का हिस्सा है, जिसके तहत ट्रंप प्रशासन अधिक से अधिक लोगों को निर्वासन (डिपोर्ट) के योग्य बना रहा है। टीपीएस यानी टेम्पररी प्रोटेक्टेड स्टेटस एक अस्थायी सुरक्षा होती है जो अमेरिका में कुछ देशों के नागरिकों को दी जाती है, यदि उनके देश में युद्ध, आपदा या अन्य गंभीर संकट हो। यह सुरक्षा डिपोर्ट से बचाव और काम करने की अनुमति देती है, लेकिन नागरिकता का रास्ता नहीं देती। अब बात अगर ट्रंप प्रशासन के इस फैसले से प्रभावित होने वाले लोगों की करें तो इससे 72,000 होंडुरास और 4,000 निकारागुआ नागरिकों को यह सुरक्षा मिली हुई थी। टीपीएस एलायंस का कहना है कि कई लोग अब वैध निवास पा चुके हैं, इसलिए करीब 40,000 होंडुरास नागरिक सीधे तौर पर प्रभावित होंगे। सुरक्षा की अवधि 5 जुलाई को समाप्त हो चुकी है और अब 60 दिनों के भीतर यह पूरी तरह से खत्म हो जाएगी।

ट्रम्प भारतीय मूल के ममदानी से बोले- तमीज से पेश आइए, मेयर उम्मीदवार ने कहा था- नेतन्याहू न्यूयॉर्क आए तो गिरफ्तार होंगे

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारतीय मूल के डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट और न्यूयॉर्क मेयर उम्मीदवार जोहरान ममदानी को तमीज से पेश आने की हिदायत दी है। ट्रम्प ने सोमवार को व्हाइट हाउस में कहा कि वह (ममदानी) सोशलिस्ट नहीं हैं, वह कम्युनिस्ट हैं। उन्होंने यहूदी लोगों के बारे में कुछ बहुत बुरी बातें कही हैं। मुझे लगता है कि वह इस समय हनीमून पीरियड पर हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने न्यूयॉर्क सिटी से ममदानी की मेयर पद की उम्मीदवार को लेकर कहा, वह जीत नहीं पाएंगे। अगर जीत भी गए तो उन्हें फंड की जरूरत पड़ेगी। लेकिन यह सब व्हाइट हाउस के जरिए आता है। उन्हें व्हाइट हाउस के जरिए पैसे की जरूरत है। उन्होंने अपना व्यवहार ठीक नहीं किया को बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा ।दरअसल, ममदानी ने यहूदी विरोधी विचारधारा को लेकर कहा था कि, अगर इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू न्यूयॉर्क आए, तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया हुआ है।

ट्रम्प ने टैरिफ डेडलाइन 1 अगस्त तक बढ़ाई

बांग्लादेश-जापान समेत 14 देशों पर टैरिफ लगाया

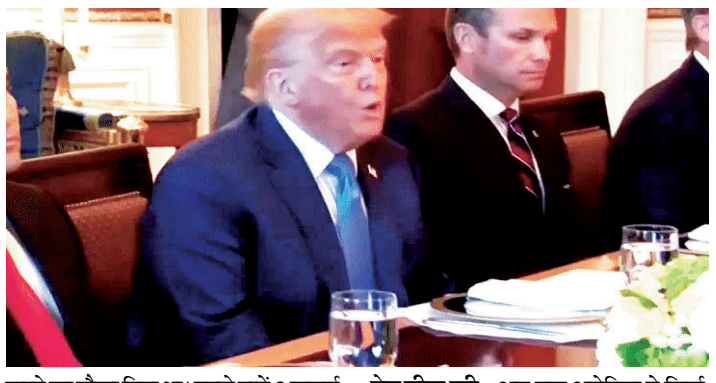

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को घोषणा की है कि वे ग्लोबल टैरिफ बढ़ाने की अंतिम तारीख 9 जुलाई से बढ़ाकर 1 अगस्त कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने बांग्लादेश-जापान समेत 14 देशों पर टैरिफ बढ़ाने का ऐलान भी किया है। ट्रम्प प्रशासन ने सोमवार को सभी प्रभावित देशों को औपचारिक रूप से लेटर भेजकर इस निर्णय की जानकारी दी। इस फैसले के तहत कुछ देशों पर 25प्रतिशत टैक्स लगाया गया है, जबकि कुछ पर 30प्रतिशत से 40प्रतिशत तक का भारी शुल्क लगाया गया है।

दक्षिण कोरिया और जापान के नेताओं को ट्रम्प ने सबसे पहले लेटर भेजा और कहा कि उनके देश से आने वाले सामान पर अब 25प्रतिशत शुल्क लगेगा। उन्होंने लिखा कि ये टैक्स इसलिए जरूरी हैं, ताकि अमेरिका और इन देशों के बीच व्यापार में जो असंतुलन है, उसे सुधारा जा सके।

ट्रम्प ने अप्रैल में पहली बार सभी अमेरिकी आयात पर 10प्रतिशत बेसलाइन टैक्स और 60 देशों पर अलग-अलग टैक्स लगाने की बात की थी। उस घोषणा के बाद दुनियाभर के शेयर और बॉन्ड बाजारों में उथल-पुथल मच गई थी, इसलिए उन्होंने टैरिफ को कुछ समय के लिए टाल दिया था और देशों को अमेरिका के साथ नई डील करने का मौका दिया था। पहले उन्हें 8 जुलाई तक का वक्त दिया गया था, ताकि 9 जुलाई से नए टैरिफ लागू हो सकें। अब ये डेडलाइन बढ़ाकर 1 अगस्त कर दी गई है।

भारत, यूरोपीय यूनियन के साथ ट्रेड डील जल्द : न्यूयॉर्क टाइम्स ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से कहा है कि ट्रम्प इस हफ्ते कई देशों के साथ ट्रेड डील का ऐलान कर सकते हैं। भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील बहुत करीब पहुंच चुकी है। यूरोपीय यूनियन भी अमेरिका के साथ समझौता करने के काफी नजदीक है। इसके साथ ही पाकिस्तान, ताइवान और स्विटजरलैंड जैसे दूसरे देश में अमेरिका के साथ ट्रेड डील करने का रास्ता तलाश रहे हैं।

यूएस ने 2 देशों के साथ शुरुआती ट्रेड डील की : अब तक अमेरिका ने सिर्फ ब्रिटेन और वियतनाम के साथ दो शुरुआती डील की हैं। हालांकि, इन समझौतों में ज्यादा जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। वियतनाम वाले सौदे में तो किसी भी पक्ष ने यह भी साफ नहीं किया कि वास्तव में किन बातों पर सहमति बनी है। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिका ने ब्रिटेन पर 10प्रतिशत का टैरिफ लगाया है। इसके अलावा स्टील और एल्युमीनियम पर अलग से अमेरिका 25प्रतिशत का टैरिफ लगाएगा। वहीं, ब्रिटेन, अमेरिकी सामानों पर 0प्रतिशत टैरिफ लगाएगा।

वहीं, अमेरिका ने वियतनाम पर 20प्रतिशत टैरिफ लगाया है। यानी कि वियनताम के सामान अमेरिका में 20प्रतिशत ज्यादा कीमत पर बिकेंगे। वहीं, वियतनाम ने अमेरिकी सामानों पर 0प्रतिशत टैरिफ लगाया है।

जापान-साउथ कोरिया से नहीं हुई ट्रेड डील : जापान और साउथ कोरिया अमेरिका के करीबी साथी हैं, लेकिन उनके साथ अमेरिका की ट्रेड डील नहीं हो पाई। इसकी वजह यह भी है कि दोनों देशों में चुनाव होने वाले हैं। साथ ही ट्रम्प इन दोनों देशों के सबसे अहम प्रोडक्ट्स जैसे कि कार, स्टील और इलेक्ट्रॉनिक्स पर अलग से ज्यादा टैरिफ लगाने की बात भी कर रहे हैं।

ट्रम्प बोले- यूएस, भारत के साथ डील करने के करीब ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की मेजबानी करते हुए पत्रकारों से भी बात की। इस दौरान उन्होंने कहा, अमेरिका ने ब्रिटेन और चीन के साथ समझौता किया है। अब भारत के साथ भी व्यापार समझौते पर पहुंचने के करीब है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने फिर से दावा किया कि उनकी सरकार ने भारत और पाकिस्तान के बीच एक बहुत बड़ी लड़ाई को रोक दिया। उन्होंने कहा, हमने दोनों देशों से कहा कि अगर आप आपस में लड़ेंगे, तो हम आपके साथ कोई व्यापारिक संबंध नहीं रखेंगे। वे शायद परमाणु युद्ध के स्तर पर थे। इसे रोकना बहुत जरूरी था। चीन ने अमेरिका से कहा- धमकी मत दो ट्रम्प की टैरिफ चेतावनी का ब्रिक्स के प्रमुख देश चीन ने कड़ा विरोध किया है। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा, ब्रिक्स अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक मंच पर एक सकारात्मक संगठन है।

निंग ने कहा, चीन किसी भी प्रकार के टैरिफ और ट्रेड वॉर का विरोध करता है। टैरिफ लगाने के नाम पर धमकाना अथवा गैरजरूरी दबाव डालने का हर स्तर पर विरोध किया जाएगा। भारत-अमेरिका वॉशिंगटन में बातचीत कर रहे ट्रम्प ने 2 अप्रैल को दुनियाभर के देशों पर रेसिप्रोकल (जैसे को तैसा) टैरिफ लगाया था, बाद में इसे 90 दिनों के लिए टाल दिया गया। इसकी डेडलाइन 9 जुलाई 2025 को खत्म हो रही थी, जिसे 1 अगस्त तक के लिए बढ़ा दिया गया है।इसे ध्यान में रखते हुए भारत और अमेरिका के बीच भी द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत चल रही है। अगर 1 अगस्त से पहले यह समझौता नहीं हुआ, तो भारत पर 26प्रतिशत टैरिफ लागू हो सकता है। भारत और अमेरिका की टीमें लगातार वॉशिंगटन में बातचीत कर रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स का कहना है कि डील के ज्यादातर हिस्सों पर सहमति बन चुकी है, और 8 जुलाई को इसका ऐलान हो सकता है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत राष्ट्रीय हितों को सबसे ऊपर रखेगा।

नेपाल-चीन बॉर्डर पर भोटेकोशी नदी में बाढ़ : 12 नेपाली, 6 चीनी लापता

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल-चीन बॉर्डर पर भोटेकोशी नदी में मंगलवार सुबह करीब 3 बजे अचानक बाढ़ आ गई। इसमें 18 लोग लापता हैं, जिसमें 12 नेपाली और 6 चीनी नागरिक हैं। 12 नेपालियों में 3 पुलिसकर्मी, 9 नागरिक हैं। सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया है। बाढ़ में नेपाल को चीन से जोड़ने वाला मेन पुल मिटेरी ब्रिज भी ढह गया। इसमें कस्टम पोर्ट पर खड़ी कई गाड़ियां नदी के तेज बहाव में बह गईं।

मिटेरी ब्रिज से चीन-नेपाल के बीच रोजाना लाखों रुपए का व्यापार होता था। पुल बह जाने से नेपाल को भारी आर्थिक नुकसान होने की आशंका है। बाढ़ में पासंग ल्हामू हाईवे पर भी कई जगह लैंडस्लाइड हुआ। अधिकारियों के अनुसार, सड़क का बड़ा हिस्सा नदी के साथ बह गया है। बाढ़ से नेपाल का रसुवाजिला सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। यहां परिवहन और रेस्क्यू ऑपरेशन, दोनों को दिक्कत हो रही है।

सशस्त्र पुलिस बल नेपाल ने बताया कि भोटेकोशी नदी के बढ़ते पानी ने तिमुरे में एक ईवी चार्जिंग स्टेशन से आठ इलेक्ट्रिक वाहन और रासुवा कस्टम्स यार्ड से नौ कंटेनर इकाइयों को भी बहा दिया। रसुवा के रासुवागढ़ी हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट्स को भी नुकसान पहुंचा है, जिसके कारण 200 मेगावाट तक बिजली उत्पादन पूरी तरह रुक गया है।

भोटेकोशी नदी में बहा ब्रिज : मैत्री पुल नेपाल और चीन को कनेक्ट करने वाला मुख्य ब्रिज था। भोटेकोशी नदी पर बना यह पुल नेपाल के रसुवा जिले को चीन से जोड़ता था। हालांकि, भारी बारिश के कारण भोटेकोशी नदी में बाढ़ के हालात बन गए। बीती रात तकरीबन 3:15 बजे पुल भी बाढ़ में बह गया।

पेट्रो ने अमेरिका से रिश्ते सुधारने के लिए ट्रंप को भेजा सफाई पत्र, साजिश के आरोपों से झाड़ा पल्ला

बोगोटा, एजेंसी। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने जून में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को एक गोपनीय पत्र भेजा। इस पत्र में उन्होंने कहा कि उनकी किसी भी टिप्पणी का मकसद अमेरिकी अधिकारियों पर तख्तापलट की साजिश का आरोप लगाना नहीं था। यह पत्र 23 जून को लिखा गया था और सोमवार को कोलंबियाई मीडिया में लीक हो गया। बता दें कि यह पत्र पेट्रो के उस भाषण के बाद आया, जिसमें उन्होंने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो पर अपनी सरकार को गिराने की साजिश रचने का आरोप लगाया था।

हालांकि, अब पत्र में उन्होंने कहा है कि उनकी बात को गलत तरीके से समझा गया और उनके बयान का मकसद किसी पर सीधा आरोप लगाना नहीं था। उन्होंने अमेरिका-लैटिन अमेरिका सम्मेलन बुलाने की भी बात कही।व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि ट्रंप ने यह पत्र देखा है या नहीं।

दोनों देशों के रिश्ते को मजबूत करने के लिए पत्र एक कोशिश

मामले में कोलंबिया की विदेश मंत्री लौरा साराबिया ने पुष्टि की कि यह पत्र दोनों देशों के रिश्ते मजबूत करने की कोशिश का हिस्सा था। लेकिन इसी हफ्ते अमेरिका ने कोलंबिया में अपने शीर्ष राजनयिक को वापस बुला लिया, यह कहते हुए कि कोलंबियाई सरकार के उच्च स्तर से बेबुनियाद और निंदनीय बयान दिए गए हैं। जवाब में कोलंबिया ने भी अमेरिका से अपने राजदूत को वापस बुला लिया है।

कोलंबिया और अमेरिका की साझेदारी

बता दें कि कोलंबिया और अमेरिका दशकों से ड्रग्स के खिलाफ अभियान में साझेदार रहे हैं। अमेरिका ने बीते 20 वर्षों में कोलंबिया को 13 अरब डॉलर से ज्यादा की मदद दी है। लेकिन 2022 में पेट्रो के सत्ता में आने के बाद से रिश्तों में बदलाव आया है। पेट्रो जलवायु परिवर्तन और स्वच्छ ऊर्जा को प्राथमिकता दे रहे हैं।

कोलंबिया और अमेरिका के रिश्ते में तनाव

गौरतलब है कि जनवरी में पेट्रो और ट्रंप में तब टकराव हुआ जब कोलंबिया ने अमेरिका से भेजे गए दो डिपोर्टेशन फ्लाइट्स को उतरने नहीं दिया। ट्रंप ने इसके जवाब में 25त्न टैरिफ की धमकी दी, लेकिन दोनों देशों के बीच बातचीत से मामला सुलझ गया। इसके बाद हाल ही में पेट्रो ने दो अमेरिकी सांसदों पर भी तख्तापलट की साजिश में शामिल होने का आरोप लगाया था, जिसे दोनों ने खारिज किया।

इस संबंध में सामने आए ऑडियो लीक की जांच कोलंबियाई प्रशासन ने शुरू कर दी है। ऐसे में यह विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब कोलंबिया में कोकीन उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, 2023 में कोलंबिया की कोका खेती का क्षेत्र 2.53 लाख हेक्टेयर हो गया, जो 2020 की तुलना में 40प्रतिशत अधिक है।

इजराइल ने ट्रम्प को नोबेल के लिए नॉमिनेट किया : नेतन्याहू बोले- आप इसके हकदार

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट किया है। नेतन्याहू ने मंगलवार को व्हाइट हाउस में ट्रम्प से मुलाकात के दौरान इसकी जानकारी दी।

नेतन्याहू ने कहा, मैं आपको वह लेटर दिखाना चाहता हूं जो मैंने नोबेल पुरस्कार कमेटी को भेजा है। इसमें आपको शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट किया गया है। आप इसके हकदार हैं। आपको यह मिलना चाहिए। नेतन्याहू ने बताया कि उन्होंने यह फैसला मिडिल ईस्ट में शांति के लिए ट्रम्प की तरफ से की जा रही कोशिशों के मद्देनजर किया है। इजराइल से पहले पाकिस्तान ने 20 जून को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए ट्रम्प के नाम की सिफारिश की थी।

इससे पहले ट्रम्प भी कई बार कह चुके हैं कि उन्होंने कई देशों के बीच जंग रुकवाई और उन्हें नोबेल मिलना चाहिए। उन्होंने 22 जून को कहा था, मुझे नोबेल शांति पुरस्कार 4-5 बार मिलना चाहिए था। लेकिन वे मुझे ये पुरस्कार नहीं देंगे क्योंकि वे इसे केवल लिबरल्स को देते हैं। ट्रम्प ने दोहराया- भारत-पाक समेत कई देशों के विवाद निपटाए राष्ट्रपति ट्रम्प ने मंगलवार को फिर से दावा किया कि उनकी सरकार ने भारत और पाकिस्तान के बीच एक बहुत बड़ी लड़ाई को रोक दिया। इसके साथ ही उन्होंने कोसोवो-सर्बिया और रवांडा-कांगो के बीच संघर्ष रोकने का दावा किया। ट्रम्प ने कहा- हमने कई झगड़े रोके, जिनमें भारत और पाकिस्तान का बहुत बड़ा विवाद शामिल था। हमने दोनों देशों से कहा कि अगर आप आपस में लड़ेंगे, तो हम आपके साथ कोई व्यापारिक संबंध नहीं रखेंगे। वे शायद परमाणु युद्ध के स्तर पर थे। इसे रोकना बहुत जरूरी था।

पाकिस्तान आर्मी चीफ ने कहा था- ट्रम्प ने भारत-पाक संघर्ष रुकवाया पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर ने 18 जून को ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में मुलाकात की थी। यह मुलाकात मुनीर के ट्रम्प को नोबेल शांति पुरस्कार देने की मांग वाले बयान के बाद हुई। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता एना केली ने बताया कि मुनीर ने ट्रम्प को मई में भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रुकवाने का क्रेडिट दिया है। उनके इस बयान के सम्मान में ट्रम्प ने उन्हें लंच पर बुलाया था।

इसके दो दिन बाद पाकिस्तानी सरकार ने अपने ऑफिशियल स्टेटमेंट में कहा कि ट्रम्प ने नई दिल्ली और इस्लामाबाद दोनों से बात कर संघर्षविराम में अहम भूमिका निभाई। इससे दो न्यूक्लियर ताकत वाले देशों के बीच युद्ध की आशंका टल गई। पाकिस्तान ने कहा कि भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान ट्रम्प की कूटनीतिक पहल और मध्यस्थता ने एक बड़े युद्ध को टालने में मदद की।सितंबर में शुरू होगा नोबेल प्राइज के लिए नॉमिनेशन नोबेल प्राइज 2026 के लिए ऑफिशियल रजिस्ट्रेशन सितंबर में शुरू किए जाएंगे। हालांकि, अभी अंतिम तारिख का ऐलान नहीं किया गया है।

रूस के पूर्व परिवहन मंत्री ने गोली मारकर आत्महत्या की, पुतिन ने कुछ घंटे पहले ही मंत्रिमंडल से हटाया था, भ्रष्टाचार का आरोप था

मॉस्को, एजेंसी। रूस के पूर्व परिवहन मंत्री रोमन स्टारोवोइट ने सोमवार को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। रूस की ताश न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने उन्हें कुछ घंटे पहले ही बिना कारण बताए पद से बर्खास्त कर दिया था। उन पर भ्रष्टाचार का आरोप था।

अधिकारियों ने बताया कि स्टारोवोइट को मॉस्को के पास ओडिंटसोवो में मृत पाया गया। फिलहाल घटना की पूरी जानकारी जुटाई जा रही है। रूस की जांच समिति ने बताया कि स्टारोवोइट का शव उनकी कार में मिला।

स्टारोवोइट की जगह एक पूर्व गवर्नर आंद्रेई निकितिन को अस्थायी परिवहन मंत्री नियुक्त किया गया है। स्टारोवोइट परिवहन मंत्री बनने से पहले पांच साल तक यूक्रेन की सीमा से सटे कुर्स्क क्षेत्र के गवर्नर थे।

स्टारोवोइट पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे : रूसी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार स्टारोवोइट की बर्खास्तगी का कारण 5-6 जुलाई को हुए यूक्रेनी ड्रोन हमलों को माना जा रहा है। यूक्रेनी ड्रोन हमलों की वजह से देशभर में लगभग 300 उड़ानें रद्द कर दी गई थीं। यूक्रेनी हमलों में रूस के उस्त-लुगा बंदरगाह पर एक टैंकर में भी विस्फोट हुआ था। विस्फोट के कारण 6 जुलाई को अमोनिया का रिसाव हुआ, जिससे दिक्कतें और ज्यादा बढ़ गईं।

वहीं, स्टारोवोइट की बर्खास्तगी को कुर्स्क में भ्रष्टाचार के मामलों से भी जोड़कर देखा जा रहा है। कुर्स्क में स्टारोवोइट के गवर्नर पद छोड़ने के कुछ महीनों बाद यूक्रेनी सैनिकों ने वहां हमला किया था, जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद रूस में सबसे बड़ा विदेशी हमला था। इसी समय स्टारोवोइट पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे। स्टारोवोइट के बाद कुर्स्क के नए गवर्नर एलेक्सी स्मिरनोव पर अप्रैल में पैसों की हेराफेरी का आरोप लगा।

रूस का यूक्रेन पर 550 मिसाइल और ड्रोन से हमला : रूस ने यूक्रेन पर 4 जुलाई की सुबह 500 मिसाइलों और ड्रोन्स से हमला किया। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोदिमीर जेलेंस्की ने दावा किया कि इनमें से 270 मिसाइलों को हवा में मार गिराया गया। इनके अलावा 330 शाहेद ड्रोन भी थे। इनमें से 208 ड्रोन को इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम के जरिए जाम कर दिया गया। ये ड्रोन ईरान में बने हैं।

इस हमले का सबसे बड़ा निशाना राजधानी कीव ही थी। कीव के अलावा दिनप्रो, सुमी, खार्किव, चेर्निहिव और आसपास के इलाकों को भी नुकसान पहुंचा। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने बताया कि इस हमले में 23 लोग घायल हुए। इनमें से 14 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। इस हमले से कीव के कई इलाकों में अपार्टमेंट बिल्डिंग, दुकानों, एक स्कूल, एक अस्पताल, रेलवे लाइन और दूसरे जरूरी ढांचों को नुकसान पहुंचा है। कीव इंडिपेंडेंट के मुताबिक धमाकों की आवाजें 3 जुलाई को रात 10 बजे से ही सुनाई देने लगी थीं और ये 4 जुलाई की सुबह तक जारी रहीं।

जवाबी कार्रवाई करते हुए यूक्रेन ने भी 5-6 जुलाई को रूस के कई ठिकानों पर ड्रोन हमला किया था, जिसमें रूस के बंदरगाह को निशाना बनाया गया था।

यूक्रेन का दावा- रूस के 41 विमानों को तबाह किया : यूक्रेन ने जून में रूस के 41 लड़ाकू विमानों को तबाह किया था। यूक्रेनी वेबसाइट कीव इंडिपेंडेंट की रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन ने रूस के मरमंस्क में ओलेन्या एयर बेस, इरकुत्स्क में बेलाया एयर बेस, इवानोवो में इवानोवो एयर बेस और अमूर व डायगिलेवो एयर बेस को निशाना बनाया।

रूस का बेलाया एयरबेस यूक्रेनी सीमा से 4 हजार किमी से भी ज्यादा दूर है। यह रूस के साइबेरिया इलाके में स्थित है। रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन की सुरक्षा एजेंसी (एसबीयू) ने इस हमले को अंजाम दिया, जिसमें एफपीवी (फर्स्ट-पर्सन-व्यू) ड्रोन्स का इस्तेमाल किया गया। इसमें ए-50, टीयू-95 और टीयू-22 जैसे स्ट्रैटजिक बॉम्बर्स को निशाना बनाया गया।

एसबीयू के एक अधिकारी ने कहा कि यह हमला उन्होंने खुद के बचाव में किया है, क्योंकि ये रूसी विमान अक्सर यूक्रेनी शहरों पर बम गिराते हैं। रूस ने इस हमले की पुष्टि की है। शुरुआती अनुमानों के मुताबिक, नुकसान की लागत 2 बिलियन अमेरिकी डॉलर (17 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा) हो सकती है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गंभीर ब्रिज हादसा 1985 में बना था ब्रिज, 40 साल बाद टूटा

अब तक 13 की मौत,अधिकारियों की अनदेखी पर फूटा गुस्सा

25 साल की उम्र वाले ब्रिज को 40 साल तक चालू रखा और लोगों को घटना बनी

स्थानीय लोगों की चेतावनी को किया नजर अंदाज,पादरा में मृतकों के परिजनों का आक्रोश

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वडोदरा,वडोदरा जिले के पादरा-जंबूसर मार्ग पर महिसागर नदी पर बने 40 साल पुराने गंभीर ब्रिज के गिर जाने से अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है। हादसे में 7 वाहन नदी में गिर गए,जबकि एक ट्रक ब्रिज पर ही लटक गया। यह ब्रिज आणंद और वडोदरा जिलों को जोड़ता है और मध्य गुजरात व सौराष्ट्र को कनेक्ट करता है। वडोदरा के पादरा-जंबूसर के बीच स्थित गंभीर ब्रिज के टूटने के बाद अब तक 12 लोगों की मौत हो चुकी है और 10 से अधिक घायल हुए हैं। इस दर्दनाक हादसे के बाद विधानसभा में विपक्ष के नेता अमित चावड़ा (आकलाव विधायक) ने सोशल मीडिया पर हादसे का वीडियो साझा कर राज्य सरकार और लोक निर्माण विभाग को घेरा। उन्होंने कहा कि ब्रिज की स्थिति की जानकारी पहले ही दी गई थी, राज्य सरकार और मुख्यमंत्री पर तीखा हमला बोला है। हादसे के बाद पूरे प्रशासन में हड़कंप मच गया। तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। स्थानीय लोग और प्रशासन मिलकर राहत कार्यों में जुटे हुए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि वे कई बार अधिकारियों को लेकिन समय रहते कोई कदम नहीं उठाया गया। हादसे के बाद क्षेत्र में भारी ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी। प्रशासन ने तुरंत नया डाइवर्जन रूट घोषित किया है ताकि पादरा-जंबूसर के बीच यातायात सुचारू रूप से चल सके। यह हादसा न सिर्फ प्रशासन की लापरवाही का नतीजा है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि बुनियादी ढांचे की अनदेखी कितनी बड़ी त्रासदी में तब्दील हो सकती है।

विपक्षी दलों कांग्रेस, आम आदमी पार्टी (AAP), और पूर्व मुख्यमंत्री शंकरसिंह वाघेला ने ब्रिज की मरम्मत के लिए चेतावनी देते रहे, लेकिन प्रशासन ने अनदेखी की। ''रिपेयर करो, रिपेयर करो'' की मांग वर्षों से उठती रही, लेकिन कोई कार्य नहीं हुआ। अब इतने जानों के नुकसान के बाद प्रशासन हरकत में आया है।

घायल व्यक्तियों की सूची:

1. नरेंद्रसिंह रतनसिंह परमार (45), दहेगाम, गांधीनगर
2. गणपतसिंह मानसिंह राजपूत (40), राजस्थान
3. राजुभाई डोडाभाई (30), द्वारका, नानी शिरडी
4. सोनलबेन रमेशभाई पढ़ियार (35), मुझपुर, पादरा
5. अरविंदभाई महीजीभाई परमार, मजातण, पादरा
6. दिलीपभाई रामसिंह पढ़ियार (35), नानी शिरडी

अब तक मृतकों की सूची

1. वक़त सिंह मनुभाई जादव (35), कहानवा, जंबूसर
2. कांजीभाई मेलाभाई माछी (70), गंभीर, आणंद
3. प्रवीण लालजीभाई जादव (33), उदेव, खंभात
4. रमेश रावजीभाई पढ़ियार (38), मुझपुर, पादरा
5. हसमुखभाई महीजीभाई परमार (40),हर्षदपुरा, मजातण, पादरा
6. नैतिक रमेशभाई पढ़ियार (2), मुझपुर, पादरा
7. वैदिका रमेशभाई पढ़ियार (6), मुझपुर, पादरा
8. राजेश ईश्वर चावड़ा (26), देवाण, आकलाव
9. पर्वत भगवानभाई वागड़िया (20), सरसवा, महिसागर उत्तर
10. जशभाई शंकरभाई हरिजन (65), गंभीर, आकलाव

अग्रवाल महिला मैत्री संघ द्वारा आयोजित मेले का हुआ समापन

मेले के अंतिम दिन उमड़ी भीड़

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल महिला मैत्री संघ द्वारा आयोजित दो दिवसीय सावन मेले के अंतिम दिन महिलाओं की भारी भीड़ उमड़ी। मेले में दस हज़ार के करीबन महिलाओं ने हिस्सा लिया। मंगलवार से चल रहे मेले में महिलाओं ने आभूषण, राखी, गिफ्ट आइटम, प्रसाधन सामग्री, गृहोपयोगी वस्तुएं, हैण्डीक्राफ्ट्स, बैग, गारमेन्ट्स, सजावट की विभिन्न वस्तुएं सहित अनेकों सामान की खरीदारी की। मेलें में आगामी त्यौहार को देखते हुए कपड़ों और गहनों की नयी नयी डिजायन देखने को मिली। मेलें में मुम्बई, सिलीगुड़ी, दिल्ली, कोलकाता, जयपुर सहित देश एवं विदेश के अनेकों शहरों की महिला उधमियों ने हिस्सा लिया एवं सभी की स्टॉल पर भरी भीड़ रहीं। सभी दर्शकों ने मेले को काफी सराया। मेले में सुबह से ही भीड़ रही जो देर शाम तक रही। संघ द्वारा सावन मेले से हुई आय को महावीर कार्डियक सेंटर हॉस्पिटल में दान दी गई।

मेले के दौरान अग्रवाल महिला मैत्री संघ की अध्यक्ष ज्योति पंसारी, सचिव वीणा बंसल, कोषाध्यक्ष सोनल मित्तल, मेले की संयोजिका पदमा तुलस्यान, सुमन अग्रवाल, उमा जालान सहित अनेकों सदस्या उपस्थित रहीं।

सरकार से अब सवाल उठ रहे हैं - क्या अब भी जवाबदेही तय होगी?

क्या नगर निगम के अधिकारी BJP नेताओं की भी नहीं सुनते?

खाड़ीपूर और सड़कों को लेकर कुमार कानाणी बोले - अधिकारियों में काम करने की इच्छा ही नहीं, इसलिए उठते हैं सवाल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

खाड़ीपूर और खराब सड़कों की समस्याओं को लेकर जब सवाल उठे, तब भाजपा नेता कुमार कानाणी ने नगर निगम अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल खड़े करते हुए कहाकि ''अधिकारियों में ही काम करने की इच्छा नहीं है, इसलिए ऐसी समस्याएं बार-बार सामने आती हैं।'' उन्होंने तंज कसते हुए यह भी कहा कि आज हालात यह हो गए हैं कि नगर निगम के अधिकारी भाजपा नेताओं की भी नहीं सुनते। इससे स्पष्ट है कि तंत्र पूरी तरह से ढीला पड़ चुका है और जनता को भुगतना पड़ रहा है।

इस बयान से नगर निगम के भीतर व्याप्त अव्यवस्था और जवाबदेही की कमी उजागर हो रही है।

एक ओर विपक्ष द्वारा मानसून के दौरान जनता को हो रही परेशानियों को लेकर मेयर को ज्ञापन सौंपा जा रहा है, तो दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी के ही विधायक खुद को लाचार महसूस कर रहे हैं।

स्थिति इतनी गंभीर है कि जब एक विधायक के सवालों का भी जवाब नहीं दिया जा रहा, तो मानसून की मार झेल रही आम जनता जब सवाल पूछेगी तो उसे जवाब कौन देगा?

सबसे बड़ा सवाल यही है - नगर निगम के प्रशासन को कौन जवाबदेह बनाएगा?

यह स्थिति दिखाती है कि शासन तंत्र में समन्वय की भारी कमी है, और जनता के मुद्दों पर सभी स्तरों पर अनदेखी और असंवेदनशीलता बढ़ती जा रही है।

''अधिकारियों में काम करने का जज़्बा नहीं है'' - विधायक कुमार कानाणी का तीखा बयान

सूरत शहर के वराछा रोड विधानसभा क्षेत्र के विधायक कुमार कानाणी ने शहर में खाड़ीपूर और सड़क क्षति को लेकर प्रशासन पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा:

>सूरत शहर में जब खाड़ीपूर आया हो या सड़कें बह गई हों - इन सभी मामलों पर अब प्रशासन को गंभीरता से विचार करने की ज़रूरत है। लोगों को इस परेशानी और त्रासदी से राहत मिलनी चाहिए।''

उन्होंने यह भी माना कि -

>''अब जब बारिश शुरू हो चुकी है, तो इस वर्ष के मानसून में शायद कुछ नहीं किया जा सकता, लेकिन प्रशासन को चाहिए कि वर्तमान स्थिति का सर्वेक्षण कर एक विस्तृत अध्ययन करे ताकि अगले मानसून में ऐसी दिक्कतों से जनता को छुटकारा दिलाया जा सके।

प्रशासन से पूछा, जवाब नहीं मिला कुमार कानाणी ने यह भी कहा कि -

>''शहर में सड़कें टूटती हैं, गड्ढे बनते हैं - इसका कारण क्या है? इसका कोई जवाब नहीं देता। जब हम पूछते हैं कि इसके लिए ज़िम्मेदार कौन है, तो इसका भी कोई जवाब नहीं देता। अगर हमें जवाब मिले तो हम भी जनता को कुछ कह सकें।

अधिकारियों का ध्यान पूरी तरह भटक चुका है। उनमें काम करने की इच्छाशक्ति और जज़्बा नहीं है। सड़कों के निर्माण में भ्रष्टाचार होता होगा, तभी तो सड़कें टूट जाती हैं और बह जाती हैं।

शासकों की जिम्मेदारी निश्चित है, इसलिए ही हम प्रशासन को काम पर लगाते हैं। लेकिन जब अधिकारी ही जवाबदेह न हों और कार्य के प्रति गंभीर न हों, तो जनता के सामने हमारी भी स्थिति मुश्किल हो जाती है।

काणाणी के इस बयान से साफ है कि भाजपा के भीतर ही प्रशासन की कार्यशैली को लेकर असंतोष बढ़ रहा है, और जनता की पीड़ा को लेकर नेता भी खुद को लाचार महसूस कर रहे हैं।

विपक्ष की नेता पायल साकरिया ने कहा कि उन्होंने सूरत में खाड़ीपूर और सड़कों की खराब स्थिति को लेकर सभी पार्षदों के साथ मेयर के चैंबर में जाकर मुद्दा उठाया।

सूरत में हर साल आने वाली बाढ़ की स्थिति और मानसून के दौरान सड़कों की दयनीय हालत को लेकर हमने मेयर से कई सवाल पूछे, लेकिन मेयर के पास काम करने की कोई काबिलियत नहीं है।

पायल साकरिया ने आगे कहा:

हमने बार-बार इस मुद्दे पर ध्यान खींचा है, विरोध प्रदर्शन भी किए हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। इससे साफ है कि शासक वर्ग कामकाज में पूरी तरह विफल साबित हुआ है।

विपक्ष ने सरकार को घेरा,कहा -मुख्यमंत्री में सरकार चलाने की काबिलियत नहीं है तो इस्तीफा दें

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

कांग्रेस ने गंभीरा ब्रिज की दुर्घटना को केवल एक हादसा नहीं, बल्कि गुजरात सरकार की गंभीर लापरवाही करार दिया। पार्टी नेताओं का कहना है कि सरकार को पहले से जानकारी थी कि ब्रिज जर्जर हो चुका है, फिर भी उसे बंद नहीं किया गया।

नेता विपक्ष अमित चावड़ाने कहा:

> यह केवल एक ब्रिज का गिरना नहीं, यह सरकार की आपराधिक लापरवाही है। अगर ब्रिज खतरे में था तो उसे बंद क्यों नहीं किया गया? सरकार को चाहिए कि वह राज्य के सभी ब्रिजों की तुरंत जांच कराए और उनकी सेफ्टी रिपोर्ट जनता के लिए सार्वजनिक करे।

शंकरसिंह वाघेला का तीखा हमला: पूर्व मुख्यमंत्री शंकरसिंह वाघेला ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा:

>''भाजपा पिछले 30 वर्षों से गुजरात में शासन कर रही है और उसका भ्रष्टाचार अब अजगर बन चुका है जो धीरे-धीरे पूरे राज्य को निगल रहा है। सरकार जनता को अपनी गुलाम समझकर मनमानी कर रही है। जब जनता सवाल पूछना छोड़ देती है, तब ऐसे बेशर्म शासक और बेलगाम हो जाते हैं। इस लापरवाही का नतीजा है - आम नागरिकों की मौत।

AAP ने भी मुख्यमंत्री से इस्तीफे की मांग की

गुजरात आप प्रमुख इशुदान गढ़वी ने कहा:

> भ्रष्ट भाजपा सरकार में अब गुजरात की सड़कें और ब्रिज मौत की फैक्ट्री बन चुके हैं। टैक्स जनता देती है और खाती सरकार। सरकार अगर व्यवस्था नहीं दे सकती तो उसे सत्ता में बने रहने का कोई हक नहीं। मुख्यमंत्री को नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देना चाहिए।

विपक्ष की मुख्य मांगें:

1. मुख्यमंत्री और पूरे मंत्रिमंडल का तत्काल इस्तीफा
2. राज्य के सभी ब्रिजों और सड़कों की गुणवत्ता की जांच
3. सभी पुलों का सेफ्टी सर्टिफिकेट पब्लिक डोमेन में जारी किया जाए
4. जर्जर ब्रिजों को तुरंत बंद किया जाए
5. हादसे में मृतकों के परिवारों को उचित मुआवजा और दोषियों पर सख्त कार्रवाई

ब्रिटिश जमाना बेहतर था - कांग्रेस नेता की टिप्पणी

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि ब्रिटिश काल में भी ब्रिजों पर उनकी निर्माण और समाप्ति की तारीखें लगाई जाती थीं, लेकिन आज की सरकार इतनी भ्रष्ट है कि न तो जानकारी देती है, न जांच करती है। इस कारण निर्दोष जनता को अपनी जान गंवानी पड़ रही है।

यह हादसा केवल एक ब्रिज का गिरना नहीं, बल्कि गुजरात सरकार की संवेदनहीनता और प्रशासनिक विफलता का प्रतीक बन गया है। अब सवाल उठता है - क्या सरकार जिम्मेदारी लेगी या फिर से सब ठंडे बस्ते में डाल देगी?

सचिन में 'टीबी मुक्त अभियान' विवादों में

स्वास्थ्य अधिकारी खुद बिना मास्क क्या गरीबों की उपस्थिति का बना मजाक?

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सचिन:शहर के सचिन क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित किया गया ''टीबी मुक्त अभियान'' अब विवादों के घेरे में आ गया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही तस्वीरों में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि स्वास्थ्य अधिकारी खुद बिना मास्क लोगों के बीच मौजूद हैं, जबकि अभियान में शामिल सभी लोगों को मास्क अनिवार्य किया गया था।

मिली जानकारी के अनुसार, इस अभियान में खासतौर पर गरीब और सामान्य परिवारों के लोगों को आमंत्रित किया गया था।लेकिन जिस तरह से इस कार्यक्रम की रचना और संचालन किया गया, उससे ऐसा प्रतीत होता है कि इनकी उपस्थिति महज दिखावे के लिए थी - जागरूकता के नाम पर एक तरह का मजाक किया गया।

स्थानीय नागरिकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं की प्रतिक्रिया: कई स्थानीय लोगों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा -

>''जब अधिकारी खुद नियमों का पालन नहीं करते, तो आम जनता को शिक्षा देना दिखावा और ढोंग ही कहलाएगा।''

कुछ लोगों ने इस कार्यक्रम को ''फोटोशूट अभियान'' करार दिया, जहां वास्तविक प्रभाव (impact) के बजाय ब्रांडिंग और प्रचार को प्राथमिकता दी गई।

बड़ा सवाल:

क्या ऐसे अभियानों से वास्तव में जागरूकता लाई जा सकती है? या फिर गरीबों को महज़ सोशल मीडिया पोस्ट के बैकड्रॉप के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है?

फिलहाल इस मुद्दे पर प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। लेकिन सोशल मीडिया और स्थानीय स्तर पर हो रही आलोचनाएं बता रही हैं कि लोगों के मन में इस अभियान को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो चुके हैं।